रांची एवं पटना से प्रकाशित * * * * रांची शनिवार, 14 अक्टूबर 2023 आश्विन कृष्ण पक्ष अमावस्या, संवत 2080 पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ 6 वर्ष : 1, अंक : 179 आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

महालया आज

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	36.1	24.8
जमशेदपुर	35.6	23.2
डालटनगंज	35.3	23.3

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

वर्ल्ड कप आज का मैच

भारत VS पाकिस्तान

दोपहर 2:00 बजे से

सबसे बड़ा शो आज

सर्राफा

सोना (बिक्री)	56,100
चांदी (किलो)	75,000

ओबीसी 55% और अगड़े सिर्फ 5%

झारखंड में जाति गणना हुई, तो चौंकाऊ होंगे नतीजे

कौशल आनंद । रांची

बिहार के आंकड़े जारी होने के बाद झारखंड में भी जातिगत गणना की मांग जोर पकड़ रही है. झारखंड की 2023 की अनुमानित आबादी और जातिगत दावों की पड़ताल करने पर चौंकानेवाले आंकड़े सामने आ रहे हैं. बिहार की तरह यहां भी अन्य पिछड़ा वर्ग 55 % से ज्यादा हो सकता है. आदिवासियों की संख्या में भी 2011 की गणना की तुलना में वृद्धि की संभावना है. दलित आबादी भी 1 से 2 फीसदी बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं. दूसरी तरफ अगड़े वर्ग की आबादी 3 से 5 फीसदी के बीच सिमट सकती है.

अगर अनुमान और दावों का कुछ प्रतिशत इधर-उधर भी हुआ, तो राज्य में पिछड़ी जाति अपर हैंड हो जाएगी. ऐसे में यहां की आदिवासी बहुल राज्य की छवि को झटका लग सकता है, क्योंकि राज्य में पिछड़ी जाति की आबादी सबसे ज्यादा होगी. हालांकि 2011 की तुलना में आदिवासियों की संख्या में बढ़ोतरी होती दिख रही है. राज्य की प्रमुख क्षेत्रीय पार्टी झामुमो धीरे-धीरे आदिवासी राजनीति से ऊपर उठती दिख रही है. अगर झारखंड में जातिगत गणना हुई और ओबीसी बहुसंख्यक हुआ, तो झामुमो की राजनीति को झटका लग सकता है. दूसरी तरफ अब आजसू पार्टी जातिगत जनगणना के पक्ष में खड़ी होती दिख रही है. हालांकि भाजपा का साथ उसे नहीं मिल रहा. यह आजसू के लिए चिंता की बात है. दरअसल, भाजपा इस मुद्दे पर पसोपेश में है.

बिहार में पूर्व डिप्टी सीएम सुशील मोदी जातिगत गणना का श्रेय भाजपा को देते हुए कहते हैं कि जाति गणना कराने का फैसला एनडीए सरकार में लिया गया था. लेकिन इसके उलट पीएम नरेंद्र मोदी जाति गणना को बहुसंख्यक समुदाय और गरीबों को बांटने की साजिश करार दे रहे. कुल मिला कर, झामुमो अधिकार देने की वकालत तो कर ही रहा है, और अब जातिगत जनगणना पर खुल कर बोलने भी लगा है.

झारखंड में अनुमानित जाति गणित

2023 में झारखंड की अनुमानित आबादी

4.06 करोड़

आदिवासी

1 करोड़ (28%)

- (2011 की जनगणना से 2% बढ़ोतरी का अनुमान)

दलित : 11-12 %

- नोट : 2011 की जनगणना की तुलना में 1-2% वृद्धि की उम्मीद

सवर्ण : 3 से 5 %

झारखंड में ओबीसी की अनुमानित आबादी

- कुड़मी : **60 लाख**
- कुशवाहा : **30 लाख**
- वैश्य : **45 लाख**
- मुसलमान पिछड़ा वर्ग : **30 लाख**
- केवट, मल्लाह, बिंद, छीवर आदि : **30 लाख**
- कुम्हार, नाई, विश्वकर्मा, शर्मा, सोनार व अन्य : **40 लाख**
- यादव : **15 लाख**

कुल ओबीसी **55 %**

क्या है आंकड़ों का आधार

राज्य पिछड़ा आयोग ने पूर्ववर्ती रघुवर सरकार को एक गोपनीय रिपोर्ट भेजी थी, जिसमें आयोग ने 55 प्रतिशत पिछड़ा वर्ग आबादी का जिक्र किया था. ओबीसी का आंकड़ा आयोग की गोपनीय रिपोर्ट व विभिन्न पिछड़ा वर्ग संगठनों से मिली जानकारी के आधार पर है. आदिवासियों का आंकड़ा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा प्रधानमंत्री को लिखे गए पत्र से लिया गया है, जिसमें राज्य में आदिवासियों की संख्या एक करोड़ होने की बात कही गयी है.

दिसंबर से राज्य में शुरू होगी जातीय जनगणना : चंपई सोरेन

राज्य के आदिवासी कल्याण एवं परिवहन मंत्री चंपई सोरेन ने कहा कि बिहार की तरह झारखंड सरकार भी शीघ्र जातीय जनगणना कराने जा रही है. कैबिनेट की अगली बैठक में इस प्रस्ताव पर मुहर लगेगी. संभवतः दिसंबर से राज्य में जातीय जनगणना शुरू हो जाएगी. मंत्री चंपई सोरेन ने कहा कि बिहार किसी भी आंदोलन का अगुआ रहा है. वहां जातीय जनगणना से यह बात साबित हो चुकी है कि अब भी दबे- कुचले पिछड़े, आदिवासियों को उनकी आबादी के अनुसार आरक्षण देकर उनके जीवनस्तर में व्यापक सुधार लाने की आवश्यकता है, इसलिए झारखंड सरकार भी जातीय जनगणना मार्च 2024 के पूर्व करा लेना चाहती है. उन्होंने कहा कि देश में इंडिया गठबंधन की सरकार बनी, तो पूरे देश में जातीय जनगणना कराएगी और आबादी के अनुसार सभी वर्गों का आरक्षण तय करेगी.

राजभवन ने बीबीएमकेयू के कुलपति को किया बर्खास्त

शुभम संदेश टीम । रांची/धनबाद

राजभवन ने बिनोद बिहारी कोयलांचल विवि (बीबीएमकेयू) के कुलपति डॉ शुकदेव भोई को बर्खास्त कर दिया है. इस संबंध में शुक्रवार को अधिसूचना जारी कर दी गई. बाद में प्रेस ब्रीफिंग कर इसकी जानकारी राजभवन ने दी. डॉ शुकदेव भोई पर वित्तीय अनियमितताओं सहित कई गंभीर आरोप सही पाए गए. बता दें कि शुभम संदेश ने 18 अगस्त को ही इस संबंध में 'बिना योग्यता बन गए वीसी!' शीर्षक से खबर छापी थी.

शुभम संदेश ने बताया था कि प्रदेश के विश्वविद्यालयों में नियुक्त कई वीसी आर्हता पूरी नहीं करते हैं. चार विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की नियुक्ति पर सवाल उठ रहे हैं. यूजीसी द्वारा निर्धारित मानकों पर खरा नहीं उतरने के बावजूद इन कुलपतियों की नियुक्ति कर दी गई है. इसकी शिकायत राजभवन सहित प्रधानमंत्री, सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश, केंद्रीय गृह मंत्रालय और झारखंड सरकार से की गई थी.

शुभम संदेश में प्रकाशित खबरों के बाद राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने विश्वविद्यालय में नियुक्ति औरा वित्तीय अनियमितताओं से संबंधित आरोपों को गंभीरता से लिया. उसके बाद राजभवन ने कुलपतियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की. आने वाले दिनों में बीबीएमकेयू के वीसी की तरह अन्य विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के खिलाफ भी कार्रवाई संभव है.

शुभम संदेश की खबर पर लगी मुहर

बिना योग्यता बने वीसी!

डीन के ऊपर डीन

शुभम संदेश ने किया था खुलासा

वीसी पर उत्तर पुस्तिका बेचने सहित कई आरोप

प्रो शुकदेव भोई

शुभम संदेश ने बताया था कि कुलपति पद के लिए डॉ शुकदेव भोई अयोग्य हैं. वे दिल्ली में किसी कॉलेज में कार्यरत थे. अचानक कुलपति बन गए. ये भी कई अर्हताओं को पूरा नहीं करते. कुलपति बनने के बाद से ही चर्चा में बने हुए थे. इन पर बिना निविदा आमंत्रित किए सिर्फ कोटेशन के आधार पर कार्य का आवंटन, वित्तीय अनियमितता, प्रक्रिया का पालन किए बगैर कैंपस में मैन पावर सप्लाई, बिना प्रक्रिया अपनाए बड़े पैमाने पर वस्तुओं की खरीद, प्रक्रिया पूरी किए बिना उत्तर पुस्तिका बाजार में बेचने, सिटी क्लैप कंपनी को राज्य सरकार से अनुमति लिए बगैर सुरक्षा गार्ड उपलब्ध कराने का लाइसेंस जारी करना, टुंडी, सिंदरी, पीके राय मेमोरियल कॉलेज, गोमिया समेत कुछ अन्य कॉलेजों के प्राचार्य, एचओडी और पीजी विभाग के डीन से रुपये लेने, 10 महीने की अवधि में कुल 46 तबादले समेत कई आरोपों की जांच चल रही है.

दिल्ली रवाना हो गए कुलपति

राजभवन ने जांच में आरोपी पाए जाने के बाद ही डॉ शुकदेव भोई को पद से हटाने का निर्णय लिया. बीबीएमकेयू के रजिस्ट्रार डॉ कौशल कुमार ने बताया कि दोपहर 12 बजे राजभवन से नोटिस आया. इसके बाद विश्वविद्यालय की ओर से श्री भोई को रिलीविंग लेटर दे दिया गया. इसके बाद कुलपति लाल बहादुर शास्त्री यूनिवर्सिटी दिल्ली के लिए रवाना हो गए.

सिंडिकेट में हुआ था जम कर हंगामा

20 सितंबर को हुई सिडिंकेट की बैठक में राज्यपाल के प्रतिनिधि के रूप में डॉ राजीव कुमार द्वारा कुलपति पर कई आरोप लगाए गए थे. जम कर हंगामा भी हुआ था. डॉ राजीव ने सिंडिकेट की रिपोर्ट राजभवन में जमा करने की बात कही थी. इसके बाद प्रतिकुलपति के राज्यपाल से मुलाकात के बाद कुलपति की बर्खास्तगी को बल मिला था. इसके पूर्व कुलपति पर लगे आरोपों को लेकर 18 जुलाई को राजभवन की जांच कमेटी ने विवि का दौरा किया था. यहां पूछताछ के बाद कमेटी ने कई दस्तावेज जब्त किए थे.

डीएसपीएमयू के कुलपति के खिलाफ आरोपों पर भी राजभवन गंभीर

शुभम संदेश में प्रकाशित खबर

राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने भी दो अक्टूबर को कहा था कि राज्य के विश्वविद्यालयों में नासूर बन चुका है भ्रष्टाचार. इसके कुछ ही दिनों के बाद राजभवन एक्शन में दिखने लगा है. पहले अयोग्य वीसी को हटाकर राजभवन ने अन्य कुलपतियों को भी सचेत कर दिया है. डीएसपीएमयू के कुलपति डॉ. तपन कुमार शांडिल्य पर भी करोड़ों खर्च करने, अपने संबंधियों को नौकरी देने, कोटेशन पर टेंडर करने, सस्ते सामान महंगी दर पर खरीदने सहित कई आरोप लग चुके है. क्वालिटी एजुकेशन के नाम पर डीएसपीएमयू में अरबों रुपए खर्चने का प्लेटफार्म डॉ. तपन कुमार शांडिल्या ने तैयार कर लिया है. डॉ. शांडिल्या 2016 में प्रोफेसर बने. बतौर प्रोफेसर 10 वर्ष पूरे भी नहीं हुए. सात साल बाद ही कुलपति बन गए. मगध यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर से संबंधित अधिसूचना जारी हुई थी. दस्तावेज बता रहे हैं कि डॉ. शांडिल्य कुलपति पद के लिए निर्धारित अर्हता पूरी नहीं करते हैं. इसके बाद भी इनकी नियुक्ति हुई. वे इससे पहले कॉलेज ऑफ कॉमर्स, आर्ट्स एंड साइंस पटना के प्रिंसिपल थे.

ट्रॉफी का सीएम ने किया अनावरण

रांची। झारखंड में पहली बार हो रही अंतर्राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता झारखंड महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी का शुक्रवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अनावरण किया. प्रोजेक्ट भवन में के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विश्व हॉकी महासंघ के अध्यक्ष दातो तैयब इकराम, खेल मंत्री हफीजुल अंसारी ने ट्राफी का अनावरण किया. इसका आयोजन 27 अक्टूबर से पांच नवंबर तक रांची में होगा. **खेल पेज भी देखें**

सीएम को हाईकोर्ट से भी राहत नहीं

ईडी के समन को चुनौती देनेवाली याचिका खारिज

विनीत आभा उपाध्याय । रांची

झारखंड हाईकोर्ट से भी शुक्रवार को सीएम हेमंत सोरेन को बड़ा झटका लगा है. हाईकोर्ट ने सीएम की ओर से दायर याचिका को खारिज कर दिया. हाईकोर्ट ने कहा, याचिका सुनने लायक नहीं है.

हाई स्पीड मोड में हुई सुनवाई के दौरान सीएम की ओर से अधिवक्ता पी चिदंबरम, कपिल सिब्बल और पीयूष चित्रेश ने पक्ष रखा. ईडी की ओर से एएसजी एसवी राजू ने बहस की. दोनों पक्षों को सुनने के बाद चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र और जस्टिस आनंद सेन की बेंच ने सीएम की याचिका को खारिज कर दिया. ईडी के अधिवक्ता एसवी राजू ने कहा कि सीएम ने समन का पहले ही उल्लंघन किया है. किसी समन पर पेश नहीं हुए. उनका समन को चुनौती देने का औचित्य नहीं. इस लिए उन्हें राहत नहीं दी जा सकती. सीएम की ओर से कपिल सिब्बल ने कहा कि सीएम पर किसी तरह का कोई मामला दर्ज नहीं है. ऐसे में ईडी द्वारा समन देना उचित नहीं है.

अब सीएम के पास ये विकल्प: पूर्व महाधिवक्ता अजीत कुमार के मुताबिक, सीएम के पास विकल्प है कि वह इसको सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे सकते हैं. **शेष पेज 10 पर**

इस वजह से खारिज हुई याचिका : ईडी ने कहा कि प्रार्थी ने जो पीएमएलए एक्ट की धारा 50 और 60 को चुनौती दी है, उसे सुप्रीम कोर्ट विजय मदन लाल चौधरी के केस में डिसाइड कर चुका है. इसके तहत हमें बयान लेने का अधिकार है. ऐसे में हाईकोर्ट इस मामले में आदेश नहीं दे सकता है.

रखा पक्ष विदेश मंत्रालय ने 'आज़ाद फ़िलिस्तीन' पर स्थिति की साफ, इजरायल को लग सकता है खराब

भारत आतंकवाद के खिलाफ, फिलिस्तीन के नहीं

शुभम संदेश नेटवर्क । नई दिल्ली

इज़रायल और ग़ाज़ा की जंग के बीच भारतीय विदेश मंत्रालय ने साफ़-साफ़ कह दिया है कि हमने हमेशा से ही एक अलग और स्वतंत्र फ़िलिस्तीन देश का समर्थन किया है. साथ ही शांतिपूर्ण समाधान के लिए दोनों के बीच सीधी बातचीत की वकालत भी की है.

7 अक्टूबर की सुबह ग़ाज़ा पट्टी के हमास ने इज़रायल पर रॉकेट दागना शुरू किए, तो भारत ने इसे आतंकवादी हमला कहा था. पीएम नरेंद्र मोदी ने शाम को ही एक्स पर पोस्ट कर दिया कि इस कठिन समय में हम इज़रायल के साथ खड़े हैं. ऐसे में पीएम मोदी के इस पोस्ट को ही भारत के स्टैंड की तरह देख लिया गया. **शेष पेज 10 पर**

इजरायल-फिलिस्तीन पर भारत का रुख

इस बीच भारतीय विदेश मंत्रालय ने इजरायल और फिलिस्तीन के मामले पर कहा है कि इस संबंध में हमारी नीति दीर्घकालिक और सुसंगत रही है. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा, फिलिस्तीन को लेकर भारत की पॉलिसी लंबे समय से एक ही रही है. भारत हमेशा से बातचीत के माध्यम से आजाद और संप्रभु फिलिस्तीन बनाने की वकालत कर रहा है. भारत का स्टैंड अब भी यही है. अरिंदम बागची ने आगे कहा कि हमास द्वारा इजरायल पर किए गए हमले को भारत एक आतंकी हमले की तरह देख रहा है. लेकिन यह कहना भी तर्कसंगत होगा कि फिलस्तीन के आम लोगों की तबाही कम से कम हो. उधर, पीएम मोदी ने दोहराया है कि इजराइय-हमास युद्ध के बीच दुनिया में जहां कहीं भी आतंकवाद है, चाहे वह किसी भी रूप में हो, मानवता के विरुद्ध है और संघर्ष से किसी को फायदा होने वाला नहीं है.

स्वदेश लाए गए 200 नागरिक

शुक्रवार को इजरायल में फंसे 200 लोगों को विशेष विमान से दिल्ली ला गया है. दूसरा जत्था भी शनिवार की सुबह पहुंचने की उम्मीद है. विदेश मंत्रालय ने कहा कि इजरायल में भारतीय दूतावास द्वारा जारी एडवाइजरी का सभी भारतीय पालन करें और मुसीबत में दूतावास से संपर्क कर सकते हैं.

67 शब्दों का भूकंप खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहा

पेज 8-9 पर विशेष आयोजन

विवि के संघ ने मनाया जश्न : विश्वविद्यालय, शिक्षक व विद्यार्थियों के लिए मुक्ति दिवस : संघ

बीबीएमकेयू के कुलपति को हटाए जाने पर शिक्षकों ने मनाया उत्सव

संवाददाता। धनबाद

बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय में 13 अक्टूबर को दोपहर में कुलपति डॉ. शुकदेव भोई को पद से हटाए जाने के बाद परिसर में उत्सव का माहौल था. शाम करीब चार बजे विश्वविद्यालय कैंटीन के समक्ष विवि के लगभग सभी अधिकारी व पीजी विभाग के शिक्षक जमा हुए. सभी ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी और अपनी खुशी का इजहार किया. शिक्षकों ने कुलपति के व्यवहार से संबंधित अपनी पीड़ा भी सुनाई.

सुबह 11.45 बजे नोटिफिकेशन, दोपहर डेढ़ बजे वीसी रवाना : विश्वविद्यालय सूत्रों के अनुसार, सुबह करीब 11.45 बजे ई-मेल के माध्यम से कुलपति को पदमुक्त किये जाने का आदेश रजिस्ट्रार कार्यालय को मिला. रजिस्ट्रार ने राजभवन के सचिव नितिन मदन कुलकर्णी से कन्फर्म करने के बाद कुलपति को रिलीज लेटर देकर कुलपति कार्यालय में ताला बंद करवा दिया. इसके तुरंत बाद कुलपति का निजी समान एक कमरे में बंद करवाकर कुलपति आवास में भी ताला बंद करवा दिया. दोपहर करीब डेढ़ बजे डॉ. भोई दिल्ली के लिए रवाना हो गए. इसके बाद शाम चार बजे रजिस्ट्रार के नेतृत्व में विवि अधिकारियों की टीम दोबारा कुलपति आवास पहुंची और सभी कमरों के सामान की लिस्टिंग कर पंचनामा कराया.

कुलपति आवास में ताला बंद करने पहुंचे रजिस्ट्रार व विवि के अधिकारी.

सुनिश्चित करें कि कुलपति अब किसी भी फाइल पर साइन न करें : राजभवन

विश्वविद्यालय सूत्रों के अनुसार, राजभवन से विवि कार्यालय को आदेश दिया गया था कि रजिस्ट्रार सुनिश्चित करें कि आज की तारीख में कुलपति किसी भी फाइल पर साइन न करें. आदेश को देखते हुए रजिस्ट्रार ने तुरंत उन्हें रिलीज लेटर देकर विदा कर दिया. कुलपति भी लगभग एक से डेढ़ बजे के बीच किराए के वाहन से दुर्गापुर के रास्ते दिल्ली के लिए रवाना हो गए.

खास बातें
- शिक्षकों ने वीसी के व्यवहार की अपनी पीड़ा भी सुनाई
- सभी ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी

हमारा संकल्प पूरा हुआ, संघर्ष रंग लाया: डॉ. धर्मेंद्र

बीबीएमकेयू शिक्षक संघ के सचिव डॉ. धर्मेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि कुलपति डॉ. भोई के कार्यकाल में विवि की स्थापना के उद्देश्य को ग्रहण लग गया था. इनके तानाशाही रवैया से शिक्षकों, छात्र-छात्राओं का मान-सम्मान खतरे में था. आज का दिन शिक्षक समुदाय और छात्र-छात्राओं के लिए मुक्ति दिवस के रूप में याद किया जाएगा. विश्वविद्यालय में पठन-पाठन के साथ-साथ विकास के अन्य रास्ते का मार्ग प्रशस्त करने के लिए राज्यपाल और मुख्यमंत्री को संघ धन्यवाद देता है.

आपकी बात

जीवन में खुद सम्मान पाना है, तो औरों का सम्मान करना सीखें. साथ ही अपनी वाणी व आत्मा को शुद्ध रखने की जरूरत है.

नाम : जीतू यादव
पद : सामाजिक कार्यकर्ता सह व्यवसायी
जन्मस्थल : हजारीबाग
कार्य क्षेत्र : हजारीबाग

हजारीबाग ग्वालटोली निवासी जीतू यादव वैसे तो व्यवसायी हैं, लेकिन सामाजिक कार्यों के प्रति बचपन से ही लगाव रहा है. हर गरीब, असहाय और जरूरतमंदों के लिए वह तत्पर रहते हैं. वर्ष 1990 में अन्नदा हाई स्कूल से इंटर और संत कोलंबा कॉलेज से इंटर करनेवाले जीतू यादव के पिता स्व. लक्ष्मण गोप दूध आदि का कारोबार करते थे. माता बुधिया देवी गृहिणी हैं. तीन भाई और एक बहन में मंझले भाई जीतू यादव नया बस स्टैंड के पीछे शारदीय दुर्गा पूजा महासमिति, ग्वाल टोली चौक के उपाध्यक्ष हैं और उन्हें देवी-देवताओं पर अगाध आस्था है. वह कपड़ा बैंक, गर्मी में पानी की व्यवस्था, दानपुण्य आदि में अक्सर भाग लेकर योगदान देते रहे हैं. वह संदेश देते हैं की गरीबों की सेवा करना सबसे बड़ा धर्म है. साथ ही यह भी कहते हैं कि सुबह नियमित सैर और व्यायाम करने से तन और और मन दोनों स्वस्थ रहता है. इससे आत्मिक शांति मिलती है और भगवान की भक्ति से आत्मशुद्धि होती है. परोपकार सेवा का मूल उद्देश्य होना चाहिए. अपनी वाणी और आत्मा को शुद्ध रखने की जरूरत है. जीवन में खुद सम्मान पाना है, तो औरों का सम्मान करना सीखें. कोई ऐसा व्यवहार नहीं करें कि दूसरों के मन में पीड़ा हो.

ब्रीफ खबरें

एसएमसी अध्यक्षों को ट्रेनिंग के लिए कार्यशाला

मझगांव। मझगांव प्रखंड अंतर्गत बेसिक स्कूल जानुमपी सभागार में प्रखंड क्षेत्र के 60 विद्यालयों के एसएमसी अध्यक्षों का दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला एस्पायर संस्था द्वारा शुक्रवार से आयोजित की गई. कार्यशाला का शुभारंभ खडपोस पंचायत मुखिया प्रताप चातार द्वारा फीता काटकर किया गया. मुखिया ने कहा कि विद्यालय संचालन में मुख्य कार्य एसएमसी अध्यक्ष का होता है. आपकी देखरेख के बिना विद्यालय का संचालन कर पाना संभव है. एसएमसी अध्यक्षों को संस्था द्वारा जागरूक करने के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है.

जीडी गोयनका स्कूल में वेस्टर्न म्यूजिक कंपीटिशन

रांची। जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल रांची के प्रांगण में वेस्टर्न म्यूजिक कंपीटिशन का भव्य आयोजन किया गया. इसमें बच्चों ने अपने अभिभावकों के सामने अपनी पसंद वाद्य यंत्रों के साथ इंस्ट्रुमेंटल सह वोकल संगीत को बड़े प्रभावी अंदाज में प्रस्तुत किया. अपने बच्चों के परफॉर्मेंस को देख उनके माता-पिता बहुत ही प्रसन्नचित दिखे. इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर सुनील कुमार ने कहा कि शिक्षा के साथ संगीत का संबंध हमारे वैदिक काल से रहा है, ये जीवन को सहज और सुंदर बनाने में हमारी मदद करता है.

बीएसके कॉलेज में हिंदी नवजागरण पर वेबिनार

मैथन । बीएसके कॉलेज मैथन में हिंदी विभाग की ओर से शुक्रवार को हिंदी नवजागरण के स्त्री प्रश्नः एक संवाद विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया. दिल्ली विश्वविद्यालय के महाराज अग्रसेन कॉलेज हिंदी विभाग की प्राध्यापिका डॉ. आरती यादव बतौर मुख्य वक्ता इसमें शरीक हुईं. उन्होंने विषय पर अपना विचार रखते हुए सीमांतनी उपदेश, एक अज्ञात हिंदू औरत व एक बंग महिला जैसी रचनाओं के लेखन से सभी को परिचय कराया. साथ ही उस दौर के पुरुष लेखकों द्वारा स्त्रियों की समस्याओं के उद्धार संबंधी लेखन के लिमिटेशन पर विस्तार से प्रकाश डाला.

स्कूल में बेहोश होकर गिरी छात्रा, हुआ इलाज

घाटशिला । उत्क्रमित उच्च विद्यालय दीघा के कक्षा 10वीं की छात्रा शुक्रवार को अचानक स्कूल परिसर में अचेत होकर गिर गई. छात्राओं की मदद से शिक्षकों ने छात्रा रीला माला मुर्मू को एंबुलेंस की मदद से अनुमंडल अस्पताल घाटशिला पहुंचाया. अनुमंडल अस्पताल की डॉक्टर मीरा मुर्मू ने बेहोश पड़ी छात्रा की जांच करने के बाद इमरजेंसी में भर्ती कर लिया. डॉक्टर ने बताया कि छात्रा की स्थिति सामान्य है. विद्यालय के शिक्षक भवतोष दे तथा सुनील सिंह सरदार ने संयुक्त रूप से बताया कि छात्रा सुबह बिल्कुल स्वस्थ थी. स्कूल में प्रार्थना सभा के बाद क्लास भी की.

क्लासिफाइड

डीपीएस चास में रोटरी क्लब ने आयोजित किया जागरूकता अभियान

गुड-बैड टच के बारे में बच्चों को बताना जरूरी: पूजा बैद

संवाददाता। बोकारो

स्वयं से प्यार करने और अपने को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से शुक्रवार को रोटरी क्लब चास की ओर से डीपीएस चास स्कूल में गुड टच और बैड टच विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इसमें श्रीमद राज चंद्र मिशन घरमपुर गुजरात संस्था की सदस्य श्रुति सेठ ने बच्चों में जागरूकता पैदा करने को लेकर गुड टच और बैड टच के बीच अंतर को बताया. उन्होंने बताया कि गुड टच के समय आपको खुशी मिलेगी. आप अपने आप को सुरक्षित महसूस करेंगे और सुखद अहसास होगा. वहीं बैड टच के समय आपको डर या भय लगेगा आप अपने-आप को असुरक्षित महसूस करेंगे.

मौके पर रोटरी क्लब चास की अध्यक्ष पूजा बैद ने कहा कि हमलोगों को व्यक्तिगत मुहिम, व्यक्तिगत रुचि व जिम्मेदारी मानकर बच्चों में समझ विकसित करनी होगी. इसे व्यक्तिगत पहल पर अभियान के रूप में आगे बढ़ाना होगा, ताकि बच्चों में होने वाली घटनाओं को प्रथम चरण में ही रोका जा सके. कहा कि वर्तमान समय में स्कूलों में ऐसे कार्यक्रम की आवश्यकता है. शिक्षक भी बच्चों को गुड टच-बैड टच के बारे बताएं, ताकि बच्चे स्कूल, घर, परिवार, समाज में खुद को सुरक्षित महसूस कर सके. सचिव डिंपल कौर ने कहा कि इस पहल से स्कूलों में अध्ययनरत बच्चों में स्वयं के लिए जागरूकता बढ़ेगी. साथ ही बच्चे भयमुक्त वातावरण में पढ़ेंगे, अपनी बात खुल कर शिक्षकों व परिजनों के सामने रख सकेंगे. बच्चों को सुरक्षित वातावरण देना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है. महिला समिति की अध्यक्ष माधुरी सिंह ने कहा कि इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम से बच्चियां मानसिक और शारीरिक शोषण से बच सकती हैं, माधुरी ने कहा इससे बेटियों के प्रति सकारात्मक संदेश जाएगा.

कार्यक्रम की सफलता पर विद्यालय की चीफ मेंटर डॉ. हेमलता एस मोहन, डायरेक्टर नवीन कुमार शर्मा, कार्यवाहक प्राचार्या दीपाली भुस्कुटे, एकेडमिक डीन जोस थॉमस, डीएस मेमोरियल सोसाइटी के सचिव सुरेश अग्रवाल, रोटरी क्लब चास के सदस्य मंजीत सिंह, स्कूल की शिक्षिका रेणु कुमारी शर्मा सहित मौजूद थे.

डीपीएस चास में जागरूकता अभियान के दौरान मुख्य अतिथि व

दी जानकारी
- कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका प्रीति वर्मन ने किया
- वक्ताओं ने बैड टच के बारे में दी जानकारी, दिए टिप्स

सशिविमं में सम्मान समारोह का आयोजन

गिरिडीह। गिरिडीह शाह के बरगंडा स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर स्कूल में शुक्रवार को सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. इस वंदना सभा में प्रिंसिपल शिव कुमार चौधरी ने अंबाला हरियाणा में आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पदक, प्रमाण पत्र, जर्सी आदि देकर सम्मानित किया. शिव कुमार चौधरी ने बताया कि विद्या भारती ने 34वां राष्ट्रीय खेलकूद समारोह अंतर्गत 10 अक्टूबर को अंबाला हरियाणा में कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित की थी. इस प्रतियोगिता में स्कूल के भैया ने बेहतर प्रदर्शन किया है और अंडर-14 में कांस्य पदक जीता. प्रिंसिपल ने इस जीत का श्रेय स्कूल की कोच अनिता कुमारी व बच्चों के माता-पिता को दिया.

गुरुश्रेष्ठ शिक्षक सम्मान समारोह 15 अक्टूबर को

चाकुलिया। चाकुलिया नगर पंचायत के पुराना बाजार स्थित नगर भवन में 15 अक्टूबर को नेताजी सुभाष पब्लिक वेलफेयर सोसाइटी के तत्वावधान में गुरुश्रेष्ठ शिक्षक सम्मान समारोह होगा. समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड शिक्षा परियोजना की निदेशक किरण कुमारी पासी उपस्थित होंगी. इस समारोह में बहरागोड़ा विधानसभा के विद्यालयों के उत्कृष्ट शिक्षकों को सम्मानित किया जाएगा.

मिशन एयरपोर्ट पर 18 स्कूलों के बच्चों के साथ होगा मंथन

संवाददाता। धनबाद

रणधीर वर्मा चौक के समीप स्थित गांधी सेवा सदन में शुक्रवार को मिशन एयरपोर्ट धनबाद बैनर के तले प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई. झरिया कोलफील्ड बचाओ समिति के अध्यक्ष और मिशन एयरपोर्ट धनबाद के निवेदक राजीव शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि विगत समय में धनबाद में एयरपोर्ट के लिए कई बातें हुई है. जहां स्वास्थ्य एजुकेशन और आवश्यकता जैसे विषय पर बातें हो चुकी हैं. वहीं हाल के दिनों में नई बात सुनने को आई है की धनबाद से एलेप्पी के लिए एलेप्पी एक्सप्रेस चलाई जा रही है. अब उस ट्रेन का एक क्लोन ट्रेन भी चलाई जाने की बात कही जा रही है.

इसकी वजह क्या है कि आज के समय में धनबाद से इलाज के लिए इस ट्रेन से सफर करने वाले यंत्रों की संख्या में वृद्धि हुई है. अब तकरीबन 400 यात्रियों की टिकट वेटिंग में ही रह जा रही है.

वहीं राजीव शर्मा ने बताया कि इस ट्रेन से सफर करने वाले धनबाद के यात्री वेल्लोर तक जाते हैं और यह ट्रेन वेल्लोर के बाद खाली हो जाती है जिससे यह स्पष्ट हो जाता है. यहां से काफी संख्या में लोग दिल्ली और वेल्लोर की तरफ इलाज के लिए ट्रैवल करते हैं जिसके लिए ट्रेनों में सीट नहीं मिल पाती है.

खास बातें
- 15 अक्तूबर को कार्यक्रम का किया जाएगा आयोजन
- प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कार्यक्रम की जानकारी दी गई

पिट्स मॉडर्न स्कूल में नवरात्रि को लेकर हुआ सांस्कृतिक कार्यक्रम

संवाददाता। बेरमो

गोमिया के पिट्स मॉडर्न स्कूल परिसर में नवरात्रि से पूर्व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया. इस अवसर पर कक्षा अष्टम की छात्रा अंशिका वर्मा ने भाषण प्रस्तुत किया. कक्षा अष्टम की छात्राओं द्वारा लघु नाटिका प्रस्तुति की गई. साथ ही, छात्राओं द्वारा डांडिया नृत्य प्रस्तुत किया गया. इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य मनोज कुमार उपाध्याय ने कहा कि मां दुर्गा शक्ति, समृद्धि तथा धर्म पर आघात करने वाली राक्षसी शक्तियों को विनाश करती हैं. यह त्योहार हमें आपस में प्रेम, एकता व भाईचारे का संदेश देता है. विद्यालय के उप प्राचार्या डॉ. विनीता पटनायक पाढ़ी ने कहा कि दुर्गा पूजा का पर्व असत्य पर सत्य के विजय के रूप में मनाया जाता है. विद्यालय के प्रधानाध्यापक केके चांद ने दुर्गा पूजा की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बच्चों को ढेर सारी शुभकामनाएं दी. अभिषेक विश्वास वरिष्ठ प्रबंधक मैन्युफैक्चरिंग सेंटर गोमिया व विद्यालय प्रबंधन समिति के उपाध्यक्ष अरिंदम दासगुप्ता ने हर्ष व्यक्त करते हुए सभी छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दी.

मेरी माटी मेरा देश अभियान : मिट्टी व चावल किया संग्रह

लातेहार । शुक्रवार को शहर के बनवारी साहु महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तत्वावधान में मेरी माटी मेरा देश के तहत मिट्टी व चावल का अमृत कलश में संग्रह किया गया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय की सचिव अंजू गुप्ता ने कहा कि मेरी माटी मेरा देश अभियान के तहत देश के स्वतंत्रता सेनानी एवं अन्य वीरों को श्रद्धांजलि दी जा रही है. महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो पीके तिवारी ने कहा कि हर एक देशवासी के दिलों मे देशभक्ति का जज्बा है. बस उसे जगाने की जरूरत है. मेरी माटी मेरा देश अभियान उस जज्बे को सभी के सामने ला रहा है. कार्यक्रम में बतौर अतिथि नेहरू युवा केंद्र की जिला युवा अधिकारी कंचन कुमारी ने कहा कि गांव के एक सामान्य व्यक्ति को मिट्टी का महत्व बताते हुए उन्हें देश की माटी से जोड़ना इस अभियान का उद्देश्य है. उन्हें देश के बलिदानी व वीर वीरांगनाओं को सम्मान देने के लिए मेरी माटी-मेरा देश अभियान की शुरुआत की गई है.

केएन बक्शी कॉलेज में विदाई सह स्वागत समारोह का आयोजन

पासआउट प्रशिक्षुओं ने नए छात्रों को दिए टिप्स

संवाददाता। बेंगाबाद (गिरिडीह)

बेंगाबाद स्थित केएन बक्शी कॉलेज ऑफ एजुकेशन में शुक्रवार को विदाई सह स्वागत समारोह का आयोजन किया गया. कार्यक्रम के माध्यम से बीएड और डीएलएड 2021–23 सत्र के प्रशिक्षुओं को विदाई दी गई. साथ ही सत्र 2023–25 के प्रशिक्षुओं का स्वागत किया गया. कार्यक्रम में बतौर अतिथि जिला शिक्षा अधीक्षक विनय कुमार, जमुआ की जिला परिषद सदस्य कुमारी प्रभा वर्मा उपस्थित हुई.

कार्यक्रम में सत्र 2021–23 के परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पांच विद्यार्थियों को मेडल और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया. कार्यक्रम में महाविद्यालय से पासआउट प्रशिक्षुओं ने अपने अनुभव को नए प्रशिक्षुओं के सामने प्रकट किया और कॉलेज में बिताए समय, पठन पाठन के साथ शिक्षकों की सहयोगी भूमिका के बारे में बातें रखीं. बताया गया सत्र 2021–23 में महाविद्यालय के शत-प्रतिशत प्रशिक्षुओं ने डिस्टिंक्शन नंबरों के साथ उत्तीर्ण हुए हैं.

कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधीक्षक ने कहा कि बहुत कम समय में महाविद्यालय ने पूरे राज्य में अपनी अलग पहचान बनाई हैं. इसमें कॉलेज के सभी शिक्षक गण और कर्मियों का बहुमूल्य योगदान है.

अपने संबोधन में कॉलेज के प्राचार्य डॉ अजीत कुमार सिंह ने कहा महाविद्यालय ने अपने प्रशिक्षुओं को हर रूप से व्यावहारिक बनाने का प्रयास किया है. उन्होंने पास आउट प्रशिक्षुओं से कहा एक शिक्षक के ऊपर समाज में बदलाव के लिए बहुत बड़ा दायित्व होता है. वर्तमान समय में चुनौतियां बहुत हैं मगर संभावनाएं भी अपार हैं. चुनौतियों के अनुसार खुद को ढाल कर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ते रहना है. उन्होंने सभी को शुभकामनाएं दी.

केएन बक्शी कॉलेज में विदाई समारोह में शामिल छात्र व शिक्षक.

स्वागत समारोह
- बीएड व डीएलएड 2021-23 सत्र के प्रशिक्षुओं को दी विदाई
- पांच विद्यार्थियों को मेडल और सर्टिफिकेट दिया गया

डीबीएमएस कॉलेज ऑफ एजुकेशन में हुई क्विज प्रतियोगिता

जमशेदपुर। रोट्रेक्ट क्लब ऑफ डीबीएमएस कॉलेज ऑफ एजुकेशन की ओर से शुक्रवार को कॉलेज में आठवीं और नवमी कक्षा के स्कूली छात्रों के लिए क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. प्रतियोगिता में डीबीएमएस कदमा हाई स्कूल, केपीएस कदमा,चिन्मया विद्यालय बिष्टुपुर, सेंट जेवियर स्कूल खासमहाल और सेंट्रल पब्लिक स्कूल आदित्यपुर के छात्रों ने भाग लिया. कार्यक्रम का उद्घाटन कॉलेज के अध्यक्ष बी चन्द्रशेखर, सचिव श्रीप्रिया धर्मराजन, सहसचिव उषा रामनाथन व तमिल सेल्वी बालाकृष्णन, प्राचार्य डॉ जूही समर्पिता व उप प्राचार्य डॉ मोनिका उप्पल ने संयुक्त रुप दीप प्रज्वलित कर किया.

सराहनीय दूर दराज के प्रखंडों से आए कई छात्र अपना भविष्य संवारने आते हैं

नियोजनालय की लाइब्रेरी में युवा गढ़ रहे अपना भविष्य

अभय वर्मा। गिरिडीह

गिरिडीह में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं का अब संसाधनों की कमी का बहाना नहीं चलेगा. युवाओं में कुछ कर गुजरने का लगन और मेहनत का जज्बा होना चाहिए. इसकी सुविधा जिला नियोजनालय उपलब्ध करा रही है. प्रतियोगी पुस्तक विभाग उपलब्ध करा रही है.

यहां सेल्फ स्टडी कर किसी भी प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी की जा सकती है. शिक्षा जगत में गिरिडीह महत्वपूर्ण स्थान रखता है. दूर दराज के प्रखंडों से आए कई छात्र अपना भविष्य संवारने आते हैं. नतीजतन जिले में कई ट्यूशन सेंटर व लाइब्रेरी का निर्माण समय-समय पर किया गया, पर जिला नियोजनालय ने अब युवाओं के भविष्य संवारने की जिम्मेदारी उठा रखी है.

पूर्व में नियोजनालय केवल बेरोजगारी की सूची तैयार करने वाली सरकारी संस्थान समझी जाती थी, और अब युवाओं के भविष्य के प्रति भी गंभीर है. प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति गंभीर युवाओं को अब हर संभव सुविधा निःशुल्क दी जा रही है. बेरोजगार युवाओं को वायदे के बावजूद बेरोजगारी भत्ता भले ना मिले हो पर सरकार की पहल के बाद नियोजनालय सुविधा उपलब्ध कराकर गरीब छात्रों को भी भविष्य सुधारने का बेहतर मौका दे रही है.

यहां की खासियत यह है की डिमांड पर युवाओं को महंगी किताबें भी उपलब्ध कराई जा रही हैं. डिमांड पर यूपीएससी की तैयारी के लिए भी पुस्तक मंगाई जा रही है. जिला नियोजनालय पदाधिकारी प्रत्यूष शेखर की माने तो यहां सभी प्रकार की प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तक उपलब्ध कराई जाती है.

खास बातें
- जिला नियोजनालय लाइब्रेरी की सुविधा दिला रही है
- बेरोजगार मेहनती युवाओं के वरदान बना है लाइब्रेरी

प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे 200 युवा

जिला नियोजनालय में संचालित लाइब्रेरी में फिलहाल 200 बच्चे विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं. सभी प्रकार की सुविधाओं से लैस लाइब्रेरी सुबह 9 :00 से रात 8 :00 तक खुली रहती है. निगरानी के लिए कर्मी भी मौजूद रहते हैं, पर माहौल इस कदर शांत रहता है की निगरानी की जरूरत ही नहीं समझी जा रही है. छात्र आशीष सिंह, प्रभात कुमार जैसे युवाओं ने सरकार के इस पहल की जमकर सराहना की.

सकारात्मकता खुशियां लाती है तनाव मौलिकता छीनती है: चौहान

संवाददाता। गिद्दी

गुरुवार को गिद्दी के सरस्वती विद्या मंदिर गिद्दी बस्ती और अनुग्रह नारायण सिंह प्लस टू उच्च विद्यालय रेलीगड़ा में खुशी क्लास का आयोजन हुआ. लाइफ केयर हॉस्पिटल, रांची और खुशी क्लास के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित खुशी क्लास को संबोधित करते हुए संस्था के संस्थापक सह संचालक संचालन मुकेश सिंह चौहान ने कहा कि तनाव, डिप्रेशन को अपने जिंदगी में आस-पास भी फटकने नहीं देनी है. सकारात्मकता से खुशी जगती है और यही खुशी मंजिल तक ले जाती है.

इसमें सरस्वती शिशु मंदिर में सुधांशु शेखर मोहन, सहजानंद मिस्र, प्रदीप कुमार पाल, रंधीर कुमार , नूतन मिश्रा, प्लस टू रेलीगड़ा में मनोज कुमार, इंददेव यादव, एन एन तिवारी, दिवाकर कांत त्रिवेदी आदि मौजूद थे.

सकारात्मकता के ताकत से संबंधित कहानी भी सुनाई : उन्होंने सकारात्मकता से जुड़ी अब्राहन लिंकन की कहानी भी सुनाई. यह भी कहा कि जिन्हें ऊंचाई पर पहुंचना है, प्रसिद्धि पानी है उनके भाव, कार्यसंस्कृति हटकर होगी. सरल शब्द में, फलदार वृक्ष के ऐसा उनका व्यक्तित्व झुका होगा, पर उनकी कार्यपद्धति गगनचुंबी होगी.

ब्रीफ खबरें

विधायक ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

हुसैनाबाद। हुसैनाबाद के विधायक कमलेश कुमार सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिख कर मजदूर का शव श्रीलंका से भारत मंगाने का आग्रह किया है. हुसैनाबाद के भगवान बिगहा निवासी मजदूर युगल राम की मौत श्रीलंका में हो गई है. उनकी मौत पर हुसैनाबाद विधायक कमलेश कुमार सिंह ने गहरा दुःख व्यक्त करते हुए श्रीलंका से शव मंगाने की दिशा में प्रयास शुरू कर दिया है.

देवघर-गोड्डा ईएमयू का परिचालन शुरू

देवघर । बाबानगरी देवघर से सटे बिहार में हर दिन नौकरी के लिए जाने वालों को बड़ी राहत मिली है. अब देवघर से पटना के लिए ईएमयू ट्रेन की शुरुआत हो गई है. सांसद निशिकांत दुबे, देवघर विधायक नारायण दास और आसनसोल डिवीजन के डीआरएम चेतनानंद सिंह ने हरी झंडी दिखाकर इस ट्रेन को पटना रवाना किया. मौके पर सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि देवघर को लगातार ट्रेनों की सौगात मिल रही हैं.

विधायक ने की आर्थिक सहायता

बहरागोड़ा । बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के कुमारडूबी गांव के निगमानंद राउत (42) के आकस्मिक निधन की सूचना पाकर विधायक समीर मोहंती उनके आवास पहुंचकर शोकाकुल परिवार से मिले और शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी.स्व निगमानंद राउत के सुपुत्र शुभजित राउत की आर्थिक मदद भी की. मौके पर झामुमो नेता रासबिहारी साव,मदन मन्ना,सुमित माईती,उपप्रमुख मुन्ना होता उपस्थित थे.

पूर्व विधायक की गाड़ी क्षतिग्रस्त, बाल-बाल बचे

देवघर । सारठ के पूर्व विधायक उदय शंकर सिंह उर्फ चुन्ना बाबू की गाड़ी गुरुवार देर रात मधुपुर में डालमिया कूप के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई. दुर्घटना के बाद कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई. हालांकि चुन्ना सिंह समेत कार सवार अन्य लोग सुरक्षित निकल गए. बताया जा रहा है कि दुर्घटना के बाद थोड़ी के लिए चुन्ना सिंह बेहोश हो गए थे. उन्हें बेहतर इलाज के लिए दुर्गापुर ले जाया गया है. इसे लेकर सारठ के जेएमएम नेता परिमल कुमार सिंह ने जानकारी दी.

सहायता संघ ने चलाया जागरूकता अभियान

चाईबासा। टोंटो प्रखंड अंतर्गत ग्राम कोंदवा सामुदायिक भवन में शुक्रवार को मानवाधिकार सहायता संघ की ओर से जागरूकता अभियान चलाया गया. ग्रामीणों को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष कपिल देव राज हेस्सा ने मानवाधिकार सहायता संघ की विस्तृत जानकारी दी. ग्रामीणों ने संघ की कार्य शैली से प्रभावित हुए व ग्रामीणों ने कई गंभीर मामले दर्ज कराए.

गंगदा ग्राम सभा में कई योजनाएं स्वीकृत की गईं

किरीबुरु। गंगदा पंचायत के गंगदा गांव में शुक्रवार को ग्राम सभा की बैठक आयोजित की गई. मुंडा बिरसा सुरीन और मुखिया राजू सांडिल की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में योजनाओं का चयन सर्वसम्मति के साथ किया गया. यहां ग्रामीणों ने गंगदा व घाटकुडी गांव को विभाजित करने वाली जुमलेइकिर नाला पर दो स्पैन की पुलिया बनाने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई.

सिमडेगा के कोलेबिरा प्रखंड स्थित नवाटोली पंचायत में एकलव्य विद्यालय निर्माण कार्य का शिलान्यास

सुविधाओं से पूर्ण होंगे एकलव्य विद्यालय : अर्जुन मुंडा

संवाददाता। सिमड़ेगा

केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने शुक्रवार को सिमड़ेगा जिले के कोलेबिरा प्रखंड अंतर्गत नवाटोली पंचायत स्थित नव निर्माण एकलव्य विद्यालय कार्य का शिलान्यास किया। साथ ही उन्होंने देवी गुड़ी चौक पर समुदायिक भवन का उद्घाटन भी किया. अर्जुन मुंडा के वहां पहुंचते ही उनका भव्य रूप से ढोल नगाड़ा और पैकी नाच के साथ स्वागत किया गया.

कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री ने ग्रामीणों को जानकारी देते हुए कहा कि राज्य के सभी जिलों के सभी प्रखंडों में केंद्रीय विद्यालय के समानांतर एकलव्य विद्यालय की नींव रखी जा रही है, जहां पर 480 छात्र-छात्राओं की पढ़ाई होगी. एकलव्य विद्यालय में छात्र-छात्राओं के लिए छात्रावास, खेल मैदान, रसोई, लैब रूम, प्रैक्टिकल रूम आदि का निर्माण किया जाएगा. यह निर्माण कुल 12 एकड़ में बनाई जाएगी. इसके लिए केंद्र सरकार सभी एकलव्य विद्यालय के लिए 38 करोड रुपए से अधिक का अंशदान कर रही है.

विद्यालय में तीरंदाजी एकेडमी भी होगी : इसके साथ विद्यालय में तीरंदाजी एकेडमी भी होगी. जिसमें आर्चरी प्रशिक्षण दिया जायेगा. जिससे खेल में भी प्रतिभा उभर कर सामने आयेगी. यह 12 एकड़ भूमि मे निर्मित होकर केंद्र सरकार के माध्यम से संचलित होगा. सभी एकलव्य विद्यालय की योजना 38 करोड रुपए से अधिक की होगी. कार्यक्रम में सिमड़ेगा उपायुक्त अजय कुमार सिंह, जिला परिषद् अध्यक्ष रोज प्रतिमा सोरेंग, पुलिस अधीक्षक सौरभ कुमार, सांसद प्रतिनिधि सुशील श्रीवास्तव, बीजेपी जिला अध्यक्ष लक्ष्मण बड़ाइक, मीडिया प्रभारी मुकेश कुमार श्रीवास्तव के आलावा कोलेबिरा प्रखंड प्रमुख उप प्रमुख एवम मुखिया गण मौजूद थे.

खास बातें

- ढोल-नगाड़ों के साथ हुआ मंत्री अर्जुन मुंडा का स्वागत
- निर्माणाधीन विद्यालय में 480 विद्यार्थियों की पढ़ाई होगी

आओ जानें

झरिया सीट से अबतक कौन-कौन विधायक पहुंचे झारखंड विधानसभा

वर्ष	पार्टी	विधायक
22000	भाजपा	पीएन सिंह
2005	भाजपा	पीएन सिंह
2009	कांग्रेस	मन्नान मलिक
2014	भाजपा	राज सिन्हा
2019	भाजपा	राज सिन्हा

---

8 चरण, 57 दिन में सभाएं की, लोगों को संकल्प दिलाया

मरांडी की यात्रा 73 विस क्षेत्रों में पूरी, 28 को रांची में महासभा

सत्य शरण मिश्रा। रांची

- बचे 8 विधानसभा क्षेत्रों का भी दौरा करेंगे, 27 को सिल्ली और ईचागढ़ में होगी बाबूलाल की सभा
- 28 अक्टूबर को रांची में 6 विधानसभा क्षेत्रों की संयुक्त सभा के साथ ही होगा यात्रा का समापन

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी 17 अगस्त से संकल्प यात्रा पर हैं. संथालपरगना के भोगनाडीह से शुरू हुई उनकी संकल्प यात्रा का समापन 28 अक्टूबर को रांची में एक बड़ी जनसभा के साथ होगा. मरांडी अब तक आठ चरणों की यात्रा पूरी कर चुके हैं. संथाल से शुरू हुई उनकी संकल्प यात्रा 57 दिन में 73 विधानसभा क्षेत्रों में सभा के साथ पूरी हो चुकी है. नौवें और आखिरी चरण की यात्रा दुर्गापूजा के बाद ईचागढ़ से शुरू होगी. बाबूलाल मरांडी 27 अक्टूबर को ईचागढ़ और उसके बाद सिल्ली विधानसभा क्षेत्र में सभा करेंगे. 28 अक्टूबर को वे रांची पहुंचेंगे. यहां मोरहाबादी मैदान में छह विधानसभा क्षेत्रों (रांची, खिजरी, कांके, हटिया, मांडर और तमाड़) की सभा को संबोधित करेंगे. इसके साथ ही 73 दिनों की यात्रा के साथ बाबूलाल मरांडी की 81 विधानसभा क्षेत्रों में संकल्प यात्रा पूरी हो जाएगी.

संकल्प यात्रा में बाबूलाल के निशाने पर सिर्फ सीएम और सरकार : भाजपा अध्यक्ष ने बाबूलाल मरांडी ने संकल्प यात्रा के दौरान अपनी सभाओं में राज्य सरकार, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, उनके परिवार, राज्य के मंत्रियों और अफसरों पर ही मुख्य रूप से निशाना साधा. हांलाकि बाबूलाल का मुख्य निशाने पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन थे. मुख्यमंत्री पर लगे जमीन घोटाले के आरोप, सीएनटी-एसपीटी एक्ट का उल्लंघन कर राज्य में खरीदी गयी जमीन, साहिबगंज का खनन घोटाला, मुख्यमंत्री को बार-बार ईडी का समन जैसे मामले वे अपनी हर सभा में उठाते रहे. बाबूलाल मरांडी ने संकल्य यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री, सरकार और भ्रष्टाचार के आरोपी अधिकारियों का नाम लिया है. जनता को हेमंत सरकार को सत्ता से हटाने का संकल्प भी दिलाया है. बाबूलाल की यह यात्रा कितनी सफल रही है, इसका पता तो आनेवाले लोकसभा और विधानसभा चुनावों के परिणाम से चल सकेगा.

28 एसटी विधानसभा सीटों को वापस पाना है यात्रा का लक्ष्य

बाबूलाल मरांडी झारखंड के बड़े आदिवासी नेता हैं. भाजपा से अलग होने के बाद अपने दम पर झारखंड विकास मोर्चा बनाकर उन्होंने भाजपा और राज्य के दूसरे दलों के सामने चुनावों में बड़ी चुनौती खड़ी कर यह बता दिया था कि झारखंड में उनका फेस वैल्यू कितना है. 14 साल बाद 2020 में उनकी भाजपा में वापसी हुई. जुलाई 2023 में उन्हें पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया और अगले महीने ही वे संकल्प यात्रा पर निकल गए. संकल्प यात्रा का उद्देश्य जनता के बीच संदेश पहुंचना है कि भाजपा की बागडोर अब प्रदेश में एक बड़े आदिवासी नेता के पास है. भाजपा को उम्मीद है कि इस यात्रा से राज्य की 28 एसटी सुरक्षित विधानसभा सीटों पर भाजपा की दोबारा वापसी हो सकती है.

सरकार की योजनाओं को आम जन तक पहुंचाने का निर्देश

रांची। आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए झामुमो का जिला कमेटियों के साथ बैठक का सिलसिला जारी है. शुक्रवार को रांची पार्टी कार्यालय में बैठक हुई. बैठक में देवघर और जामताड़ा जिला समिति के पदाधिकारी शामिल हुए. बैठक में शामिल सभी सदस्यों के साथ जिला में संगठन की मजबूती पर चर्चा करते हुए जिला समिति द्वारा क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों का आकलन किया गया. सभी उपस्थित पदाधिकारी तथा सदस्यों को झारखंड सरकार द्वारा जनहित में लायी गयी योजनाओं की जानकारी देते हुए योजनाओं को आम जनों तक पहुंचाने का निर्देश दिया गया.

आज झामुमो कार्यालय का घेराव करेगा पंचायत सचिवालय संघ

संवादजदाता। रांची

पंचायत सचिवालय स्वयंसेवक संघ अपनी 5 सूत्री मांगों को लेकर राजभवन के समक्ष अनिश्चितकालीन धरना धरने पर बैठे हैं. शनिवार को इसका 100 दिन पूरा हो जाएगा. ऐसे में संघ 14 सितंबर को सरकार के वादा खिलाफी के विरोध में झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) कार्यालय का घेराव करेगा. 14 सितंबर को संघ के सदस्य हरमू मैदान में दोपहर 12 बजे एकजुट होंगे. इसके बाद वहां से जेएमएम का केंद्रीय कार्यालय का घेराव करने जाएंगे.

पंचायत सचिवालय स्वयंसेवक संघ की ये हैं मांगें

- मुख्यमंत्री संघ के 10 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल से वार्ता.
- पंचायत सचिवालय स्वयंसेवक का समायोजन किया जाए.
- स्वयंसेवक का स्थायीकरण किया जाए.
- स्वयंसेवक का नाम बदलकर पंचायत सहायक किया जाए.

एमडी को पदमुक्त करें सीएम : किसलय

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष किसलय तिवारी ने मुख्यमंत्री से ट्रांसमिशन निगम के एमडी केके वर्मा को पदमुक्त करने की मांग की है. कार्रवाई नहीं करने पर चरणबद्ध आंदोलन और शनिवार को जिलों में पुतला दहन करने की घोषणा की है.

किसलय ने प्रदेश भाजपा मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि भ्रष्टाचार में लिप्त अधिकारी सरकार के प्रवक्ता बनकर बैठे हुए हैं. भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने ऊर्जा विभाग में चल रहे घोटाले को लेकर सीएम को पत्र लिखा था. इसके बाद केके गुप्ता झामुमो के नये प्रवक्ता बनकर बैठ गये और अपने भ्रष्टाचार पर पर्दा डालने के लिए उन्होंने अमर्यादित बयान दिया.

सोच रहे हैं बाबूलाल के खिलाफ बोलकर सेवा विस्तार लेंगे

किसलय ने कहा कि दिसंबर में वर्मा का कार्यकाल खत्म होने वाला है. वह सोच रहे हैं कि बाबूलाल मरांडी के खिलाफ बोलकर अपना भ्रष्टाचार छिपा लेंगे और एक और सेवा विस्तार ले लेंगे. उन्होंने कहा कि जबतक केके वर्मा को पदमुक्त नहीं किया जाता है, भाजयुमो चरणबद्ध आंदोलन करता रहेगा.

सीएम की वसूली कंपनी के एमडी हैं वर्मा

किसलय ने कहा कि केके वर्मा रिटायर होने के बाद भी सेवा विस्तार लेकर संचरण निगम के एमडी बने हुए हैं, लेकिन पूरा झारखंड जान रहा है कि केके वर्मा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की वसूली कंपनी के एमडी बने हुए हैं. कोई रिटायर्ड अधिकारी संचरण निगम का एमडी नहीं बन सकता है, लेकिन केके गुप्ता को एमडी बनाने के लिए नियम में बदलाव किया गया. किसलय ने कहा कि इनके वसूलने की महारत को देखते हुए इन्हें जरेडा और ऊर्जा वितरण निगम का भी डायरेक्टर बनाकर रखा गया है, जबकि विभाग में जीएम स्तर के अधिकारी भरे पड़े हैं.

विधायक निरल पूर्ति ने किया दो सड़कों का भूमि पूजन

संवाददाता। चाईबासा

ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमंडल चाईबासा की ओर से प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत मझगांव विधानसभा के मझगांव प्रखंड में शुक्रवार को विधायक निरल पूर्ति ने दो सड़कों का भूमि पूजन किया. इस दौरान विधायक निरल पूर्ति ने कहा कि मझगांव विधानसभा क्षेत्र में सभी जरूरी सड़कों को चिन्हित कर प्राथमिकता के अनुसार कार्य करवाया जा रहा. इसी के तहत शुक्रवार को मझगांव प्रखंड के बानागुटू से ओडिशा सीमा तक 5.2 किलोमीटर सड़क और पडसा मुक्त चौक से मुंडासाई तक 11.7 किलोमीटर सड़क का भूमि पूजन किया गया. बीते दिनों क्षेत्र भ्रमण के दौरान स्थानीय ग्रामीण ने दोनों सड़कों की हालत को बयां करते हुए निर्माण कार्य की मांग की थी. इसी को देखते हुए दोनों सड़कों का निर्माण कार्य शुरू किया जा रहा है. इन दोनों सड़कों के निर्माण होने से झारखंड और ओडिशा सीमा आने जाने में काफी आसानी होगी. किसी भी क्षेत्र का विकास उनके सड़कों के बेहतर होने से पता चलता है.

भाजपा जातिवाद नहीं विकास की राजनीति करती है : पीएन सिंह

निरसा । गोविंदपुर प्रखंड के भाजपा कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को दुर्गा मंदिर परिसर में में आयोजित समारोह में पवित्र मिट्टी का कलश धनबाद के सांसद पीएन सिंह को सौंपा. इसमें मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत गोविंदपुर पूर्वी, गोविंदपुर पश्चिमी व बरवाअड्डा मंडल की ओर से एकत्रित मिट्टी शामिल थी. सांसद ने कहा कि भाजपा जातिवाद की नहीं, विकासवाद और राष्ट्रवाद की राजनीति करती है. अंत्योदय हमारा लक्ष्य है. उन्होंने कार्यकर्ताओं को देश की एकता और अखंडता का संकल्प दिलाया. वरिष्ठ नेता और पूर्व प्रदेश प्रशिक्षण प्रमुख गणेश मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी पार्टियां देश को कमजोर करने में लगी हुई हैं. सिंदरी विधायक इंद्रजीत महतो की पत्नी तारा देवी व भाज पा जिलाध्यक्ष ज्ञानरंजन सिन्हा ने भी विचार व्यक्त किए. स्वागत भाषण सुबोध सिंह व धन्यवाद ज्ञापन सुजीत चौधरी ने किया.

सम्मेलन में पत्रकारों, चिंतकों, महिला, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और प्रबुद्धजनों ने भाग लिया

2024 पर भारत जोड़ो अभियान ने बनाई रणनीति

संवाददाता। रांची

रांची प्रेस क्लब में भारत जोड़ो अभियान की रांची इकाई ने नफरत की राजनीति के खिलाफ एक सद्भाव सम्मेलन का आयोजन किया. जुड़ेगा इंडिया जीतेगा भारत को आदर्श मानकर समाज के विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधि के तौर पर राजनीतिक दलों, स्वयंसेवी संगठनों, लेखकों, पत्रकारों, चिंतकों, महिला और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और प्रबुद्धजनों ने इस सम्मेलन में शिरकत की.

सम्मेलन में आने वाले 2024 के चुनावों से पूर्व इंडिया के घटक दलों तथा सामाजिक और सामुदायिक प्रतिनिधियों के साथ एक परिचर्चा की गई, जिस पर नफरत की राजनीति के खिलाफ कैसी तैयारी कर भारत जोड़ो अभियान, इंडिया एलायंस के प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित करेगा इसकी रणनीति बनाई गई.

खास बातें

- प्रत्याशियों की जीत कैसे निश्चित हो पर बनी रणनीति
- पूर्व मंत्री सुबोधकांत सहाय, गीताश्री उरांव ने भाग लिया

ये थे उपस्थित : इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और भूतपूर्व मंत्री सुबोधकांत सहाय, पूर्व शिक्षा मंत्री गीताश्री उरांव, जदयू के महासचिव श्रवण कुमार, आम आदमी पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष नरेंद्र चौबे, सीपीआई के अजय सिंह और झारखंड मुक्ति मोर्चा के परमिंदर सिंह नामधारी, सामाजिक चिंतक सुधीर पाल पत्रकार कुमार विनोद, फादर टॉम फादर, महेंद्र पीटर तिग्गा, कैलाश सत्यार्थी फाऊंडेशन की यशस्विनी सहाय, सामाजिक कार्यकर्ता हेमि गायकवाड आदि उपस्थित रहे. कार्यक्रम का संचालन भारत जोड़ो अभियान के रांची लोकसभा के संयोजक नदीम खान ने किया और इसकी अध्यक्षता भारत जोड़ो अभियान की राज्य संयोजक बासवी कीड़ों ने की. कार्यक्रम में विषय प्रवेश सामाजिक कार्यकर्ता सुधीर पाल और अलोका कुजूर संविधान की प्रस्तावना का पाठ भारत जोड़ो अभियान के सौरभ श्रीवास्तव और धन्यवाद ज्ञापन शहरोज कमर ने किया.

75 सदस्यीय कमेटी की घोषणा

इसके लिए 75 सदस्यीय कमेटी की घोषणा की गई. आने वाले समय में सद्भावना पर कार्य करने वाले युवाओं और संगठनों को सम्मानित करने का निर्णय भी लिया गया. इस सत्र में वोटर सूची में छूट गए नामों को जोड़ने के लिए ऑनलाइन कैंपों के आयोजन तथा पोलिंग बूथ के प्रबंधन की दिशा में कार्य करने का निर्णय भी लिया गया. बहुत जल्द भारत जोड़ो अभियान रांची लोकसभा क्षेत्र में एक सद्भावना यात्रा का आयोजन भी करेगी. आने वाले महीने में भारत जोड़ो अभियान विधानसभा, ब्लाक तथा पंचायत स्तर पर इसी प्रकार के सम्मेलनों का आयोजन कर लोगों में जागरूकता लाने के प्रयास करेगी.

नियुक्ति में गड़बड़ी हाईकोर्ट में विक्रमादित्य आयोग की रिपोर्ट दाखिल होते ही सरकार की परेशानी बढ़ेगी

हेमंत सरकार की अस्थिरता का दौरशुरू होगा : सरयू

प्रमुख संवाददाता। रांची

विधायक सरयू राय ने दावा किया है कि विधानसभा नियुक्ति मामले में विक्रमादित्य आयोग की जांच रिपोर्ट हाईकोर्ट में दाखिल होते ही हेमंत सरकार की अस्थिरता का दौर शुरू हो जाएगा. उन्होंने कहा कि विधानसभा नियुक्ति में गड़बड़ी मामले में सरकार के मंत्री आलमगीर आलम भी अभियुक्त हैं. आलमगीर उस वक्त विधानसभा के अध्यक्ष थे. रिपोर्ट पेश होने के बाद सरकार उनके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए मजबूर हो जाएगी.

खास बातें

- मंत्री आलमगीर आलम भी हैं इस मामले में अभियुक्त
- रिपोर्ट पेश होते ही सरकार कार्रवाई के लिए मजबूर होगी

संभव है कि आलमगीर को स्वतंत्र उच्चस्तरीय आपराधिक जांच का भी सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि जस्टिस विक्रमादित्य आयोग ने आईपीसी की धारा 120(A), 166, 167, 196, 464 के तहत जिन दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई करने की अनुशंसा की है, उनमें विधानसभा के वर्तमान प्रभारी सचिव के साथ आलमगीर आलम भी शामिल हैं.

विधानसभा नियुक्ति घोटाले के खुलासे के बाद क्या-क्या हुआ

सरयू राय ने कहा कि विधानसभा नियुक्तियों में घोटाले का खुलासा उन्होंने 11 सितंबर 2007 को बोकारो में किया था. उनके पास सबूत के तौर पर सीडी भी थी. इसके बाद 12 सितंबर को आलमगीर आलम ने उन्हें साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिए पत्र लिखा था. फिर 13 सितंबर को कांग्रेस के तत्कालीन प्रवक्ता ने सीडी को सार्वजनिक करने की मांग की. तब उन्होंने सीडी सार्वजनिक कर दी थी. मामले की जांच के लिए तत्कालीन विधायक राधाकृष्ण किशोर के नेतृत्व में कमेटी बनी. वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो भी जांच समिति के सदस्य थे. इस समिति ने जांच रिपोर्ट में घोटाले की जांच स्वतंत्र समिति से कराने की सिफारिश की थी. इसके बाद जस्टिस विक्रमादित्य आयोग ने जांच की और 2018 में इसकी रिपोर्ट दी.

ब्रीफ खबरें

झारखंड में मिले डेंगू के 21 मरीज

रांची। शुक्रवार को राज्य भर में डेंगू के 21 मरीज मिले हैं. इनमें सबसे ज्यादा 8 मरीज देवघर जिले में मिले हैं. वहीं दुमका में 2, गढ़वा में 5, हजारीबाग में 5 और जामताड़ा में डेंगू के 1 मरीज मिले हैं. वहीं राज्य में चिकनगुनिया के 67 संदिग्ध मरीज मिले हैं. इनमें हजारीबाग में 25, देवघर जिले में 38 और गढ़वा में 4 मरीज मिले हैं. हालांकि जांच के बाद किसी भी मरीज में चिकनगुनिया की पुष्टि नहीं हुई है. बता दें कि जनवरी से लेकर 13 अक्टूबर तक राज्य भर में डेंगू के 1973 मरीज मिले.

डेंगू से बचाव के लिए जागरूकता अभियान

जमशेदपुर। शहर में बढ़ रहे डेंगू के मामलों पर रोक लगाने के उद्देश्य से बिरसा युवा मंच की ओर से सोनारी स्थित सिदो-कान्हू बस्ती में जागरुकता अभियान चलाया गया. शुक्रवार को आयोजित इस कार्यक्रम में पूर्व डीआईजी सह भाजपा नेता राजीव रंजन मुख्य रूप से मौजूद थे. उन्होंने बस्ती वासियों के बीच में फिनाइल, मॉस्किटो कॉइल और मच्छरदानी का वितरण किया साथ ही अपने आसपास साफ-सफाई रखने की अपील की.

सफाई को लेकर प्रशासक ने की बैठक

चाकुलिया। दुर्गा पूजा को लेकर नगर पंचायत के प्रशासक चंदन कुमार ने शुक्रवार की शाम को नगर पंचायत कार्यालय में पदस्थापित सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों के साथ बैठक की एवं पूजा के सफल आयोजन के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिया. विशेष रूप से बेहतर साफ सफाई, प्रकाश की व्यवस्था, पानी की उपलब्धता, विधि व्यवस्था आदि बिंदुओं पर चर्चा की गई. साथ ही स्वच्छ पंडाल प्रतियोगिता आयोजित कराए जाने का भी निर्णय लिया गया.

कृषि विभाग ने किसान मित्रों को बांटे उन्नत बीज

मनोहरपुर। मनोहरपुर प्रखंड के एग्री स्मार्ट गांव बरंगा में आयोजित 10 दिवसीय कृषि प्रशिक्षण कार्यशाला के दौरान शुक्रवार को किसान मित्रों को निःशुल्क उन्नत किस्म के बीजों एवं जैविक खाद का वितरण किया गया. कुल 125 किसान मित्रों को मटर, टमाटर, धनिया के बीच और जैविक खाद का वितरण किया गया. मौके पर प्रखंड कृषि तकनीकी पदाधिकारी आभाष चक्रपाणि ने बताया कि किसान भाइयों को 10 दिवसीय कृषि प्रशिक्षण कार्यशाला में आधुनिक एवं नई तकनीकी से खेती करने के बारे जानकारी दी जा रही है.

आज 4 घंटे ठप रहेगी बिजली की आपूर्ति

घाटशिला। विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल घाटशिला की ओर से शनिवार को अमाईनगर विद्युत शक्ति उपकेंद्र एवं कीताड़ीह के अंतर्गत 11 केवी घाटशिला, 11 केवी राजस्टेट फीडर, 11 केवी तामकपाल फीडर, 11 केवी बराजुडी/हुल्लुंग फीडर में दुर्गा पूजा से पूर्व मेंटेनेंस कार्य किए जाने को लेकर अलग-अलग फीडर में अलग-अलग समय पर विद्युत सेवा बाधित रहेगी.11 केवी घाटशिला फीडर सुबह 7 बजे से 11 तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी.

शिक्षक संघ प्रखंड कमेटी का हुआ पुनर्गठन

गुड़ाबांदा। गुड़ाबांदा प्रखंड के उत्क्रमित उच्च विद्यालय में शुक्रवार को अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ गुड़ाबांदा प्रखंड ईकाई की बैठक आयोजित की गई. बैठक में सर्वसम्मति से प्रखंड कमेटी का पुनर्गठन किया गया. प्रखंड अध्यक्ष राधाकांत नायेक, धनंजय मुंडा सचिव, विश्वनाथ सोरेन उपाध्यक्ष, संजय गिरि उपाध्यक्ष, मंगल चरण मुंडा संयुक्त सचिव, राकेश कुमार घोष कोषाध्यक्ष, सरोज कुमार बेरा संगठन सचिव और चुनाव पर्यवेक्षक के रूप में जिला उपाध्यक्ष बासेत मरांडी के देख-रेख में नये कमेटी का गठन किया गया.

विधायक ने पीड़ित परिवार को दी आर्थिक सहायता

बहरागोड़ा। बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के कुमारडुबी गांव के निगमानंद राउत (42 वर्ष) के आकस्मिक निधन हो गया. इसकी सूचना पाकर स्थानीय विधायक समीर मोहंती उनके आवास पहुंचे. उन्होंने शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर सांत्वना दी.स्वर्गीय निगमानंद राउत के सुपुत्र शुभजीत राउत को आर्थिक मदद की. इस मौके पर झामुमो नेता रासबिहारी साव, मदन मन्ना, सुमित माईती, उपप्रमुख मुन्ना होता, जदूपति राणा और खकन गंदा मौजूद थे.

108 एंबुलेंस नहीं मिलने से युवती व महिला ने तोड़ा दम

रोहित कुमार। जमशेदपुर

झारखंड सरकार की स्वास्थ्य व्यवस्था लचर साबित हो रही है. एक ओर जहां सरकार गरीबों की मदद के लिए कई योजनाएं शुरू करती है, वहीं इन्हीं योजनाओं में लापरवाही की वजह से लोग दम तोड़ देते हैं. ताजा मामला एमजीएम अस्पताल का है, जहां बीते दिनों 108 एबुलेंस के समय पर नहीं पहुंचने की वजह से एक मरीज की मौत हो गई थी.

शिकायत के बावजूद प्रबंधन ने किसी तरह का कदम नहीं उठाया, जिसका खामियाजा एक बार फिर देखने को मिला है. समय पर 108 एंबुलेंस नहीं मिलने पर शुक्रवार को एमजीएम अस्पताल में इलाजरत युवती और महिला ने दम तोड़ दिया. दरअसल भुइंयाडीह कल्याणनगर निवासी 18 वर्षीय खुशबू भगत ने कीटनाशक खाकर आत्महत्या का प्रयास किया था. घटना के बाद तबीयत बिगड़ने पर उसे परिजनों ने एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया था. स्थिति बिगड़ने पर एमजीएम अस्पताल से रिम्स रेफर किया गया. एंबुलेंस के लिए परिजनों ने सुबह ही 108 नंबर पर डायल किया. परिजन दोपहर 12 बजे तक 108 नंबर पर डायल करते रहे पर अंत में खुशबू ने दम तोड़ दिया.

मृतकों की फाइल फोटो.

पटमदा की महिला की भी हुई मौत

इधर, दूसरा मामला भी एंबुलेंस से ही जुड़ा है. पटमदा निवासी 46 वर्षीय आरती देवी को परिजनों ने गुरुवार को इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया था. स्थिति बिगड़ने पर अस्पताल से रिम्स ले जाने की सलाह दी गई. एंबुलेंस के लिए परिजनों ने 108 नंबर पर डायल किया. पहले तो जवाब मिला कि जल्द ही एंबुलेंस अस्पताल पहुंचेगी पर काफी देर होने पर परिजनों ने फिर से 108 नंबर पर डायल किया पर इस बार फोन उठाने वाले ने बात ही नहीं की. अंत में आरती ने भी दम तोड़ दिया. मामले को लेकर गुस्साए परिजनों ने मामले की शिकायत अस्पताल के अधीक्षक से की है.

आओ जानें

सामान्य ज्ञान

झारखंड में चने की खेती सर्वाधिक किस जिले में होती है
– पलामू

बीजापुर सल्तनत की स्थापना किसने की थी – यूसुफ आदिलशाह

दप्पू किस प्रदेश का नृत्य है
– आंध्र प्रदेश

लैम्बर्ट नियम किससे संबंधित है
– प्रदीप्ति

हमीम हमाम किस राजा के शाही स्कूल का मुख्य संचालक था
– अकबर

आंदी विवाह किस जनजाति में प्रचलित है – हो

परमाणु शक्ति संयंत्र किस सिद्धांत पर काम करता है
– विखण्डन

संगम काल में पिल्लई शब्द किसके लिए प्रयोग होता था
– छात्र

हीरे का एक कैरट किसके बराबर होता है – 200 एमजी

बिरसा मुंडा की सेना के सेनापति कौन थे – गया मुंडा

दुर्गा पूजा समिति ने एसडीओ और धार्मिक न्यास बोर्ड से की है शिकायत

भाजपा नेत्री सीमा शर्मा पर भूमि कब्जाने का लगा आरोप

संवाददाता। रांची

श्री बाल दुर्गा पूजा समिति ने भाजपा नेत्री व हटिया विस से भाजपा की पूर्व प्रत्याशी सीमा शर्मा पर सरकारी भूमि को ट्रस्ट बना कर कब्जा करने का आरोप लगाया है. इसको लेकर समिति ने मुख्यमंत्री, रांची एएसपी, एसडीओ व धार्मिक न्यास बोर्ड से शिकायत की है. शिकायत में समिति द्वारा नॉर्थ ऑफिस पारा, गौरी शंकर नगर के खाता संख्या 203, प्लॉट नंबर 945, मौजा कडरू, अंचल अरगोड़ा, हल्का संख्या 3, कुल रकबा चार डिसमिल जमीन पर बने भव्य मनोकामना सिद्ध मंदिर पर भाजपा नेत्री सीमा शर्मा द्वारा कब्जे और दावे जांच की मांग की गई है.

श्री बाल दुर्गा पूजा समिति ने शिकायत में कई सबूत किये संलग्न : नॉर्थ ऑफिस पारा स्थित भूमि पर 1980-81 से धार्मिक त्योहारों का सार्वजनिक आयोजन किया जाता रहा है. 1998 से श्री बाल युवा दुर्गा पूजा समिति द्वारा सार्वजनिक दुर्गा पूजा, रामनवमी, महा शिवरात्रि सहित अन्य धार्मिक त्योहार व अनुष्ठान आयोजित किये जाते रहे हैं.

इस भूमि परिसर में मां दुर्गा, शिव जी और हनुमान जी की मूर्ति भी स्थापित की गयी है. श्री बाल युवा दुर्गा पूजा समिति ने शिकायत में 1998 में की गयी प्रारंभिक पूजा की फोटो, समिति के नाम से 2014 में बैंक ऑफ इंडिया, झारखंड उच्च न्यायालय शाखा की खाता संख्या 110001523 का प्रमाण पत्र, रांची महानगर श्री दुर्गा पूजा समिति रांची का प्रमाण पत्र, जिसमें समिति की 1998 से संबंधता है और वर्ष 2021-22, 2022-23 का संबंधत्ता शुल्क के लिए जमा की गयी राशि का प्राप्ति रसीद, बिजली बिल और पूजा आयोजन से संबंधित सरकारी अधिकारियों के साथ किये गये पत्राचार संलग्न किये गये हैं.

प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के पूर्व सीमा शर्मा पर धोखे से मंदिर की चाबी समिति से लेने का आरोप : मंदिर जीर्णोद्धार कार्य के पूर्व झारखंड विस चुनाव 2014 के समय हटिया विधानसभा चुनाव क्षेत्र से सीमा शर्मा भाजपा प्रत्याशी थी, उन्होंने चुनाव प्रचार अभियान के दौरान बाल दुर्गा पूजा समिति के पदाधिकारियों-सदस्यों से मुलाकात की और मंदिर जीर्णोद्धार कार्य में सहयोग करने की बात कह कर चुनाव में सहयोग मांगा. चुनाव के बाद सीमा शर्मा ने मंदिर जीर्णोद्धार कार्य में बाल दुर्गा पूजा समिति के सदस्यों का साथ दिया. समिति का आरोप है कि जीर्णोद्धार कार्य पूरा होने के बाद प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के पूर्व सीमा शर्मा ने धोखे से मंदिर की चाबी समिति से ले ली और एक दिन मंदिर के अंदर मां जानकी ट्रस्ट के नाम शिलापट लगा दिया. इसमें दानदाताओं के नाम, रकम की सूची दर्ज थी.

इसमें सीमा शर्मा का नाम मां जानकी ट्रस्ट के अध्यक्ष के रूप में अंकित था. शिलापट में दर्ज सूची में दान दाता के रूप में सीमा शर्मा, उनके पति अनिल शर्मा, पुत्र आकाश भूषण के नाम एक लाख एक रुपया, भाई रमेश कुमार पांडेय एक लाख एक रुपया, अन्य भाई दिनेश कुमार 51 हजार रुपया, भाई मनोज पांडेय 51 हजार, भतीजा पुनीत कुमार 51 हजार, बहू अनामिका राज 51 हजार सहित अन्य के नाम दानदाताओं के रूप में अंकित किये गये.

सीमा शर्मा ने कुछ भी कहने से किया इनकार

शुभम संदेश ने पूरे मामले में भाजपा नेत्री सीमा शर्मा से फोन पर बात की. उन्होनें बताया कि मंदिर की जमीन को कोई कैसे कब्जा कर सकता है. जब उन्हें बताया गया कि समिति ने सीएम, रांची एससपी व अन्य से इसको लेकर शिकायत की है. तो उन्होंने कहा शिकायत करने वाले को जहां जाना है जाये. उन्होंने इस मामले में कुछ भी नहीं कहने की बात की.

पंजी टू में बाल दुर्गा समिति का दर्ज है नाम

श्री बाल दुर्गा पूजा समिति ने कहा है कि उपरोक्त भूमि राजस्व निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग द्वारा संचिका संख्या 4/स. भु. रांची 1 मार्च 2011 और डीसी रांची के पत्रांक 819 (II) 30 मार्च 2019 के आलोक में तीस वर्ष के लिए एक रुपया शुल्क पर लीज पर ली गयी है. झारखंड राज्य विधिज्ञ परिषद में बंदोबस्ती स्वीकृति के बाद पंजी (II) में दर्ज की गयी है. यह प्रमाण भी दिया गया है.

की शिकायत

- हटिया विस से पूर्व भाजपा प्रत्याशी हैं सीमी शर्मा
- भूमि परिसर में हनुमान जी की मूर्ति स्थापित की गई है

विधायक मंगल ने किया आर्थिक सहयोग

जमशेदपुर। मानवता की मिसाल पेश करते हुए विधायक मंगल कालिंदी ने शुक्रवार को परसुडीह विद्यासागर पल्ली निवासी कुमकुम पोद्दार को उनके बेटे के इलाज के लिए 1लाख रुपये राशि का चेक सौंप कर आर्थिक सहयोग किया. कुमकुम पोद्दार की आर्थिक स्थिति उतनी अच्छी नहीं है और उनके पुत्र का इलाज कोलकाता के हॉस्पिटल में चल रहा है. जैसे ही इसकी जानकारी मिली विधायक ने परसुडीह पहुंच कर सहयोग किया और आगे भी किसी भी सहयोग करने का आश्वासन दिया. मौके पर विधायक ने कहा कि मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है. क्षेत्रीय जनता की समस्याएं हमारी समस्या है, जनता की सभी समस्याओं का निदान करना मेरी प्राथमिकताओं में शामिल है. इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य पूर्णिमा मल्लिक, मुखिया पानु मुर्मू, मुनमुन चक्रवर्ती ,मिथुन चक्रवर्ती और मानिक मलिक मौजूद थे.

सफाईकर्मियों ने ठेका कंपनी के खिलाफ किया प्रदर्शन

संवाददाता। जमशेदपुर

टाटा स्टील यूआईएसएल के लिए सफाई का कार्य करने वाली ठेका कंपनी एमएस इंटरप्राइजेज के मजदूरों ने शहर में सफाई का कार्य बंद करते हुए हड़ताल पर जाने की घोषणा की है. मजदूरों ने कंपनी पर मनमानी का आरोप लगाया है. शुक्रवार को अपनी विभिन्न मांगो को लेकर झामुमो नेता श्यामल सरकार के नेतृत्व में मजदूरों ने ठेका कंपनी के खिलाफ प्रदर्शन किया और आक्रोश जताया. दरअसल सभी उपश्रमायुक्त कार्यालय में वार्ता के पहुंचे थे, लेकिन कंपनी प्रबंधन की तरफ से कोई नहीं पहुंचा. इससे मजदूर नाराज हो गए और नारेबाजी की. श्यामल सरकार ने बताया कि लगभग 100 से ज्यादा सफाई कर्मी उक्त कंपनी के अंतर्गत सफाई का काम करते हैं. इन्हें बोनस व छुट्टी के पैसे का भुगतान नहीं किया जा रहा है, साथ ही काम के लिए सबसे जरूरी पीपी (सेफ्टी किट) भी उपलब्ध नहीं दी जा रही है.

सड़क किनारे मिट्टी व मोरम का ढेर

संवाददाता। चाकुलिया

चाकुलिया नगर पंचायत में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग कार्यालय के पास नागानल मंदिर जाने वाली सड़क किनारे मिट्टी और मोरम की ढेर लगी है. इसकी वजह से राहगीरों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है. इतना ही नहीं मिट्टी-मोरम की ढेर लगी रहने से दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है.

जानकारी के मुताबिक, किसी व्यक्ति द्वारा भवन निर्माण कराया जा रहा है. उसी ने सड़क किनारे मिट्टी और मोरम फेंक दिया है. गौरतलब है कि 15 अक्टूबर से दुर्गा पूजा शुरू होगी. जगह-जगह पर पूजा पंडाल बन रहे हैं. पंडाल देखने के लिए श्रद्धालुओं इस रास्ते से पार होंगे.

वहीं पास में काली मंदिर है और यहां काली पूजा आयोजित होती है. ऐसे में इस रास्ते से गुजरने वालों को काफी परेशानी होगी. अगर बारिश हो गयी तो मिट्टी और मोरम सड़क पर बहने लगेगी, जिससे उनकी परेशानी और बढ़ जायेगी. नगर पंचायत ने इस दिशा में अब तक कोई पहल नहीं किया है. इस संबंध में नगर पंचायत के नगर प्रबंधक मोनीस सलाम ने कहा कि सड़क के किनारे मिट्टी और मोरम का भंडारण करना गलत है. इसे हटवाने के लिए शीघ्र पहल की जायेगी.

निगम की टीम ने अभियान चला कर 12 से अधिक दुकानों को हटा दिया

दूसरे दिन कोर्ट तक हटा अतिक्रमण

संवाददाता। धनबाद

दुर्गा पूजा से पहले नगर निगम का अतिक्रमण हटाओ अभियान ने फुटपाथ दुकानदारों के लिए मुसीबत खड़ी कर दी है. दुकानदारों का कहना है कि हम गरीबों को घर चलाना मुश्किल होता है. दुर्गा पूजा के समय नगर निगम उनकी रोजी-रोटी व खुशियों पर बुलडोजर चला रहा है. इधर, दूसरे दिन शुक्रवार की सुबह सहायक नगर आयुक्त संतोषिनी मुर्मू के नेतृत्व निगम की टीम ने जिला परिषद से कोर्ट तक अतिक्रमण हटाओ अभियान चला कर 12 से अधिक दुकानों को हटा दिया. इसके साथ ही दुकानदारों पर कुल 5 हजार रुपए जुर्माना भी लगाया गया.

संतोषिनी मुर्मू ने कहा कि कोहिनूर मैदान में बने वेंडिंग जोन में सभी फुटपाथ दुकानदारों के लिए जगह बनाई गई है. सभी को वेंडिंग जोन में हीं दुकानें लगानी होगी. सड़क का अतिक्रमण करने वाले के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी. ज्ञात हो कि नगर निगम और फुटपाथ दुकानदारों के बीच चूहे-बिल्ली का खेल चल रहा है. शुक्रवार की सुबह अतिक्रमण हटाकर निगम की टीम के जाते ही सड़क की दोनों ओर फुटपाथ पर फिर दुकानें लग गईं. दो करोड़ की लागत से कोहिनूर मैदान में बने वेंडिंग जोन में 192 दुकानों के लिए जगह बनाई गई है. नगर प्रबंधक सुमित तिग्गा ने बताया कि अब जो भी दुकानदार वेंडिंग जोन में लगातार दुकान लगाएंगे, उन्हें ही जगह आवंटित की जाएगी. शुक्रवार को भी कोर्ट रोड से करीब 20 दुकानों को हटा कर वेंडिंग जोन में बसाया गया.

अतिक्रमण हटाने पहुंचीं सहायक नगर आयुक्त व अन्य.

लगा जुर्माना

- दुकानदारों पर कुल 5 हजार रुपये का जुर्माना लगाया
- वेडिंग जोन मे सभी दुकानदारों के लिए जगह बनाई गई है

दरकने लगी है शाखा नहर की लाइनिंग

चाकुलिया। चाकुलिया में स्वर्णरेखा परियोजना की मुख्य बांयी नहर के निर्माण में भारी अनियमितताएं बरती जा रही हैं. घटिया निर्माण के कारण चंद माह पूर्व निर्मित शाखा नहर की लाइनिंग दरकने लगी है. कई जगहों पर लाइनिंग टूट गई है. पूर्णापानी के पास शाखा नहर की लाइनिंग में पड़ी दरारें घटिया निर्माण की गवाही दे रही हैं. ग्रामीणों का आरोप है कि संवेदक द्वारा निर्माण कार्य में घटिया सामग्रियों का प्रयोग किया गया है. यह निर्माण कार्य लघु वितरणी प्रमंडल गालूडीह-सात के तहत चाकुलिया में ओएल - 52 में हो रहा है. लगभग 32 करोड़ की लागत से श्री प्रकाश एसोसिएट द्वारा निर्माण कार्य किया जा रहा है. ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि घटिया निर्माण कार्य को लेकर कई बार संवेदक को आगाह किया गया. गुणवत्ता पूर्ण कार्य करने की बात कही गई. इसको लेकर मुख्यमंत्री को भी पत्र लिखा गया था. परंतु संवेदक ने मनमानी तरीके से घटिया निर्माण कार्य किया. यही कारण है कि बरसात के पहले बनी शाखा नहर की लाइनिंग में दरार पड़ने लगी है.

पंकज मिश्रा की जमानत याचिका पर कोर्ट में सुनवाई

संवाददाता। रांची

पंकज मिश्रा की जमानत याचिका पर शुक्रवार को रांची ईडी की विशेष कोर्ट में सुनवाई हुई. इस दौरान ईडी की ओर से जवाब दाखिल करने के लिए दोबारा समय देने का आग्रह किया गया. जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया. अदालत ने ईडी को अगली सुनवाई में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया. बता दें कि इससे पहले भी इसी केस में ईडी कोर्ट ने पंकज मिश्रा की जमानत अर्जी खारिज कर दी थी. जिसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था. लेकिन वहां से भी उन्हें कोई राहत नहीं मिली. पंकज मिश्रा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के विधायक प्रतिनिधि हैं. उन पर टेंडर मैनेज करने और साहेबगंज में अवैध खनन के जरिये अकूत संपति अर्जित करने का आरोप है.

पिछले साल जुलाई में ईडी ने पंकज मिश्रा को किया था गिरफ्तार : बता दें कि सीएम के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा को ईडी ने पिछले साल जुलाई माह में गिरफ्तार किया था. जांच के दौरान ईडी पंकज मिश्रा, दाहू यादव और उनके सहयोगियों के 37 बैंक खातों में जमा 11.88 करोड़ भी जब्त की थी. वहीं ईडी ने साहिबगंज, बरहेट, राजमहल, मिर्जा चौकी और बरहरवा में 19 स्थानों पर तलाशी ली थी. इस दौरान 5.34 करोड़ नकद सहित कई दस्तावेज जब्त की गयी थी. इस तलाशी अभियान के दौरान ईडी ने साइट से अवैध रूप से संचालित किये जा रहे पांच स्टोन क्रशर, पांच अवैध बंदूक और कारतूस भी जब्त कर लिये थे.

जवाब दाखिल

- ईडी को अगली सुनवाई में जवाब दाखिल करने का निर्देश
- पंकज मिश्रा हेमंत सोरेन के विधायक प्रतिनिधि हैं

शिकायत निवारण के लिए जेबीवीएनएल ने बनाया कंट्रोल रूम

जमशेदपुर। दुर्गापूजा के अवसर पर निर्बाध बिजली आपूर्ति एवं लोगों की शिकायत निवारण के लिए झारखंड राज्य बिजली वितरण निगम लिमिटेड (जेबीवीएनएल) द्वारा कंट्रोल रुम बनाया गया है. जो 24 घंटे सातों दिन की तर्ज पर कंट्रोल रूम काम करेगा. यह कंट्रोल रूम 14 से 24 अक्तूबर तक 24 घंटे कार्यरत रहेगा. यह जानकारी जेबीवीएनएल के महाप्रबंधक श्रवण कुमार ने दी. उन्होंने बताया कि कंट्रोल रूम में लोग बिजली संबंधी शिकायतें फोन के जरिए दर्ज करा सकते हैं, जिसका तत्काल निराकरण किया जाएगा. इसके लिए 0657-2320495 पर लोग फोन कर अपनी समस्या दर्ज करा सकते हैं. कंट्रोल रूम में तीन पालियों में 24 कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है. कंट्रोल रूम में तैनात पदाधिकारी और कर्मियों को प्रति पाली के हिसाब से 500 रुपये अल्पाहार के लिए दिया जाएगा. जीएम ने बताया कि कंट्रोल रूम की ड्यूटी में तैनात कर्मियों की औचक जांच भी की जाएगी.

एफआईआर सियालदह-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस में मतारी स्टेशन के पास ट्रेन में फायरिंग हुई थी

कोयला व्यवसायी का अंगरक्षक निकला रिटायर्ड फौजी

संवाददाता। धनबाद

सियालदह-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस में गुरुवार की रात धनबाद-गोमो रेलखंड के मतारी स्टेशन के पास चलती ट्रेन में फायरिंग करने वाला सिख रेजिमेंट का रिटायर्ड फौजी हरपिंदर सिंह (41) बैंकमोड़ के कोयला व्यवसायी सोनू सिंह का निजी अंगरक्षक है.

उसने यह बात आरपीएफ की पूछताछ में स्वीकार की है. फायरिंग मामले में राजधानी एक्सप्रेस की इस्कॉट पार्टी के इंचार्ज आरपीएसएफ सब-इंस्पेक्टर महेश सिंह की लिखित शिकायत पर उसके खिलाफ धनबाद रेल थाना में आर्म्स एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कर ली गई है. आरोपी की कोडरमा और धनबाद के सरकारी अस्पताल में मेडिकल जांच कराई गई, जिसमें शराब पीने की पुष्टि हुई है.

शनिवार को उसे रेलवे कोर्ट धनबाद में पेश करने के बाद जेल भेजा जाएगा. जानकारी के अनुसार रिटायर्ड फौजी हरपिंदर सिंह पंजाब के गुरदासपुर का रहने वाला है. सेना में हवलदार पद से 2019 में रिटायर होने के कुछ माह बाद उसे धनबाद में अंगरक्षक की नौकरी मिली थी. उसे किसी दोस्त ने यह नौकरी दिलवायी थी. वहीं इस मामले में आरपीएफ, टीटीई व रिटायर्ड जवान के बयान अलग-अलग हैं. रेल सूत्रों के अनुसार, हरपिंदर सिंह को गुरुवार रात हावड़ा-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस से धनबाद से नई दिल्ली जाना था, लेकिन ट्रेन छूट जाने से पीछे से आ रही सियालदह-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस में वह सवार हो गया. सीट खाली नहीं होने से वह बी-7 और बी-8 कोच के कॉरिडोर में शौचालय के पास खड़ा हो गया.

तभी टीटीई की नजर उसपर पड़ी और टिकट मांगा गया तो हरपिंदर ने कहा कि उसका टिकट हावड़ा राजधानी का था लेकिन ट्रेन छूट गई, इसलिए वह सिलायदह राजधानी में चढ़ गया. टीटीई ने जुर्माना भरने को कहा तो दोनों के बीच बकझक होने लगी और देखते ही देखते रिटायर्ड जवान ने कमर से रिवॉल्वर निकाल कर फायरिंग कर दी. आरपीएसएफ की इस्कॉट पार्टी ने फौरन पहुंच कर उसे हथियार के साथ धर दबोच लिया. वहीं दूसरी ओर, जवान को जब शुक्रवार की दोपहर को कोडरमा से धनबाद लाया गया तो उसने अपना बयान बदलते हुए कहा कि वह जेब से पैसे निकाल रहा था, तभी जेब में रखी रिवॉल्वर से गोली चल गई.

पूछताछ के दौरान रेल थाना में बैठा गिरफ्तार रिटायर्ड फौजी.

मामला दर्ज

- सिख रेजिमेंट का रिटायर्ड फौजी है हरपिंदर सिंह
- कोयला व्यवसायी सोनू सिंह का निजी अंगरक्षक है फौजी
- मेडिकल जांच में फौजी के शराब पीने की पुष्टि हुई

रांची हिंसा

नवाब चिश्ती व शकील से पूछताछ करेगी सीआईडी

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

रांची हिंसा के आरोपी नवाब चिश्ती और मोहम्मद शकील उर्फ कारू से सीआईडी (अपराध अनुसंधान विभाग) की टीम जेल में पूछताछ करेगी. कोर्ट ने इसकी इजाजत दे दी है. सीआईडी दोनों से डेली मार्केट थाना में दर्ज कांड संख्या 17/2022 से जुड़े मामले में पूछताछ करेगी. रांची हिंसा के बाद डेली मार्केट थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई थी. इस केस के सूचक रांची के तत्कालीन टाउन सीओ अमित भगत हैं. उनके आवेदन के आधार पर दर्ज की गई प्राथमिकी में नदीम अंसारी, शाहबाज, शदाब, सद्दाम हुसैन, शबीर अंसारी, जमाल गद्दी समेत 22 लोगों को नामजद आरोपी बनाया गया. वहीं करीब आठ से दस हजार अज्ञात लोगों को भी आरोपी बनाया गया है. फिलहाल इस केस की जांच सीआईडी (अपराध अनुसंधान विभाग) कर रही है. प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि सोची-समझी साजिश के तहत 10 जून को रांची के मेन रोड में हिंसा की गई.

दी इजाजत

- इस केस के सूचक टाउस सीओ अमित भगत हैं
- डेली मार्केट थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी

माइंस संचालकों और ग्रामीणों के बीच हुई झड़प, उठ रहे कई सवाल

संवाददाता । पलामू

जिले के नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र के झरहा में गुरुवार को माइंस संचालकों और ग्रामीणों के बीच जमकर झड़प हो गई. इससे ग्रामीण आक्रोशित हो गये और डीसी कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया. प्रदर्शनकारी माइंस संचालकों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग कर रहे थे. झड़प की घटना के बाद कई बातें सामने निकल कर आ रही है. जिस पर कई सवाल खड़े हो रहे हैं.

टॉफी की तरह हथियार के लाइसेंस बांटने का आरोप : आरोप है कि पलामू जिले में पहले माइंस संचालकों और सफेदपोश अपराधियों को टॉफी की तरह हथियार के लाइसेंस बांटे गये. उसी का नतीजा है कि गलत व्यक्तियों के हाथों में हथियार का लाइसेंस चला गया है. पलामू उपायुक्त से तत्काल लाइसेंस रद्द करने की मांग की गई. अधिवक्ता रूचिर तिवारी ने माइंस संचालकों पर अविलंब मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार करने की मांग की गयी.

इन सवालों के ढूंढ़े जा रहे जवाब

- माइंस संचालकों द्वारा दिन-रात हाइवे से पत्थर अवैध तरीके से ओवरलोडिंग कर ले जाया जाता है. इस पर जिला प्रशासन क्यों नहीं कार्रवाई की?
- ओवरलोडिंग मामले में ग्रामीणों द्वारा कई बार थाना और जिला प्रशासन से इसकी शिकायत की. शिकायत के बावजूद जिला प्रशासन या थाना ने कार्रवाई क्यों नहीं की?
- जब जिला प्रशासन को मालूम था कि ग्रामीण जमा होकर रोड जाम करेंगे तो प्रशासन क्या कर रहा था?
- जब ग्रामीण और माइंस संचालकों के बीच झड़प हुई तो उस दौरान माइंस संचालकों के द्वारा हथियार निकाल कर लोगों पर गोली चलाने की कोशिश हुई लेकिन गोली नहीं चला. यदि गोली चल जाती तो ग्रामीण की मौत हो सकती थी. हथियार लहराने या चलाने मामले में आखिर अभी तक पुलिस ने कार्रवाई क्यों नहीं की है?
- झड़प मामले के बाद माइंस संचालकों द्वारा छतरपुर के एक होटल में ग्रामीणों के खिलाफ योजना बनाने के लिए बैठक की गई थी. इसकी भनक पुलिस को क्यों नहीं लगी?

अधिवक्ता रुचिर तिवारी ने व्यक्त की चिंता

पलामू जिला अन्तर्गत नौडीहा बाजार क्षेत्र के झरहा में माइंस संचालकों के द्वारा ग्रामीणों को पीटने और फायरिंग करने की घटना पर अधिवक्ता रुचिर तिवारी ने चिंता व्यक्त की है. उन्होंने कहा कि पलामू जिला में अवैध खनन के बारे में हाईकोर्ट ने पहले भी इस ओर जिला प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराया था. मामले में अधिकारियों के द्वारा लीपापोती कर दिया गया. आज पलामू जिला में माइंस चालक और उसके गुंडे बिहार और छत्तीसगढ़ से आकर राइफल और पिस्तौल के बल पर काम करते हैं. उसके खिलाफ आम जनता अगर आवाज उठाती है तो प्रशासन की मिलीभगत से ग्रामीण जनता पर झूठा मुकदमा दायर कर दिया जाता है. बंदूक का भय दिखाकर उनका दोहन भी किया जाता है. ठीक ऐसा ही मामला नौडीहा बाजार का है. यहां मांइस संचालक ग्रामीणों के इस्तेमाल करने वाली सड़क से माइनिंग का काम कर रहे थे. जबकि किसी भी सूरत में ग्रामीण के इस्तेमाल करने वाला सड़क माइंस के काम के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता. आरोप है कि माइंस संचालक आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति है जो अपने लाइसेंसी हथियार का भय दिखाकर ग्रामीण पर फायरिंग किया.

आओ जानें
सामान्य ज्ञान

डोकलो शोहार शासन व्यवस्था में पाहन को किस नाम से जाना जाता है – कालो
गुप्त काल में बलाधिकरण कौन था – सेनाध्यक्ष
गिर केसर किस फल की प्रजाति है – आम
अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के अध्यक्ष कौन हैं – थॉमस बाख
अंसुता लकड़ा ने हॉकी में कौन से राष्ट्रमंडल खेल में जीत हासिल की थी – 2010
सिंधु घाटी सभ्यता के क्षेत्र कालीबंगन का अर्थ क्या है – काली चूड़ियां
गेहूं के काले रस्ट रोग संबंधी खोजों के लिए कौन प्रसिद्ध है – डॉ. केसी मेहता
निशि जनजाति किस राज्य में निवास करती है – अरुणाचल प्रदेश
शंकराचार्य किस मत से हैं – अद्वैत दर्शन
लांस नायक अल्बर्ट एक्का को किस भारत पाकिस्तान युद्ध में वीरगति प्राप्त हुई – 1971

ब्रीफ खबरें

इस तरह के आंकड़े से काम नहीं चलेगा: बीडीओ

घाटशिला । घाटशिला प्रखंड विकास पदाधिकारी यूनिका शर्मा ने शुक्रवार को अपने कार्यालय कक्ष में मनरेगा तथा आवास योजना को लेकर कर्मचारी के साथ समीक्षा बैठक की. बैठक के दौरान वर्तमान स्थिति तथा आंकड़े देखने के पश्चात कर्मचारियों को जमकर फटकार लगाते हुए कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजना में इस तरह के आंकड़े से काम नहीं चलेगा. उन्होंने कहा कि मनरेगा योजना की सबसे महत्वाकांक्षी योजना बागवानी की है.

निरसा चौक पर ट्रैफिक लाइट लगाए प्रशासन

निरसा । राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष उमेश गोस्वामी ने धनबाद के डीसी व ग्रामीण एसपी को पत्र लिखकर निरसा विधानसभा क्षेत्र में ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है. पत्र में कहा है कि निरसा चौक, सिनेमा हॉल मोड़, हटिया मोड़, मुगमा बाइपास सहित अन्य जगहों पर ट्रैफिक लाइट की व्यवस्था नहीं रहने के कारण अक्सर दुर्घटनाएं हो रही हैं. त्योहार को देखते हुए ट्रैफिक व ट्रैफिक लाइट की व्यवस्था होनी चाहिए.

नमाज के बाद इजराइल के खिलाफ नारेबाजी

जमशेदपुर । मानगो आजाद नगर में जुम्मे की नमाज के बाद मुस्लिम समाज के लोगों ने फिलिस्तीन के समर्थन में प्रदर्शन कर इजराइल के खिलाफ अपनी नाराजगी जाहिर की. मानगो के बारी मस्जिद के बाहर हाथों में पोस्टर-बैनर लेकर सभी विरोध जताते दिखे. इन लोगों ने फिलिस्तीन और इजरायल के बीच हो रही जंग को गलत करार दिया. प्रदर्शनकारियों में शामिल फखरुद्दीन अंसारी ने कहा कि फिलिस्तीनियों पर पिछले 70 वर्षों से इजराइल के द्वारा जुल्म सितम ढाया जा रहा है.

रैयतों को कम दिया जा रहा है मुआवजा

लातेहार। एनएचएआई के द्वारा लातेहार व मनिका में राष्ट्रीय उच्च पथ का चौड़ीकरण किया जाना है. इसके लिए जमीन का अधिग्रहण किया जाना है. एनएचएआई विभाग के द्वारा रैयतों को भूमि अधिग्रहण के लिए नोटिस दिया गया है. इसे लेकर परसही पंचायत के मुखिया गुजर उरांव ने कहा कि एनएचएआई के द्वारा रैयतों को बहुत ही कम मुआवजा दिया जा रहा है. इसके अलावा मुआवजा में भी एकरूपता नहीं है. उन्होंने बताया कि एनएचएआई के द्वारा बंदोबस्त जमीन का मुआवजा नहीं दिया जा रहा है.

जनता मिलन में दर्जनों मामलों का हुआ निष्पादन

आदित्यपुर । शुक्रवार को समाहरणालय में आयोजित साप्ताहिक जनता मिलन कार्यक्रम में दर्जनों मामलों का निष्पादन डीसी रविशंकर शुक्ला ने किया. आज व्यक्तिगत एवं सामाजिक समस्याओं को लेकर जिले के सुदूरवर्ती इलाकों से फरियादी पहुंचे थे. डीसी रवि शंकर शुक्ला क्रमवार सबों से मिले उनकी समस्याओं को सुना तथा समस्याओं के निराकरण को लेकर सम्बन्धित पदाधिकारियों को निर्देश दिए.

नए बीडीओ ने किया पदभार ग्रहण

जमशेदपुर । जमशेदपुर प्रखंड के नए बीडीओ के रूप में सच्चिदानंद महतो ने शुक्रवार को पदभार ग्रहण किया. निवर्तमान बीडीओ प्रवीण कुमार ने उन्हें पदभार सौंपा. इससे पूर्व प्रवीण कुमार ने नए बीडीओ का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया. नए बीडीओ ने कहा कि सरकार की योजनाओं को पूरी पारदर्शिता के साथ धरातल पर उतारना उनकी प्राथमिकता होगी. उन्होंने निवर्तमान बीडीओ द्वारा विकास कार्यों को धरातल पर उतारने की सराहना की.

त्योहार शुरू होते ही मिलावटी मिठाइयों का गोरखधंधा शुरू हो जाता है

बढ़ी मिठाइयों की मांग, नहीं हो रही अब गुणवत्ता की जांच

रविन्द्र कुमार । धनबाद

हीरापुर के प्रतिष्ठान में रखीं मिठाइयो.

शारदीय नवरात्र में महज दो दिन बचे हैं. धनबाद कोयलांचल में दुर्गा पूजा को लेकर लोगों में काफी उत्साह है. हर सेक्टर में खरीदारी भी शुरू हो गई है. कारोबारियों को मिठाइयों का भी बड़ा आर्डर मिल रहा है. लेकिन शहर में लंबे समय से मिठाइयों व अन्य खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच बंद है. त्योहार पर बेची जाने वाली मिठाइयां स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हैं या हानिकारक इसकी जांच अब तक शुरू नहीं हुई है. ऐसा तब है, जब दो दिन पहले ही एक ग्राहक ने हीरापुर की एक प्रतिष्ठित दुकान पर बासी और कीड़ा लगी मिठाई बेचने का आरोप लगाया था. जिले में त्योहार शुरू होते ही मिलावटी मिठाइयों का गोरखधंधा शुरू हो जाता है. कई बार अलग-अलग क्षेत्रों में मिलावटी मिठाइयों की खेप भी पकड़ी गई है. इसके बावजूद इस बार पूजा पर मिठाइयों की गुणवत्ता की जांच नहीं होना चिंताजनक है. यह स्थिति तब है जब तीन-तीन विभागों में फूड इंस्पेक्टर का पोस्ट सृजित है.

धनबाद जिले के तीन विभागों में फूड ऑफिसर का पद है, लेकिन महज एक में ही नियमित पदाधिकारी कार्यरत हैं. स्वास्थ्य विभाग में फूड इंस्पेक्टर का पोस्ट लंबे समय से प्रभार में चल रहा है. बोकारो में पदस्थापित स्वेता लकड़ा को धनबाद का भी प्रभार मिला है. वह यहां सप्ताह में दो दिन मंगलवार और बुधवार को सिविल सर्जन कार्यालय में बैठती हैं. वहीं, नगर निगम में फूड सेफ्टी ऑफिसर के पद पर अनिल कुमार पदस्थापित हैं. इनका काम प्रतिष्ठानों की साफ-सफाई को देखना है. इसके अलावा जिला खाद्य सुरक्षा विभाग की भी जिम्मेवारी बनती है कि खाद्य प्रतिष्ठानों में बेची जाने वाले खाद्य सामग्री की गुणवत्ता की जांच करें, लेकिन वहां के पदाधिकारी को एसीबी ने घूस लेने के आरोप में पकड़ा था, जिसके बाद से पद खाली पड़ा है.

जांच बंद

- धनबाद के तीन विभागों में फूड ऑफिसर का पद है
- मिठाई के पैकेट पर एक्सपायरी डेट लगाना है

जिले में जांच के लिए नहीं है लैब

करीब 30 लाख की आबादी वाले धनबाद कोयलांचल में 20 हजार से अधिक खाद्य पदार्थों के कारोबार हैं. इसके बावजूद खाद्य पदार्थों को जांच के लिए सैंपल नेशनल फूड लेबोरेट्री कोलकाता या फिर रांची के नामकुम स्थित फूड लैब भेजे जाते हैं. इतना बड़ा बाजार होने के बाद भी धनबाद में सैंपल की जांच के लिए कोई लैब नहीं है. बहुत पहले झमाडा में फूड सैंपल जाच के लिए लैब था, जो अब बंद है. दूसरे शहरों के लैब पर निर्भरता की वजह से समय पर सैंपल की जांच रिपोर्ट भी नहीं मिल पाती है.

दुकानदार पैकेट पर नहीं लिखते एक्सपायरी डेट : जिला प्रशासन ने आदेश जारी किया था कि हर मिठाई के पैकेट पर एक्सपायरी डेट लगाना अनिवार्य है. शुरुआती कुछ दिनों तक तो आदेश का पालन हुआ, लेकिन उसके बाद दुकानदार लापरवाह हो गए. प्रतिष्ठानों में कई दिन पहले बनी मिठाइयों की बिक्री धड़ल्ले से की जा रही है. ज्ञात हो कि दवा, कोल्ड ड्रिंक्स, पैकेट जूस समेत कई अन्य खाने-पीने की चीजों की तरह मिठाइयों की भी एक्सपायरी डेट होती है. लेकिन दुकानदार ग्राहकों को इसकी जानकारी नहीं देते हैं और कई दिन पहले बनी मिठाइयां बेचकर लोगों की सेहत से खिलवाड़ कर रहे हैं.

डॉ. सीबी प्रतापन, सिविल सर्जन, धनबाद : बीते दिनों एक ग्राहक को खराब मिठाई देने का मामला सामने आया था. खाद्य पदार्थों की जांच के लिए टीम गठित की जा रही है. प्रतिदिन प्रतिष्ठानों से सैंपल कलेक्ट कर जांच के लिए लैब भेजा जाएगा.

जल संसाधन विभाग को जवाब दाखिल करने का निर्देश

रांची। स्वर्णरेखा बहुउद्देशीय परियोजना को राज्य सरकार द्वारा बंद किए जाने के खिलाफ संतोष कुमार सोनी की जनहित याचिका पर शुक्रवार को झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान अदालत को बताया गया कि स्वर्ण रेखा बहुद्देशीय परियोजना में अब तक साढ़े छह हजार करोड रुपए खर्च हो चुके हैं. जमीन का अधिग्रहण भी हो चुका है. विस्थापितों के पुनर्वास को लेकर भी व्यवस्था कर दी गई है. लेकिन इसी दौरान राज्य सरकार ने इस प्रोजेक्ट को बिना कारण ही बंद कर दिया. राज्य सरकार ने मार्च 2020 में इस योजना का काम बंद करने का आदेश दिया था. जबकि इस योजना से हजारों लोगों का रोजगार सृजित होता. सिंचित भूमि के साथ-साथ पर्यटन दृष्टि से भी राज्य का विकास होना था. लेकिन सरकार के उदासीन रवैया के कारण यह योजना अधर में है.

माइंस संचालकों को सुरक्षा दे प्रशासन : एसोसिएशन

संवाददाता । मेदिनीनगर

पलामू जिला माइंस एंड क्रसर एसोसिएशन ने जिले में संचालित सभी खदान व क्रसर संचालकों को सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है. एसोसिएशन के अध्यक्ष सतीश कुमार तिवारी ने बताया कि गुरुवार को नौडीहा बाजार के झरहा में एक साजिश के तहत असामाजिक तत्वों ने माइंस संचालक पर हमला कर दिया था. अगर उनके द्वारा आत्मरक्षार्थ अपने लाईसेंसी हथियार से फायरिंग नहीं की जाती तो उनकी हत्या तक हो सकती थी.

जहां तक सड़क क्षतिग्रस्त होने की बात है तो उक्त स्थान पर पिछले छह वर्षों से माइंस का संचालन किया जा रहा है. सड़क मरम्मति व पानी छिड़काव के लिए संचालक द्वारा एक स्थानीय युवक की नियुक्ति की गई है.

सुने प्रशासन

- झरहा में असामाजिक तत्वों ने संचालकों पर हमला किया था
- छह वर्षों से माइंस का संचालन किया जा रहा था

लेकिन पिछले कुछ दिनों से कतिपय असामाजिक तत्वों द्वारा कोई ना कोई बहाना लगाकर कार्य को प्रभावित किया जा रहा है. एसोसिएशन ने जिला प्रशासन से इसकी जांच की मांग की है. बताया गया कि जिले के विकास में डीएमएफटी सहित अन्य फंडों से माइंस संचालक अपना योगदान दे रहे हैं. सरकारी राजस्व में भी इनका बड़ा योगदान रहता है. लेकिन कार्य को बंद कराकर सरकारी राजस्व को प्रभावित किया जा रहा है.

स्वास्थ्य कर्मियों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता । घाटशिला

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डुमरिया के लैब टेक्नीशियन के साथ पिछले दिन हुई मारपीट की घटना को लेकर शुक्रवार को अनुमंडल अस्पताल घाटशिला के स्वास्थ्य कर्मियों ने काला बिल्ला लगाकर विरोध प्रदर्शन किया. इस संबंध में राजेश ओझा एवं प्रकाश कुमार ने बताया कि डुमरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के लैब टेक्नीशियन अशोक कुमार सरदार को मनोज मुर्मू तथा अन्य एक व्यक्ति द्वारा बिना किसी वजह के लैब के अंदर घुसकर मारपीट किए जाने का स्वास्थ्य कर्मी कड़ी निंदा करते हैं. प्रशासन उक्त आरोपी पर कार्रवाई नहीं करता है, तो स्वास्थ्य कर्मी जोरदार आंदोलन करने को बाध्य होंगे. इस तरह से अगर चिकित्सक तथा स्वास्थ्य कर्मियों के साथ मारपीट होती है, तो काम कैसे करेंगे.

सरकार द्वारा अस्पताल में सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं है. ऐसे में हम कब तक पिटाते रहेंगे. जब तक आरोपी गिरफ्तार नहीं होता, तब तक काला बिल्ला लगाकर काम करते रहेंगे. धरना प्रदर्शन में मुख्य रूप से सरोजिनी महतो, संग्राम मुर्मू, दुलाल हेंब्रम, मंजू महतो, राजेश ओझा, प्रकाश कुमार, सुमित दास, दुर्गा प्रसाद पानी, चंदन महतो, अमृता लेयांगी सहित अन्य उपस्थित थे.

राजस्व संग्रह का लक्ष्य इस वर्ष है 12 करोड़ 55 लाख रुपये

राजस्व को लेकर नगर निगम गंभीर

संजीव मेहता । आदित्यपुर

नगर निगम आदित्यपुर राजस्व संग्रहण को लेकर गंभीर है. गुरुवार शाम नगर निगम के सहायक प्रशासक शंभू प्रसाद कुशवाहा और अभिषेक कुमार ने राजस्व संग्रहण को लेकर समीक्षा बैठक की. इस बैठक में नगर प्रबंधक देवाशीष प्रधान, कर संग्रहण एजेंसी स्पैरो सॉफ्टेक के सर्किल मैनेजर दीप नारायण दास और पीएमयू चॉइस कंसल्टेंसी के निकेत कुमार शामिल हुए. सहायक प्रशासक शंभू प्रसाद कुशवाहा ने एजेंसी स्पैरो सॉफ्टेक को निर्देश दिया कि सभी अपार्टमेंट के वैसे लोग जिन्होंने अभी तक होल्डिंग टैक्स का रजिस्ट्रेशन नहीं कराया है, उनका असेसमेंट जल्द से जल्द करें. स्पैरो सॉफ्टेक ने टैक्स कलेक्टरों की संख्या बढ़ाने और सभी टैक्स कलेक्टरों का उचित मॉनिटरिंग करने की बात कही.

बता दें कि नगर निगम का इस वित्तीय वर्ष राजस्व संग्रहण का कुल लक्ष्य 12 करोड़ 55 लाख है. लेकिन अभी तक सिर्फ 6 करोड़ 11 लाख ही टैक्स कलेक्शन हो पाया है. सहायक प्रशासक ने राजस्व संग्रह को बढ़ाने का निर्देश दिया. नगर प्रबंधक देवाशीष प्रधान को बड़े डिफॉल्टर्स का खाता फ्रीज करने का निर्देश दिया गया है. साथ ही 20 अक्टूबर के बाद इन डिफॉल्टर्स पर कार्रवाई करने का भी निर्णय लिया गया. एजेंसी को री-असेसमेंट पर फोकस करने को कहा गया, ताकि होल्डिंग टैक्स में वृद्धि हो सके. बकायेदारों के खिलाफ नोटिस तामिला कराने का निर्देश दिया गया, ताकि अग्रतर कार्रवाई की जा सके. बैठक में हर 15 दिनों में राजस्व संग्रहण की समीक्षा बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया गया.

बैठक संपन्न

- अब तक 6 करोड़ 11 लाख की की गई है वसूली
- 20 अक्टूबर के बाद बड़े डिफॉल्टर्स के खाते होंगे फ्रीज

निक्को जुबली पार्क कर्मियों को मिलेगा 20 हजार रुपये बोनस

जमशेदपुर । निक्को जुबली पार्क में शुक्रवार को बोनस समझौता हो गया. बोनस समझौता के अनुसार निक्को जुबली पार्क के कर्मचारियों को 20,000 रुपये बोनस मिलेगा. बोनस की राशि सोमवार को कर्मचारियों के खाते में भेज दी जाएगी. निक्को जुबली पार्क में 25 स्थाई कर्मचारी कार्यरत हैं. पिछले वर्ष निक्को जुबली पार्क के कर्मचारियों को 17000 रुपये बोनस मिला था. इस अवसर पर निक्को जुबली पार्क कर्मचारी यूनियन के अध्यक्ष राकेश्वर पांडे ने कहा कि इस साल बेहतर बोनस समझौता हुआ है. इसका अच्छा असर पड़ेगा. पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष कर्मचारियों को ज्यादा बोनस मिलेगा. बोनस समझौता पर प्रबंधन की ओर से निदेशक राहुल मित्रा, सहायक प्रबंधक पंकज कुमार राय और यूनियन की ओर से अध्यक्ष राकेश्वर पांडे, उपाध्यक्ष बीके डिंडा और महासचिव परवीन पात्रा ने हस्ताक्षर किए.

प्रबंधन व यूनियन में समझौता मिलेगा 43373 रुपये बोनस

धर्मेंद्र कुमार । जमशेदपुर

जी टाउन क्लब में शुक्रवार को प्रबंधन और यूनियन के बीच बोनस समझौता हो गया. इसके अनुसार जी टाउन क्लब के कर्मचारियों को अधिकतम 43373 रुपये और न्यूनतम 25289 रुपये बोनस के तौर पर मिलेगा. बोनस की राशि सोमवार को कर्मचारियों के खाते में भेज दी जाएगी. जी टाउन क्लब के 30 स्थाई कर्मचारियों के बीच 17.25 लाख रुपये बोनस की राशि का वितरण किया जाएगा. इस अवसर पर जी टाउन क्लब कर्मचारी यूनियन के अध्यक्ष राकेश्वर पांडे ने कहा कि इस वर्ष बेहतर बोनस समझौता हुआ है. बोनस फार्मूला के आधार पर 14.49 लाख रुपये ही बोनस के तौर पर हो रहा था. यूनियन द्वारा प्रबंधन से आग्रह किया गया, तो प्रबंधन वृद्धि करते हुए 17.25 लाख रुपये बोनस के तौर कर्मचारियों को देने के लिए तैयार हो गई. जो लगभग 20 प्रतिशत होता है. उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष कर्मचारियों को ज्यादा बोनस मिलेगा. बोनस समझौता पर प्रबंधन की ओर से अध्यक्ष विनित के शाह और महासचिव संजय कुमार, उपाध्यक्ष प्रणय सिन्हा, राजेश कुमार झा, कोषाध्यक्ष योगांता गुप्ता और यूनियन की ओर से अध्यक्ष राकेश्वर पांडे, उपाध्यक्ष बीके डिंडा और महासचिव ददन सिंह ने हस्ताक्षर किए.

लकड़ी के खंभे पर टिकी है अब पुलिया

बहरागोड़ा । बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के चंदरपुर से खंडामौदा होते हुए एनएच-49 से जुड़ने वाली सड़क पर जर्जर पुलिया बड़ी दुर्घटना को आमंत्रित कर रहा है. करीब 25 साल पूर्व निर्मित पुलिया लकड़ी के खंभे पर टिकी है. ग्रामीणों ने पुलिया की जर्जर स्थिति को देखते हुए उसके नीचे लकड़ी का खंभा लगा दिया है. ताकि पुलिया ध्वस्त न हो. ग्रामीण कई वर्षों से इस पुलिया की मरम्मत करने की मांग कर रहे हैं. लेकिन अब तक इसपर कोई पहल नहीं हुई है. इससे ग्रामीणों में विभागीय अधिकारी तथा जनप्रतिनिधियों के प्रति काफी आक्रोश है. बता दें कि यह सड़क कई गांवों को जोड़ती है और प्रमुख ग्रामीण सड़क भी है. इस सड़क से होकर खांडामौदा, जामवनी, बानियाकुंदर, चंद्रपुर समेत कई गांव के सैकड़ों लोग आते-जाते हैं. इस सड़क पर छोटे-बड़े वाहनों का आवागमन होता रहता है. अगर यहां कोई गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हुई तो वो सीधे 20 फीट खाई में गिरेगी. किसी बड़े वाहन के भार से पुलिया कभी भी ध्वस्त हो सकती है.

अभियान मां तुझे सलाम संस्था ने मांगपत्र राज्यपाल को भेजकर स्पेशल ट्रेन जल्द चलाने की मांग की

टाटा-बादामपहाड़ डीएमयू को गोरुमहिसानी तक चलाने की मांग

संवाददाता । जमशेदपुर

फाइल फोटो टाटा-बादामपहाड़ ट्रेन.

मां तुझे सलाम संस्था ने टाटा-बादामपहाड़ डीएमयू स्पेशल ट्रेन को गोरुमहिसानी तक चलाने की मांग की है. इससे संबंधित एक मांगपत्र राज्यपाल को भेजा है. इसकी प्रतिलिपि रेल मंत्री, दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक और डीआरएम को भी भेजकर इसपर जल्द से जल्द पहल करने की मांग की है. पिछले दिनों संस्था द्वारा इसे लेकर हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया था.

संस्था के अध्यक्ष अजहर खान ने बताया कि रेलवे द्वारा गोरुमहिसानी आने जाने वाले लोगों के साथ भेदभाव किया जा रहा है. उक्त ट्रेन को गोरुमहिसानी नहीं भेजे जाने से उस रुट में रहने वाले लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. बता दें कि टाटानगर से बादामपहाड़ के बीच रोजाना दो ट्रेनें चलती हैं. दोनों ट्रेनों में मजदूर और व्यापारी ही ज्यादा यात्रा करते हैं. एक ट्रेन गोरुमहिसानी जाती है जबकि डीएमयू स्पेशल को गोरुमहिसानी नहीं भेजा जाता. जबकि इसे लेकर पत्र भी पत्र भेजा गया है.

भेजा मांगपत्र

- टाटानगर से बादामपहाड़ के बीच रोजाना दो ट्रेनें चलती हैं
- ओडिशा के इस भाग के लोग जमशेदपुर पर आश्रित हैं

पत्र में मांग की गई है कि उक्त ट्रेन को टाटानगर स्टेशन से सुबह 3.45 के बजाए शाम के 5 बजे गोरुमहिसानी होते हुए बादामपहाड़ की ओर भेजा जाए. अगले दिन सुबह 6 बजे बादामपहाड़ से गोरुमहिसानी होते हुए टाटानगर की ओर लाया जाए. क्योंकि ओडिशा के इस भाग के लोग जमशेदपुर पर आश्रित हैं. कुछ भी समस्या होने पर उन्हें जमशेदपुर ही आना-जाना पड़ता है. अगर शाम के 5 बजे टाटानगर से ट्रेन खुलेगी तो आम जनता को फायदा होगा और रेलवे को भी राजस्व प्राप्त होगा. साथ ही बादामपहाड़ रेल लाइन में दो नई ट्रेन चलाई जाने की योजना बन रही है, ऐसे में उन ट्रेनों को भी गोरुमहिसानी भेजा जाए. इन ट्रेनों का नाम टाटानगर-गोरुमहिसानी बादामपहाड़ रखा जाए और गोरुमहिसानी से आगे बाझीपोसी तक रेल लाइन का बंगाल बॉर्डर तक विस्तार किया जाए. वैसे इस मांग को लेकर मां तुझे सलाम संस्था ने राज्यपाल को पूर्व में भी पत्र भेजा था.

सिंदरी के 500 परिवारों को 5वें दिन भी नहीं मिला पानी

संवाददाता । सिंदरी

सिंदरी में इन दिनों मोबाइल कंपनी का टावर कनेक्शन करने के लिए जमीन में गड्ढा खोदकर केबल का जाल बिछाया जा रहा है. यह काम निजी कंपनी माला इंडिकॉम को सौंपा गया है. कंपनी एफसीआईएल आवासों का बिना ब्लूप्रिंट देखे काम करा रही है. गड्ढा खोदने के दौरान शुक्रवार की सुबह गुरुद्वारा एसएलटू मुख्य मार्ग के समीप आवास संख्या के वन 102 के बगल में वाटर पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे हजारों गैलन पानी यूं ही बर्बाद हो गया और क्षेत्र के लगभग 500 परिवारों को लगातार पांचवें दिन भी पानी के लिए तरसना पड़ा. इलाके में रहनेवाले लोगों ने बताया कि कंपनी बिना किसी सुपरवाइजर के टेक्निकल काम करा रही है. उसके पास एफसीआईएल आवासों का ब्लूप्रिंट भी नहीं है. पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने के कारण 5 दिनों के बाद भी पानी शुक्रवार को घरों में नहीं पहुंच सका. नवरात्र शुरू होने से दो दिन पहले पानी नहीं मिलने से क्षेत्र के लोगों को काफी परेशानी झेलनी पड़ी. ज्ञात हो कि पिछले 5 दिनों से पाइपलाइन में रिपेयरिंग का काम होने के कारण पूरे सिंदरी में जलापूर्ति बाधित थी. शुक्रवार की सुबह इसे शुरू किया गया था.

ब्रीफ खबरें

बिल्ली को बचाने में ऑटो पलटा, 4 घायल

बोकारो । शहर के उकरीद मजारशरीफ के पास स्थित बिल्ली को बचाने के चक्कर में एक ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया. इस हादसे में ऑटो चालक सहित चार लोग घायल हो गये. स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को सदर अस्पताल भेजा गया, जहां उनका इलाज चल रहा है. घायलों में बरनोनी बीवी, गोपाल तुरी, गोपन चंद्र मल्लिक शामिल हैं. गोपाल तुरी के सिर पर चोट लगी है. ऑटो चालक मो. शाहिद अंसारी ने बताया कि वो बालीडीह से नयामोड़ जा रहा था.

वाहन ने बाइक को मारी टक्कर, घायल

आदित्यपुर । गम्हरिया बलरामपुर निवासी व सोशल मीडिया पत्रकार अरविंद कुमार मिश्रा की बाइक को भारी वाहन ने पीछे से टक्कर मार दी. इस हादसे में अरविंद मिश्रा गंभीर रूप से घायल हो गये. उनका पैर टूट गया है और सिर पर गंभीर चोटें आयी हैं. साथ ही उनकी बाइक पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गयी है. हालांकि अरविंद ने शुक्रवार को थाना में लिखित शिकायत की है. पत्रकार ने शिकायत में जान से मारने की नीयत से किसी भारी वाहन से धक्का मारने का आरोप लगाया है.

कार ने तीन बाइक को ठोका, क्षतिग्रस्त

जमशेदपुर । परसुडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत खासमहल चौक के पास एक अनियंत्रित कार ने सड़क किनारे खड़ी तीन बाइक को ठोक दिया. गनीमत थी कि इस हादसे में किसी को चोट नहीं लगी. हालांकि सड़क किनारे खड़ी तीन बाइक बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गयी. स्थानीय लोगों ने कार चालक को धर दबोचा और उसे पुलिस के हवाले कर दिया. आदित्य सिंह ने पूछताछ में बताया कि कार उसके भाई के नाम पर है. प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कार लोको कॉलोनी की तरफ से निकली थी.

जसीडीह दुमका रेल लाइन पर शव बरामद

देवघर। जसीडीह/आसनसोल रेल मंडल अंतर्गत जसीडीह दुमका रेल लाइन पर एक व्यक्ति (40 वर्षीय) का शव बरामद हुआ है. घटना के संबंध में बताया जाता है कि स्थानीय लोगों ने जसीडीह दुमका रेलवे ट्रैक के किनारे एक शव पड़ा देखा. जिसके बाद लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी. सूचना पाकर शशि भूषण राय दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया.

धनबाद के युवक की मुंबई में हुई मौत

धनवार (गिरिडीह)। धनवार प्रखंड के ग्राम माधोखुर्द पंचायत गलवाती निवासी मोहम्मद फिरोज की मुंबई में मौत हो गई. वह वहां मजदूरी करता था. जानकारी के अनुसार वहां दुर्घटना में फिरोज की मौत हुई है. फिरोज अपने घर का इकलौता कमाने वाला था. वह अपने पीछे पत्नी और तीन छोटे बच्चों को छोड़ गया है. फिरोज के निधन से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. जानकारी के मिलने के बाद स्थानीय मुखिया और अन्य लोग फिरोज के घर पहुंचे और परिजनों को सांत्वना दी.

लिपिक 20 हजार घूस लेते हुआ गिरफ्तार

गिरिडीह। धनबाद की एंटी करप्शन ब्यूरो (डीएसई) की टीम ने शुक्रवार दोपहर जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय मं छापा मारा. इस दौरान लिपिक मिथिलेश कुमार गौतम को 20 हजार रुपये घूस लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया. डीएसपी जीतेंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में आयी एसीबी की टीम ने कार्रवाई की. जानकारी के अनुसार, लिपिक मिथिलेश रिटायर्ड शिक्षक अजय कुमार सिंह से पेंशन चालू कराने के एवज में घूस ले रहा था. उसने 20 हजार रुपये की मांग की थी.

कोयले के साथ 12 बाइक व 10 साइकिल जब्त

बेरमो। सीसीएल कथारा के क्षेत्रीय सुरक्षा पदाधिकारी के नेतृत्व में गश्ती दल ने कोयला चोरों के खिलाफ कार्रवाई की. छापेमार दल को देखते ही कोयला चोर भाग निकले. इस दौरान 12 बाइक और 10 साइकिल छोड़ भागे. सुरक्षा कर्मियों ने वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया ताकि बाद में इससे पुनः कोयले की चोरी नहीं की जा सके. इसके साथ बोरी में भरे करीब 8 टन कोयले को जब्त कर लिया गया. साथ ही चोरों को पकड़ने के लिए छापेमारी कर रही है.

20 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ दो युवकों को किया गिरफ्तार

संवाददाता। गोड्डा

नगर पुलिस ने कार्यवाही करते हुए दो युवकों को ब्राउन शुगर के साथ रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया. घटना नगर थाना अंतर्गत साकेतपुरी बहियार की है. नगर पुलिस को मिली सूचना के आधार पर मजिस्ट्रेट रंजित कुमार के साथ थाना प्रभारी उपेंद्र महतो की टीम ने बहियार में बने अर्धनिर्मित मकान में छापेमारी की गई. जिसमें मौके पर से दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया गया. गिरफ्तार किए गए युवकों की पहचान विवेक कुमार पिता दीनदयाल साह एवं आदित्य कुमार पिता पुतुल लैया दोनों निवाड़ी गोढ़ी मोहल्ला के रूप में की गई है. तलाशी के क्रम में इनके पास से 20 ग्राम से अधिक मात्रा में ब्राउन शुगर बरामद किया गया. साथ ही तौलने की मशीन एवं अन्य सामानों को भी बरामद किया गया है.

पुलिस सूत्रों से मिले जानकारी के अनुसार ये लड़के मादक पदार्थ का अवैध कारोबार कर रहे थे. इसमें अन्य भी कई लड़के शामिल हैं. पूछताछ में मिले सूचना के बाद बाकी आरोपियों की भी तलाश की जा रही है. पुलिस ने इन दोनों के खिलाफ नगर थाना कांड संख्या 251 /23 दर्ज करते हुए दोनों को जेल भेज दिया है.

आओ जानें

देशभर के पुलिस स्टेशनों में लगे कैमरे

अरुणाचल	99	मेघालय	25
असम	329	मिजोरम	40
बिहार	957	नगालैंड	28
छत्तीसगढ़	443	ओडिशा	584
गोवा	44	पंजाब	425
गुजरात	622	राजस्थान	01
हरियाणा	381	सिक्किम	13
हिमाचल	136	तमिलनाडु	1578
कर्नाटक	1052	तेलंगाना	842
केरला	538	त्रिपुरा	73
मध्यप्रदेश	859	यूपी	1533
महाराष्ट्र	663	उत्तराखंड	159
मणिपुर	00	वेस्ट बंगाल	637

जनमिलिशिया टीम के कंधे पर है आईईडी विस्फोट की जिम्मेदारी

गरीब ग्रामीणों को ऐसे गुमराह करते हैं नक्सली

शैलेश सिंह। किरीबुरु

पश्चिम सिंहभूम जिला के नक्सल प्रभावित कोल्हान जंगल में पुलिस व अर्द्धसैनिक बलों को आईईडी विस्फोट कर नुकसान पहुंचाने का काम भाकपा माओवादी के जन मिलिशिया दल के सदस्य कर रहे हैं. जबकि पुलिस पर घात लगाकर हमला करने की जिम्मेदारी पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (पीएलजीए) के हथियारबंद नक्सलियों ने संभाल रखी है. उल्लेखनीय है कि भाकपा माओवादी संगठन में अनेक विंग हैं-जैसे पीएलजीए, एसआरजीएस (सीनियर रेगुलर गुरिल्ला स्क्वाड), एलआरजीएस (लोकल रेगुलर गुरिल्ला स्क्वाड), जनमिलिशिया, नारी मुक्ति संघ (एनएमएस), क्रांतिकारी किसान कमेटी (केकेसी) आदि. सभी का कार्य अलग-अलग है.

पीएलजीए का इस्तेमाल पुलिस पर या अन्य बडे. हमला व घटना को अंजाम देने हेतु किया जाता है. जबकि छोटे स्तर के हमलों के लिये एसआरजीएस अथवा एलआरजीएस का इस्तेमाल किया जाता है. भाकपा माओवादी के बडे. नक्सली अथवा पीएलजीए के हथियारबंद नक्सली जहां रहते हैं, उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी एसआरजीएस व एलआरजीएस नक्सलियों के पास होती है. यह भी हथियारबंद नक्सली दस्ता होता है, जो छोटे ग्रुप में होकर पीएलजीए का बाहरी सुरक्षा घेरा बनाकर रहता है.

25 लाख के इनामी अनमोल दा की फाइल तस्वीर

विस्फोट कर घने जंगलों में छिप जाते हैं

जनमिलिशिया दस्ते में शामिल नक्सलियों का मुख्य काम जंगल में पुलिस के आने-जाने वाले मार्गों व संभावित रास्ते में आईईडी लगाना, पुलिस को नुकसान पहुंचाने हेतु लगाये गये आईईडी को विस्फोट करना शामिल है. जनमिलिशिया के लोगों को लैंड माइन अथवा आईईडी तैयार करने से लेकर विस्फोट की पूरा प्रशिक्षण दिया गया होता है. यह एक-दो की संख्या में सादे ड्रेस में और बिना हथियार के आम ग्रामीण की वेष में घूमते रहते हैं. पुलिस को अपने सुरक्षित जोन में आते देख कर वह अकेले या कुछ साथियों की मदद से आईईडी विस्फोट कर घने जंगलों में छिप जाते हैं. भाकपा माओवादी की इकाई केकेसी, ग्रामीणों की खेती-बाड़ी से लेकर किसानों की आर्थिक व शारीरिक जरूरी मदद करता है. जबकि एनएमएस भी ग्रामीण महिलाओं की मदद व सहयोग हर प्रकार से करती है. दोनों इसलिये सहयोग करते हैं कि वह ग्रामीणों व किसानों का समर्थन व विश्वास अपनी पार्टी संगठन के प्रति बढ़ा सके.

सारंडा शांत व पड़ोसी जंगल कोल्हान पूरी तरह से अशांत

वर्ष 2001 में नक्सलियों को सारंडा के एनक्रोचमेंट गांवों (अवैध तरीके से जंगल काट कर बसाये गांव) के लोगों ने वन विभाग की कार्यवाही से मुक्ति हेतु बुलाया था. लेकिन सारंडा में आने के बाद एक तरफ नक्सली क्षेत्र की खदानों, क्रशरों, बीड़ी पत्ता, लकड़ी तस्करी, विकास योजनाओं से जुड़े कार्यों से निरंतर भारी लेवी उठाकर शक्तिशाली होते रहे. दूसरी तरफ सारंडा के लोगों को यह कहकर गुमराह करते रहे कि केंद्र व राज्य सरकार बहुराष्ट्रीय कंपनियों एवं कॉरपोरेट घरानों के साथ कई एमओयू पर हस्ताक्षर किये हैं. वह सारंडा की खनिज संपदा को कॉरपोरेट घरानों को देकर सारंडा को स्पेशल इकोनोमी जोन (सेज) बना देगी. इससे आपका जल, जंगल, जमीन सब कुछ छीन लिया जायेगा. इसका विरोध हम माओवादियों के साथ आप करें. हम मिलकर इस स्पेशल इकोनोमी अर्थात विशेष आर्थिक जोन (सेज) के बदले विशेष जन विकास जोन या कृषि जोन की स्थापना करेंगे. जिसमें से यहां की सारी संपदा का मालिक जनता और केवल यहां की जनता होगी. सारंडा के लोगों को जब यह समझ में आया कि वह ऐसे नक्सल आंदोलन का साथ देकर न तो सारंडा की संपदाओं का मालिक बन रहे हैं, न सारंडा में विकास की किरण पहुंच रही है, न आर्थिक स्थिति सुधर रही है, बल्कि पुलिस व सरकार के दुश्मन बनकर भागे-भागे फिर रहे हैं. घर-परिवार भी छूट गया. अनेक मामले दर्ज होते जा रहे हैं. इसके बाद सारंडा के लोगों ने नक्सलियों का साथ छोड़ना प्रारंभ किया. आज सारंडा शांत एवं पड़ोसी जंगल कोल्हान पूरी तरह से अशांत है.

हत्याकांड में नाबालिग सहित चार गिरफ्तार

खूंटी। रनिया थाना क्षेत्र के तुरीगड़ा निवासी आनंद पतरस तोपनो (48) की हत्या के मामले में रनिया पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के अंदर हत्याकांड में शामिल एक नाबालिग सहित चार आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. गिरफ्तार आरोपितों में रनिया थाना क्षेत्र के तुरीगड़ा बड़का टोली निवासी अभिषेक केरकेट्टा, तोरपा थाना क्षेत्र के बोतलो गांव निवासी पोलीकार्प भेंगरा उर्फ पोली और उसीह गांव के ही सुनील भेंगरा शामिल हैं. एक नाबालिग को बाल सुधार गृह भेज दिया गया. इसकी जानकरी शुक्रवार को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ओम प्रकाश तिवारी ने अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी. उन्होंने बताया कि 12 अक्टूबर की रात तुरीगड़ा गांव के पास एक निर्माणाधीन चर्च है. उसके बगल में एक कुंए के पास आनंद पतरस तोपनो का शव बरामद किया गया था.

सुरक्षाबलों-माओवादियों में मुठभेड़, कई माओवादी घायल!

संवाददाता। चाईबासा

नक्सल प्रभावित गोइलकेरा थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हुई. इस दौरान दोनों तरफ से कई राउंड गोलियां चलने की खबर है. हालांकि मुठभेड़ की अब तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है. सूत्र से मिली जानकारी के अनुसार, सुरक्षाबलों के साथ हुई मुठभेड़ में कई माओवादी घायल हुए हैं. जानकारी के अनुसार, सुरक्षाबल के जवान शुक्रवार सुबह एंटी नक्सल अभियान में निकले थे. इसी दौरान पुलिस जवानों को देख कर माओवादियों ने फायरिंग शुरू कर दी. जवाबी कार्रवाई में पुलिस की ओर से भी कई राउंड फायरिंग की गई, जिसमें कई माओवादी घायल हो गए. फिलहाल हाथीबुरू कुरिया के जंगली क्षेत्र में मुठभेड़ जारी है. वहीं वरीय पुलिस अधिकारी इसकी मॉनिटरिंग कर रहे हैं.

गिरिडीह-कोडरमा रेलखंड का मामला

दिव्यांग का शव रेलवे पटरी से बरामद

संवाददाता। गिरिडीह

पचंबा थाना क्षेत्र स्थित सलेया स्टेशन के पास न्यू गिरिडीह-कोडरमा रेलखंड पर शुक्रवार सुबह एक दिव्यांग का शव बरामद हुआ है. मृतक की पहचान तेलोडीह निवासी आबिद अंसारी के रूप में हुई है. आबिद अंसारी की मौत कैसे हुई है, इसका पता नहीं चल पाया है. हालांकि स्थानीय लोगों का कहना है कि आबिद अंसारी सुबह आठ बजे रेलवे ट्रैक पर टहल रहा था. इसी दौरान न्यू गिरिडीह कोडरमा रेलखंड में गिरिडीह-कोडरमा ट्रेन गुजर रही थी. जिसकी चपेट में आने से आबिद की मौत हो गयी. घटना की जानकारी मिलने के बाद जीआरपी पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया. पचंबा थाना पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंचकर जांच में जुट गयी है. जानकारी मिलने के बाद मृतक के परिजन भी घटनास्थल पहुंचे. मुखिया सब्बीर आलम भी सलैया स्टेशन पहुंचे हैं.

कुआं में गिरने से बाइक सवार की हुई मौत

महुआडांड़ (लातेहार)। महुआडांड़ थाना क्षेत्र के ग्राम बोहटा में 22 वर्षीय युवक बजरंगी प्रसाद पिता अशोक प्रसाद की मौत बाइक समेत कुएं में गिरने से हो गई. बताया जाता है कि गुरुवार की शाम तकरीबन साढ़े छह बजे बजरंगी महुआडांड़ बाजार से अपने घर लौट रहा था. वह बाइक से घर के पीछे मक्का के खेतों से होते हुए मुख्य सड़क की ओर जा रहा था. इसी दरमियान झाड़ियां के बीच कुआं नजर नहीं आने और अंधेरे के कारण बाइक समेत कुएं में गिर गया. जिससे युवक की कुंआ में डूबने से मौत हो गई. बाद में स्थानीय ग्रामीणों की मदद से युवक को कुंआ से निकाल कर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महुआडांड़ लाया गया.

यहां स्वास्थ्य प्रभारी डॉ अमित खलखो ने उसे मृत घोषित किया. सूचना मिलने पर महुआडांड़ थाना प्रभारी संजय रतन पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे. पुलिस के जवानों ने ग्रामीणों की मदद से बाइक को कुंआ से बाहर निकाला. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल लातेहार भेज दिया.

पांकी-सतबरवा में फांसी लगा कर 2 महिलाओं ने की खुदकुशी

संवाददाता ।पलामू

जिले के पांकी और सतबरवा थाना क्षेत्र में फांसी लगाकर दो महिलाओं ने आत्महत्या कर ली. दोनों के शव का पोस्टमार्टम शुक्रवार को एमएमसीएच में किया गया. मृत महिलाओं की पहचान पांकी के लोहरसी निवासी फुलवा देवी एवं सतबरवा के कुंडेलवा निवासी फूलमती देवी के रूप में हुई है. पोस्टमार्टम कराने आए फूलमति के पिता रबदा फूलवरिया, पलामू किला निवासी ने ससुर गोपाल सिंह, पति जिला सिंह, ससुर दीपा सिंह, गोतनी आदि पर हत्या की आशंका जताई है. कहा कि कुछ समय पहले से सोने के चेन की मांग की जा रही थी और उसकी बेटी के साथ इसके लिए मारपीट भी की जाती थी. पांकी के लोहरसी सुसाइड मामले में मृतका के ससुर ने बताया कि 12 वर्ष पहले उसके बेटे की शादी हुई थी. वह बाहर रहकर शरिया शटरिंग का काम करता है. फोन पर उसकी पत्नी के साथ अवैध संबंध को लेकर विवाद हुआ था. इसके बाद घर पर किसी को नहीं पाकर फुलवा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. उसके दो बच्चे हैं. घटना के समय ससुर काम करने जबकि सास रिश्तेदार के घर गई थी. घर की एक छोटी बेटी भी बाहर थी. पुलिस मामले की छानबीन कर रही है.

रेलवे ट्रैक पर गिरकर हवलदार की मौत

पलामू । रेलवे ट्रैक पर गिरकर एक पुलिस हवलदार की शुक्रवार को मौत हो गई. पुलिस हवलदार की पहचान हीरालाल प्रधान (52) के रूप में हुई है. ड्यूटी खत्म करने के बाद हीरालाल रेडमा ओवरब्रिज के नीचे रेलवे ट्रैक पार कर रेड़मा की ओर कुछ काम से जा रहे थे. इसी क्रम में पैर फंसने के बाद फिसल कर गिर पड़े, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई. वे सरायकेला के निवासी थे.

अपहरण करने के दोषी को 21 साल की कैद

नोवामुंडी। नाबालिग लड़की का अपहरण करने के मामले में नोवामुंडी के संजीत शर्मा को प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ओमप्रकाश की अदालत ने पोक्सो एक्ट के तहत 21 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है. 25 हजार रुपए जुर्माना भी लगाया है. संजीत के खिलाफ नोवामुंडी के आजाद बस्ती निवासी शुरूमनी पान के बयान पर 7 नवंबर 2019 को नोवामुंडी थाना में मामला दर्ज किया गया था. दर्ज मामले में बताया गया था कि 15 सितंबर 2019 को उसकी नाबालिग पुत्री बिना बताए कहीं चली गई थी. खोजबीन में पता चला कि नोवामुंडी के कुम्हार टोली में उसकी पुत्री को संजीत शर्मा अपने साथ भगाकर ले गया है. कुछ दिन बाद संजीत शर्मा ने पीड़िता को घर पहुंचा दिया. लेकिन 25 अक्टूबर 2019 को फिर उसकी बेटी ने मोबाइल से फोन कर बताया कि संजीत शर्मा, उसके भाई सुजीत शर्मा और उसके दो दोस्तों ने उसे बहला फुसला कर कहीं ले गये और एक कमरे में बंदी बना कर रखा है.

बहू की हत्या मामले में पति सहित 3 गिरफ्तार, भेजा जेल

संवाददाता। लोहरदगा

जिले के कुडू थाना क्षेत्र के कुंदों गांव में एक महिला की हत्या करने का सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है. पुलिस ने मृतका के पति, सास तथा ससुर को गिरफ्तार कर लिया है. मृतका के पिता के बयान पर कुड़ू थाना में मामला दर्ज किया गया है. बताया जाता है कि कुड़ू निवासी योगेन्द्र साहू के पुत्र नितिंजये साहू की शादी 28 अप्रैल, 2016 को भंडरा थाना क्षेत्र के कुम्हरिया गांव निवासी राजेश साहू की पुत्री ज्योति देवी के साथ हुई थी. शादी के समय राजेश साहू ने दहेज के रूप में नकद तीन लाख रुपये तथा एक ग्लैमर बाइक दिया था. शादी के बाद ज्योति देवी तथा नितिंजय साहू से दो पुत्री हुईं, जिसमें एक पुत्री की मौत हो गई. पुत्र नहीं होने से ज्योति देवी के ससुराल वाले हमेशा प्रताड़ित करते थे तथा दूसरी शादी करने की बात कहते हुए मारपीट करते थे.

राजेश साहू ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि गुरुवार को उसका साला कैरो थाना क्षेत्र के नरौली गांव निवासी बलराम साहू के मोबाइल में नितिंजय साहू ने फोन कर कहा कि ज्योति की मौत हो गई है. रात में जब राजेश साहू तथा अन्य कुड़ू के कुंदों गांव पहुंचे तो ज्योति का शव पलंग में पड़ा हुआ था तथा लाल रंग का दुपट्टा गले में फंसा हुआ था. ससुराल वालों ने ज्योति का गला घोंटकर मार डाला था. पुलिस ने सभी पर हत्या का मामला दर्ज करते हुए तीनों को गिरफ्तार कर लिया है. शव को पोस्टमार्टम के लिए लोहरदगा सदर अस्पताल भेज दिया गया है. पुलिस मामले की जांच कर रही है.

मटका अड्डे पर छापेमारी पांच जुआरी गिरफ्तार

जमशेदपुर। जमशेदपुर के उलीडीह थाना अंतर्गत शंकोसाई रोड नंबर पांच स्थित रौशनी टेंट हाउस के पास चल रहे अवैध मटका अड्डा में शुक्रवार को पुलिस ने छापेमारी की. इस दौरान पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपियों में बिरसा रोड निवासी सन्नी गोप, राजू कुंभकार, जवाहरनगर रोड नंबर 4 निवासी रोहित सामद, डिमना रोड साल मैदान निवासी विकास कुमार चौरसिया और बगानशाही रोड नंबर 7 निवासी मो. वजीर शामिल है. पुलिस ने मौके से 18,285 रुपये, जुआ लेखा-जोखा संबंधित दो बोर्ड और मोबाइल फोन जब्त किया है. जानकारी देते हुए मीडिया प्रभारी डीएसपी सीसीआर अनिमेष गुप्ता ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि क्षेत्र में अवैध रूप से मटका अड्डा का संचालन किया जा रहा है. सूचना पर पुलिस ने एक टीम का गठन कर छापेमारी की. छापेमारी के दौरान मौके से पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है.

कार्रवाई जमशेदपुर पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर की गई कार्रवाई, क्षेत्र में चर्चा का विषय

महिला नक्सली सहित 3 नक्सलियों के घर चिपकाया इश्तेहार

संवाददाता। जमशेदपुर

जिला पुलिस ने शुक्रवार को एक लाख की इनामी महिला नक्सली बुलू सहित तीन इनामी महिला नक्सलियों के बंगाल स्थित घर पर इश्तेहार चिपकाया. जमशेदपुर कोर्ट से निर्गत आदेश पर फरार महिला नक्सली के बंगाल स्थित घर इश्तेहार को दरवाजे पर चिपकाया. एक लाख की इनामी बुलू सहित अन्य दो महिला नक्सली पर इनाम घोषित है. तीनों कुख्यात महिला नक्सली एक करोड़ के इनामी असीम मंडल दस्ते की सदस्य हैं. पुलिस के अनुसार 13 अक्टूबर को पटमदा थाना दर्ज कांड में अनुसंधानकर्ता एसआई विनय कुमार ने फरार नक्सली बंगाल के झारग्राम जिला के बासपहाड़ी ओपी स्थित जमीरडीहा निवासी जोबा उर्फ बुलू उर्फ बुदी, बेलपहाड़ी थाना क्षेत्र स्थित मेचूआ निवासी पुष्पा उर्फ शकुंतला उर्फ वर्षा उर्फ परी और गोपीबल्लभपुरम थाना क्षेत्र स्थित पथरनाशा नई ऐसी मालती उर्फ दुलारी मुर्मू उर्फ माला के घर एवं गांव के सहजदृश्य भाग पर कोर्ट से निर्गत उद्घोषणा आदेश को चिपकाया तथा डुगडुगी बजवा कर गांव के स्थानीय ग्रामीणों के समक्ष पढ़कर सुनाया. उल्लेखनीय है कि जमशेदपुर कोर्ट के सीजीएम नुमान खान आजम की कोर्ट ने तीनों फरार महिला नक्सली को 30 नवम्बर तक न्यायालय में पेश होने का आदेश दिया है.

खास बातें

- एक लाख का इनामी नक्सली है बुलू सहित दो महिला नक्सली
- 13 अक्टूबर का पटमदा में दर्ज हुआ था मामला

मानगो शंकोसाई में बंद पड़े घर से हुई लाखों की चोरी

संवाददाता। जमशेदपुर

जमशेदपुर के उलीडीह थाना अंतर्गत शंकोसाई रोड नंबर 5 जय गुरु नगर स्थित लक्ष्मी देवी के बंद पड़े मकान में दरवाजा तोड़कर चोरों ने पीतल के बर्तन के साथ मंगलसूत्र और कान की बाली की चोरी कर ली. इस घर की देखभाल क्षेत्र में ही रहने वाली लक्ष्मी देवी की बेटी सुनीता देवी करती है. उन्हें चोरी की जानकारी तब हुई, जब वह शुक्रवार को घर पहुंची. तो घर का दरवाजा टूटा हुआ है और घर के अंदर सारा सामान बिखरा पड़ा है. उन्होंने तत्काल इसकी सूचना भाजपा नेता विकास सिंह को दी. चोरी हुए सामानों की कीमत एक से डेढ़ लाख रुपए बताई जा रही है. विकास सिंह ने कहा कि पूरा मानगो नशा खुरानी गिरोह के कब्जे में है.

समारोह : अग्रसेन भवन से राजधानी में आज निकाली जाएगी भव्य शोभायात्रा

अग्रसेन जयंती महोत्सव कल, सभी तैयारियां पूरी

संवाददाता। रांची

अग्रवाल सभा के तत्वावधान में 14 अक्टूबर को शोभायात्रा एवं 15 अक्टूबर को महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव का आयोजन किया गया है, जिसकी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं. अग्रवाल सभा के अध्यक्ष नंदकिशोर पाटोदिया, मंत्री मनोज चौधरी, अग्रसेन जयंती आयोजन समिति के संयोजक सज्जन पाड़िया एवं अग्रवाल सभा के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने संयुक्त रूप से कहा है कि अग्रवाल सभा के तत्वावधान में श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव सह 47 वां वार्षिकोत्सव के अंतर्गत 14 अक्टूबर को अपराहन 3 बजे महाराजा अग्रसेन की भव्य शोभा यात्रा निकाली जाएगी. शोभा यात्रा महाराजा अग्रसेन भवन से प्रारंभ होगी, जो रांची के नगर भ्रमण कर पुनः अग्रसेन भवन में पहुंच कर संपन्न हो जाएगी. शोभा यात्रा का संचालन अग्रवाल युवा सभा करेगा.

समारोह के प्रमुख कार्यक्रम कल

15 अक्टूबर को महाराजा अग्रसेन की जयंती मनायी जाएगी, जिसमें प्रातः 6:30 बजे अग्रसेन चौक में महाराजा अग्रसेन जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि, माल्यार्पण, आरती प्रसाद एवं प्रभात फेरी का कार्यक्रम होगा. पूर्वाहन 10:30 बजे अग्रसेन भवन में हवन, कुलदेवी का पूजन एवं प्रसाद वितरण तथा अपराह्न तीन बजे से महाराजा अग्रसेन भवन में वार्षिकोत्सव, जयंती समारोह सभा, प्रतिभा प्रोत्साहन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह तथा संध्या 7 बजे से प्रसाद एवं सहभोज का आयोजन किया गया है.

मुख्य तिथि होंगे महालेखाकार

अग्रसेन जयंती महोत्सव समारोह के मुख्य अतिथि भारत सरकार के महालेखाकार राजकुमार अग्रवाल होंगे तथा मुख्य वक्ता उद्योगपति सह समाजसेवी पुनीत कुमार पोद्दार होंगे.

मनोहरपुर में मानवाधिकार सहायता संघ का गठन

मनोहरपुर। मानवाधिकार सहायता संघ अंतरराष्ट्रीय के जिला अध्यक्ष राहुल तिवारी के नेतृत्व में शुक्रवार को चाईबासा परिसदन में संघ के नए सदस्यों को सदस्यता दिलाई गई, जिसमें प्रमुख रूप से झींकपानी प्रखंड के रूपेश कुमार पान, अनिल कुमार गोप और करण कुंकल, झींकपानी, पश्चिमी सिंहभूम को संघ की सदस्यता दी गई, साथ ही रूपेश कुमार पान को झींकपानी प्रखंड अध्यक्ष, अनिल कुमार गोप को प्रखंड सचिव एवं करण कुंकल को चोया पंचायत का अध्यक्ष मनोनीत किया गया.

आओ जानें

श्री कालिका मंदिर, बोकारो

आराध्या	महाकाली
स्थान	बोकारो स्टीलसिटी, चीरा चास
स्थापना	14 जुलाई 2012
संस्थापक	आशियान एस्टेट डेवलपर्स
स्थिति	यह मंदिर आधे एकड़ में फैला हुआ है और देवी काली को समर्पित है. यह दो मंजिला संरचना है, जिसमें एक ऊंचा ''स्तूप'' है, जो 90 फीट से अधिक ऊंचा है. 50 फीट से अधिक चौड़ाई है, मंदिर 160 फीट से अधिक लंबा है. यह मंदिर एक अद्वितीय डिजाइन पर आधारित है, जो पांच पंखुड़ियों वाले कमल के फूल की नकल करता है. प्रत्येक पंखुड़ी में मंदिर का प्रवेश द्वार है. मंदिर को पंचकोणीय योजना पर डिज़ाइन किया गया है और इसकी अधिरचना में पांच नोड हैं.
विशेषता	मुख्य मंदिर में देवी मां काली की मूर्तियां हैं. काली का मुख्य मंदिर पहली मंजिल पर स्थित है, जबकि तहखाने (4000 वर्ग फुट से अधिक) में एक बड़ा प्रार्थना और यज्ञ कक्ष होगा. मंदिर में सीता के काली अवतार का सुंदर चित्रण है. मंदिर के प्रवेश द्वार पर भगवान हनुमान को समर्पित एक छोटा मंदिर स्थित है.
इतिहास	मंदिर का निर्माण जुलाई 2010 में प्रारंभ हुआ. पूरी संरचना को पूरा करने में तीन साल से भी कम समय लगा.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष छठा चन्द्र सूर्य से अस्त है. ऋण लेने से बचें. दौड़धूप अधिक रहेगी. बुरी खबर मिल सकती है. वाणी पर नियंत्रण रखें. दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं. समाज में आपके कार्यों की आलोचना होगी. राजकीय सहयोग मिलेगा. संकटमोचन का पाठ करें.

वृषभ अपनों के प्रति जिमेवारी पूरी होगी. मेहनत से सफलता मिलेगी. कार्य की प्रशंसा होगी. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. ऐश्वर्य के साधन मिलेंगे. विद्यार्थियों को प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी. व्यापार अच्छा चलेगा. दुर्गा माता का ध्यान करें.

मिथुन मानसिक तनाव होगा. कोई पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी. उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी. स्वाभिमान बना रहेगा. नौकरी में मनचाही पदोन्नति मिलने के योग बनेंगे. स्वास्थ्य की ओर ध्यान दें. रुका धन मिलेगा. व्यापार में नए अनुबंध होंगे.

कर्क किसी वरिष्ठ से मुलाकात होगी. समय अनुकूल है. अप्रत्याशित लाभ हो सकता है. जोखिम न उठाएं. प्रसन्नता रहेगी. धर्म के कार्यों में रुचि आपके मनोबल को ऊंचा करेगी. आर्थिक स्थिति में सुधार की संभावना है. व्ययों में कमी करनी चाहिए.

सिंह आय होगा. शारीरिक कष्ट संभव है. दूसरों पर अतिविश्वास न करें. वस्तुएं संभालकर रखें. आपकी मिलनसारिता व धैर्यवान प्रवृत्ति आपके जीवन में आनंद का संचार करेगी. स्थायी संपत्ति में वृद्धि होगी. व्यापार अच्छा चलेगा.

कन्या कार्य होने से मानसिक संतुष्टि होगी. व्यवसाय ठीक चलेगा. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. प्रसन्नता रहेगी. सार्वजनिक कार्यों में समय व्यतीत होगा. संतान की ओर से शुभ समाचार मिलेंगे. स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. रोजगार के क्षेत्र में उन्नति होगी.

तुला दिखावा में खर्च होगा. योजना फलीभूत होगी. नए अनुबंध होंगे, प्रयास करें. प्रसन्नता रहेगी. उत्तम मनोबल आपकी सभी समस्याओं को हल कर देगा. प्रतिष्ठित जनों से मेलजोल बढ़ेगा. व्यापार में नए प्रस्ताव मिलेंगे. सूर्य को बल दे.

वृश्चिक पूजा-पाठ में मन लगेगा. व्यवसाय ठीक चलेगा. निवेश शुभ रहेगा. शनि को खुश रखें, जिससे प्रसन्नता रहेगी. अपनी वस्तुएं संभालकर रखें. जीवनसाथी से मतभेद. व्यवहार कुशलता से समस्या का समाधान हो सकेगा. वाहन सावधानी से चलाएं.

धनु किसी वरिष्ठ से मुलाकात होगा. विवाद को बढ़ावा न दें. कुसंगति से हानि होगी. आय कम होगी. नए संबंध लाभदायी सिद्ध होंगे. व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता का विशेष योग है. व्यापारिक निर्णय जल्दबाजी में न लें.

मकर प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी. व्यवसाय ठीक चलेगा. चिंता रहेगी. प्रमाद न करें. परेशानियों का मुकाबला करके भी लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे. शिक्षा व ज्ञान में वृद्धि होगी. अधूरे पड़े काम पूरे होने के योग हैं.

कुंभ समय अनुकूल है. शत्रु परास्त होंगे. बेरोजगारी दूर होगी. यात्रा, नौकरी व निवेश लाभदायक रहेंगे. व्यापार में कर्मचारियों पर अधिक विश्वास न करें. आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी. संतान की शिक्षा संबंधी समस्या रह सकती है.

मीन रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे. व्यवसाय ठीक चलेगा. प्रसन्नता बनी रहेगी. आय में अधिक व्यय से मनोबल कमजोर पड़ सकता है. कार्य, व्यवसाय के क्षेत्र में विभिन्न बाधाओं से मन अशांत रहेगा. गुरु मंत्र का जाप करें.

पूजा समिति के अध्यक्ष नयन का निधन

घाटशिला। कासीदा अशोक कुंज दुर्गा पूजा कमेटी के अध्यक्ष नयन दत्ता का हृदय गति रुक जाने से गुरुवार को निधन हो गया. स्व. दत्ता 1994 से 2023 तक लगातार दुर्गा पूजा कमेटी के अध्यक्ष पद पर थे. इनके अंदर आध्यात्मिक एवं देश प्रेम की भावना थी, जिसके कारण हर साल 15 अगस्त एवं 26 जनवरी को धोती कुर्ता पहनकर नेहरू टोपी लगाकर विधिवत तरीके से कसीदा फुटबॉल मैदान में राष्ट्रीय ध्वज फहराया करते थे. वह अंग्रेजी हुकूमत से देश को कैसे आजादी मिली इस बारे में बताते थे. उनके निधन से कमेटी को तथा गांव को काफी क्षति हुई है. जिसकी भरपाई मौजूदा समय में नहीं की जा सकती है. शुक्रवार को उनके पार्थिव शरीर उनके आवास से दुर्गा मंडप लाया गया. वहां कमेटी के सभी सदस्यों ने बारी-बारी से उन्हें पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी.

आदित्यपुर में दुर्गा पूजा पंडाल को फाइनल टच देने में जुटे कारीगर

आज खुलेंगे पूजा पंडाल के पट

संवाददाता। आदित्यपुर

आदित्यपुर में भव्य दुर्गापूजा समारोह की सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं. जहां कारीगरों के दल पूजा पंडाल को अंतिम टच देने में लगे हैं, वहीं सभी कार्यक्रम तय कर लिये गये हैं. इस क्रम में प्रवीण सिंह सेवा संस्थान आदित्यपुर के दुर्गा पूजा पंडाल को फाइनल टच देने में 150 कारीगर दिन रात जुटे हैं. 14 अक्टूबर को रंगारंग शोभा यात्रा और सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ ही श्रद्धालुओं के लिए पंडाल के पट खुल जाएंगे. पंडाल की विशेषता और उद्देश्य बताते हुए मुख्य संरक्षक पूर्व विधायक अरविंद सिंह ने बताया कि इस बार खंडहरनुमा पंडाल बनाया गया है, जिसका उद्देश्य धरोहरों को संरक्षित करने के लिए सरकार को प्रेरित करना है. पूर्व विधायक अरविंद सिंह बताते हैं कि भीड़- भाड़ से बचने के लिए दिव्यांग, बुजुर्ग और महिलाओं के लिए विशेष व्यवस्था की गयी है. इनके लिए हर दिन 2-2 घंटे का समय सुरक्षित किया गया है.

गुफा में होंगे चार-चार माता रानियों के दर्शन: इस वर्ष दक्षिण भारतीय मंदिर की खंडहरनुमा और गुफानुमा आकृति का पंडाल बना है. श्रद्धालुओं को गुफा से होकर गुजरते वक्त चार-चार माता रानियों के दर्शन होंगे. पंडाल का निर्माण पश्चिम बंगाल के मेदिनीपुर स्थित मैचेदा के पार्वती डेकोरेटर्स के कारीगरों ने किया है. पंडाल की सुरक्षा में 50 सीसीटीवी कैमरे के साथ ही 100 वोलेंटियर्स और ड्रोन कैमरे भी सुरक्षा में तैनात किया गया है.

1973 में शुरू हुई थी दुर्गा पूजा

क्लब ने पहली बार 1973 में पूजा की शुरुआत की थी. तब कॉलोनी के रहने वाले कन्हैया प्रसाद, समीर मंडल, नवल किशोर, बीएन भक्ता, श्यामल कांत झा और श्री वर्मा ने पूजा की शुरुआत की थी. पूजा को सम्पन्न कराने में संरक्षक एके श्रीवास्तव, भगवान सिंह के साथ लाइसेंसी शंकर सिंह, अध्यक्ष विनायक सिंह, महासचिव सत्य प्रकाश, जितेंद्र मिश्रा, वीरेंद्र सिंह, ऋषि मिश्रा, धनंजय कुमार, संजू, विवेक, धीरज कैरा, सौरभ कुमार जवाहरलाल सिंह, अनुराग सिंह, पंकज कुमार, पप्पू सिंह, मनबोध शर्मा, शशि शेखर, राजेश कुमार सिंह, व्यवस्थापक संजय कुमार सिंह, मुख्य यजमान अंकुर सिंह, आलोक दुबे, राजा सिंह, चंदन सिंह लगे हुए है. पंडाल निर्माण में पार्वती डेकोरेटर्स के प्रोपराइटर अशोक दास, ड्राइंग डिजाइनर शिव कुमार दास का बहुमूल्य योगदान है.

इस वर्ष है गोल्डन जुबिली

पूर्व का जयराम यूथ स्पोर्टिंग क्लब अब प्रवीण सेवा संस्थान हो गया है. इसलिए गोल्डन जुबिली वर्ष पर धूमधाम से क्लब दुर्गोत्सव मना रहा है. पूर्व विधायक ने बताया कि पूजा के दौरान झारखंड बिहार के मंत्री विधायक शिरकत करेंगे.

खास बातें

- पंडाल के समीप 50 सीसीटीवी कैमरे से श्रद्धालुओं की सुरक्षा
- 100 वोलेंटियर्स, ड्रोन कैमरे रहेंगे सुरक्षा व्यवस्था में रहेंगे तैनात

छिन्नमस्तिका मंदिर परिसर में चलाया गया सफाई अभियान

संवाददाता। रामगढ़

आगामी दुर्गापूजा के मद्देनजर शुक्रवार को पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल रामगढ़, यूनिसेफ सपोर्टेड संस्था डेवनेट एवं रजरप्पा मंदिर स्वच्छता प्रबंधन समिति के संयुक्त प्रयास से रजरप्पा स्थित मां छिन्नमस्तिका मंदिर परिसर एवं आस-पास के क्षेत्रों में सफाई अभियान चलाया गया.

मौके पर उपस्थित सभी लोगों द्वारा मंदिर परिसर एवं आस पास के क्षेत्रों की साफ-सफाई की गई. साथ ही रजरप्पा मंदिर स्वच्छता प्रबंधन समिति के अध्यक्ष एवं भूचुंगडीह पंचायत की मुखिया सुनीता देवी ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि अभियान का मुख्य उद्देश्य यहां के दुकानदारों, सफाई कर्मियों और आनेवाले श्रद्धालुओं को जागरूक करना है एवं इस तरह के अभियान हर 15 दिनों के अन्तराल पर समिति और सहयोगियों की मदद से चलता रहेगा. वहीं समिति के सदस्य शुभाशीष पाण्डा ने कहा कि जहां स्वच्छता होती है, वही देवी देवताओं का निवास होता है, इसलिए मदिर क्षेत्र को स्वच्छ रखना हम सभी की जिम्मेवारी है. उन्होंने यात्रियो, होटल संचालको, दुकानदारो से किसी प्रकार का प्लास्टिक और कूडा कचडा नदी मे न फेकने की अपील की. मौके पर यूनिसेफ की सहयोगी संस्था डेवनेट से निर्भय कुमार, वरुण सिन्हा, सुजीत कुमार, प्रखण्ड समन्वयक, गोला अजय कुमार महतो, वार्ड सदस्य ठाकुर दास महतो एवं चुरायण महतो, देवन्ति महतो सहित अन्य उपस्थित थे.

राज्यपाल 18 अक्टूबर को करेंगे पंडालों का भ्रमण एवं उद्घाटन

संवाददाता। रांची

दुर्गा पूजा समिति का एक प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार को राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन एवं झारखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री पेयजल एवं स्वच्छता सह जल -संसाधन मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर से मिला. इस दौरान स्मृति चिह्न के रूप में माँ दुर्गा की प्रतिमा और माता की चुनरी भेंट की. राज्यपाल ने प्रतिनिधिमंडल के आमंत्रण को स्वीकार करते हुए 18 अक्टूबर को पूजा पंडालों के उद्घाटन एवं भ्रमण करने का आवश्वासन दिया.

इसके साथ ही प्रतिनिधिमंडल मंत्री मिथिलेश ठाकुर के आवास पर मिला और पूजा के संचालन एवं व्यवस्था के संबंध में जानकारी दी. मंत्री ने आश्वासन दिया कि पूजा के आयोजन में किसी तरह की असुविधा न हो, यह हम अपने स्तर पर सुनिश्चित करेंगे, पूजा के दौरान पेयजल आपूर्ति तथा पानी की समस्या को लेकर उन्होंने तत्काल

उनके अधिकारियों को फोन पर ही जानकारी देते हुए उसपर तत्काल प्रभाव से कार्य करने का आदेश दिया.

प्रतिनिधिमंडल में मुख्य रूप से अशोक चौधरी, मुनचुन राय, मनोज गुप्ता, कुंदन सिंह, राजेंद्र सिंह, अरविंद साह, आलोक साहू, रमेश गुप्ता, राजेश ठाकुर, मनीष श्रीमाली, राजेश ठाकुर, सुजीत सिंह, निशांत यादव, रोहित पांडेय, रवि मुंडा, सुजीत उपाध्याय, शुभम सिन्हा, रिषभ अग्रवाल, विक्की शर्मा, साजन सिन्हा आदि शामिल थे.

स्वच्छ पूजा पंडाल प्रतियोगिता होगी

संवाददाता। जमशेदपुर

दुर्गा पूजा उत्सव के अवसर पर स्वच्छता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मानगो नगर निगम द्वारा निगम क्षेत्र अंतर्गत होने वाले पजा पंडालों के बीच स्वच्छ पूजा पंडाल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा. उक्त जानकारी उप नगर आयुक्त सुरेश यादव ने दी. उन्होंने कहा कि पूजा एवं त्योहार के अवसर पर श्रद्धालुओं की भीड़ एवं पंडालों के इर्द-गिर्द ठोस अपशिष्ट का बढ़ना आम बात है, जिसको कम करने का उत्तरदायित्व आम नागरिकों का भी है. इस प्रयास में इस दुर्गा पूजा में आम जनता की भागीदारी बनाने हेतु स्वच्छ पूजा पंडाल प्रतियोगिता का आयोजन करने का निर्णय लिया गया है. निकाय अंतर्गत आने वाले पूजा पंडालों की स्वच्छता का मूल्यांकन 20 से 24 अक्टूबर के दौरान निकाय द्वारा गठित टीम के द्वारा विभिन्न मानकों के आधार पर किया जाएगा. जिसमें पूजा पंडाल,

प्रतिमा विसर्जन सामग्री, पूजा पंडाल परिसर में पेयजल व शरबत पानी की व्यवस्था, पूजा पंडाल के प्रवेश एवं निकासी द्वार तथा महिला पुरुष के लिए अलग-अलग कतार की व्यवस्था, पूजा पंडाल परिसर में वॉलिंटियर के उपस्थिती, पूजा पंडाल परिसर की साफ सफाई एवं पूजा पंडाल परिसर में आसपास के दुकानदारों एवं आम नागरिकों द्वारा गंदगी नहीं फैलाने, नशा मुक्ति, प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने, स्वच्छता से संबंधित विज्ञापन का प्रदर्शन करने, ध्वनि विस्तारक यंत्र के माध्यम से स्वच्छता का प्रचार प्रसार करने और स्वच्छता का विज्ञापन के लिए, स्वच्छता की होर्डिंग लगाने, पूजा पंडाल के आकार के अनुसार पर्याप्त संख्या में हरा एवं नीला डस्टबिन की व्यवस्था करने, पूजा पंडाल से निकलने वाले कचरे का पृथक्करण करने आदि के लिए 10 प्वाइंट प्रति के अनुसार कुल 160 पॉइंट दिये जाएंगे. इन मापदंडों के आधार पर रैंकिंग करते हुए प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर आने वाले पूजा पंडालों को पुरस्कृत किया जाएगा.

जमशेदपुर में 123 मृतकों का सामूहिक पिंडदान आज

जमशेदपुर। जमशेदपुर की संस्था अंत्योदय द्वारा शनिवार को एक साथ 123 मृतकों का पिंडदान और सामूहिक श्राद्धकर्म किया जाएगा. इसके लिए तैयारियां पूरी कर ली गई हैं. संस्था के प्रवीण सेठी ने बताया कि इस मौके पर जमशेदपुर के विभिन्न क्षेत्रों के 700 लोगों को भोजन कराया जाएगा. उन्होंने बताया कि ये 123 वैसे मृतक हैं, जिसका उनकी संस्था द्वारा अंतिम संस्कार कराया गया है. सेठी ने बताया कि इस कार्यक्रम में श्मशान घाट और पोस्टमार्टम हाउस के कर्मचारियों को सम्मानित भी किया जाएगा. ये ऐसे लोग हैं जो अंतिम संस्कार में निःस्वार्थ अपनी सेवा देते हैं. प्रवीण सेठी ने बताया कि उनकी संस्था ऐसे शवों का अंतिम संस्कार करती है, जो लावारिस हो. इसके अलावा ऐसे मृतकों का भी अंतिम संस्कार करती है जो आर्थिक रूप से कमजोर हो. संस्था की शुरुआत से अब तक 123 शवों का अंतिम संस्कार किया जा चुका है.

परंपरा महालया के साथ चौका में शुरू होगा नवदुर्गा महोत्सव, 11 दिनों तक मचेगी धूम

पारंपरिक दासायं नाच से होगा देवी दुर्गा का आह्वान

संवाददाता। रांची

सार्वजनिक श्रीश्री नवदुर्गा पूजा कमेटी चौका की ओर से होने वाली नवदुर्गा पूजा की तैयारी अंतिम चरण में है. शनिवार को महालया के साथ यहां नव दुर्गा पूजा का आयोजन शुरू हो जाएगा. परंपरा के अनुसार चौका में महालया के दिन पारंपरिक दासायं नाच के साथ देवी का आहवान किया जाएगा. इसके लिए विभिन्न गांवों के दासायं नाच दल को आमंत्रित किया गया है. वर्ष 2005 में स्थापित सार्वजनिक श्रीश्री नवदुर्गा पूजा कमेटी चौका की ओर से प्रतिवर्ष महालया के दिन पारंपरिक दासायं नाच से देवी आद्याशक्ति महामाया का आह्वान किया जाता है.

दस दिनों तक चलता है दासायं नृत्य: दासायं नाच आश्विन मास के 11वें दिन (नवरात्र के पहले दिन) से शुरू होता है. सभी दासायं नाच वाले लड़के प्रतिपदा के दिन निकलते हैं और दशमी के दिन घर वापस आते हैं. पूरे दस दिनों तक सभी घूम-घूमकर गांवों में दासायं गीत गाते हुए नाचते हैं. इनकी पोशाक साड़ी होती है, जिसे धोती की तरह पहनते हैं. पगड़ी में भी साड़ी का ही इस्तेमाल किया जाता है. पगड़ी, बांह आदि में माराअ पिचार यानी मोर पंख लगाया जाता है. दासायं नाच दासायं महीना यानी अश्विन-कार्तिक माह में ही किया जाता है. इसमें जाने से पहले यानी दसाईं दाड़न करने से पहले पूजा की जाती है.

खास बातें

- 2005 में गठित हुई सार्वजनिक श्रीश्री नवदुर्गा पूजा कमेटी
- दस दिनों तक गांवों में चलता रहेगा दासायं नाच का दौर

बनी हैं देवी के नौ रूपों की प्रतिमाएं

चौका में शारदीय नवरात्र पर आयोजित दुर्गोत्सव के लिए देवी के नौ अलग-अलग रूपों की प्रतिमा बनाई गई है. भव्य व आकर्षक प्रतिमाओं को मंदिर में स्थापित कर नवरात्र के नौ दिनों तक रोज विधिवत पूजा-अर्चना की जाएगी. मंदिर के आगे आकर्षक पंडाल का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है. दुर्गोत्सव को लेकर रविवार को प्रतिपदा के दिन देवी के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की कलश यात्रा निकाली जाएगी. इसके साथ ही श्रीराम कथा पर प्रवचन भी शुरू होगा, जो आने वाले सात दिनों तक रोज दोपहर बाद तीन बजे से होगा. इसके पूर्व रविवार की सुबह पंडाल का विधिवत उदघाटन किया जाएगा.

एक्सपो उत्सव मेले में उमड़ी लोगों की भीड़

संवाददाता। रांची

रांची के मोरहाबादी मैदान में आयोजित एक्सपो उत्सव में दूसरे दिन शुक्रवार को लोगों की भीड़ उमड़ने लगी. मेले में आनेवाले लोगों के लिए सभी तरह की सुविधाओं का खास ख्याल रखा गया है. मेले में जाने वाले लोगों के लिए दोपहिया तथा चारपहिया वाहन की पार्किंग के लिए खुली जगह है. लोगों की सुविधा हो इसे लेकर टिकट काउंटर में महिलाओं व पुरुषों के लिए अलग-अलग जगह निर्धारित हैं. एक्सपो में पिंक स्टॉल, जर्मन स्टॉल, फुड स्टॉल, झारखंड की महिला उद्यमी को बढ़ावा देने के लिए एक हॉल टेंट हैं. स्टॉल में अलग-अलग तरह की वेराइटी देखने को मिल रही है, जैसे बांग्लादेश की साड़ियां, इलेक्ट्रॉनिक आईटम, बच्चों के खेलने के प्ले जोन, स्टॉर्टअप कंपनियों के रूप में फर्नीचर वर्ल्ड, अफगानिस्तान से आये ड्राई फ्रूट, गुजराती बैंगल्स, पंजाबी कुर्ती, कोरियन हेयर एक्सेसरीज कलेक्शन, कानपुर लेडिज बैग, तेजस्वी कंस्ट्रक्शन डेवलपमेंट सहित सजावटी लाईट के स्टाईलिश कलेक्शन और भी कई अन्य चींजे उपलब्ध हैं.

एक्सपो उत्सव बना आकर्षण का केंद्र

एक्सपो उत्सव मेले में परिवार वालों और युवा वर्ग के लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना है. सभी वर्ग के युवा मेले का लुत्फ उठा रहे हैं. हर कोई अपने करीबी के साथ यहां आना पसंद कर रहे हैं. लोग परिवार के साथ मेले में खरीदारी करने आ रहे है. बच्चों के लिए बने स्पेशल प्ले जोन में ब्रेक डांस, बैलून के स्लाइडर और कई चीजें हैं. युवाओं की पसंद का स्टॉल कोरियन कलेक्शन खरीदारी का केंद्र बना हुआ है. युवाओं को कोरिया के हेयर एक्सेसरी काफी पसंद आ रही हैं. कोरिया के स्टॉल में सभी तरह के एक्सक्लूसिव हेयर पिन क्लक्चर, हेयर बैंड, छोटे हेयर पिन, बैक पिन आदि सभी तरह के सामान उपलब्ध हैं.

67 शब्दों का भूकंप खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहा

फिलिस्तीन-इजराइल संघर्ष ने अब तक हजारों लोगों की जान ले ली है और लाखों लोग विस्थापित हो गए हैं. इसकी जड़ें एक सदी से भी अधिक समय पहले के औपनिवेशिक कारनामों में फैली हुई हैं. बीते शनिवार को सशस्त्र फिलिस्तीनी समूह हमास द्वारा अभूतपूर्व हमले के बाद इजराइल द्वारा गाजा पट्टी पर युद्ध की घोषणा के साथ दुनिया की निगाहें फिर से इस पर केंद्रित हो गई हैं. हमास लड़ाकों ने दक्षिणी इजराइल के कई शहरों पर हमले कर 1300 से अधिक इजराइलियों को मार डाला है. इसके जवाब में इजराइल ने गाजा पट्टी में बमबारी अभियान चलाया है, जिसमें 1500 से ज्यादा फिलिस्तीनी मारे गये हैं. इसने गाजा पट्टी की संपूर्ण नाकाबंदी की घोषणा कर दी है और पहले से ही घिरे इलाके में भोजन, ईंधन और अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति रोक दी, जो अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत युद्ध अपराध के बराबर है. आनेवाले दिनों में यहां जो घटित होता दिखाई देगा, उसके बीज इतिहास में छिपे हैं. दशकों से, पश्चिमी मीडिया, शिक्षाविद्, सैन्य विशेषज्ञ और विश्व के नेता इजराइल-फिलिस्तीनी संघर्ष को कठिन, जटिल और भयानक गतिरोध वाला करार देते रहे हैं. दुनिया में सबसे लंबे समय से चल रहे संघर्षों में से एक फिलिस्तीनी व यहूदियों के संघर्ष को अपने पाठकों को समझाने के लिए 'शुभम संदेश' ने विशेष सामग्री तैयार की है...

बाल्फोर घोषणा

106 साल पहले, 2 नवंबर 1917 को, ब्रिटेन के तत्कालीन विदेश सचिव आर्थर बाल्फोर ने ब्रिटिश यहूदी समुदाय के प्रमुख लियोनेल वाल्टर रोथ्सचाइल्ड को संबोधित एक पत्र लिखा था. पत्र केवल 67 शब्द का था, लेकिन इसमें जो लिखा गया, उसका फिलिस्तीन पर भूकंपीय प्रभाव पड़ा, जो आज भी महसूस किया जाता है.
इसने ब्रिटिश सरकार को फिलिस्तीन में यहूदी लोगों के लिए होमलैंड की स्थापना और इस उद्देश्य की प्राप्ति को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रतिबद्ध किया. इस पत्र को बाल्फोर घोषणा के नाम से जाना जाता है.
संक्षेप में, एक यूरोपीय शक्ति ने जायोनी आंदोलन को एक ऐसा देश देने का वादा किया था जहां फिलिस्तीनी अरब मूल निवासी 90 प्रतिशत से अधिक थे. 1923 में ब्रिटिश मैंडेट बनाया गया और 1948 तक चला. उस अवधि के दौरान, अंग्रेजों ने बड़े पैमाने पर यहूदी आप्रवासन की सुविधा दी. फिलिस्तीनी अपने देश की बदलती जनसांख्यिकी और ब्रिटिश द्वारा उनकी भूमि को यहूदी बाशिंदों को सौंपे जाने से चिंतित थे.

1930 के दशक के दौरान क्या हुआ था?

- बढ़ते तनाव के कारण अंततः अरब विद्रोह हुआ, जो 1936 से 1939 तक चला.
- अप्रैल 1936 में, नवगठित अरब राष्ट्रीय समिति ने फ़िलिस्तीनियों से ब्रिटिश उपनिवेशवाद और बढ़ते यहूदी आप्रवासन के विरोध में एक आम हड़ताल शुरू करने, कर भुगतान रोकने और यहूदी उत्पादों का बहिष्कार करने का आह्वान किया.
- छह महीने की हड़ताल को अंग्रेजों ने बेरहमी से दबा दिया, जिन्होंने बड़े पैमाने पर गिरफ्तारी अभियान चलाया और दंडात्मक घरेलू विध्वंस किया, एक अभ्यास जिसे इज़राइल आज भी फ़िलिस्तीनियों के खिलाफ लागू कर रहा है.
- विद्रोह का दूसरा चरण 1937 के अंत में शुरू हुआ और इसका नेतृत्व फ़िलिस्तीनी किसान प्रतिरोध आंदोलन ने किया, जिसने ब्रिटिश सेनाओं और उपनिवेशवाद को निशाना बनाया.
- 1939 की दूसरी छमाही तक, ब्रिटेन ने फ़िलिस्तीन में 30,000 सैनिक तैनात कर लिए थे. गांवों पर हवाई बमबारी की गई, कर्फ्यू लगाया गया, घरों को ध्वस्त कर दिया गया, और प्रशासनिक हिरासत और सारांश हत्याएं व्यापक थीं.
- अज्ञानुक्रम में, अंग्रेजों ने यहूदी समुदाय के साथ सहयोग किया और सशस्त्र समूहों और ब्रिटिश नेतृत्व वाले यहूदी लड़ाकों के आतंकवाद विरोधी बल का गठन किया, जिसे स्पेशल नाइट स्क्वाड नाम दिया गया.
- वहां बसाए गए समुदाय विशुव को गुप्त रूप से हथियारों से लैस किया और हगनाह नाम से यहूदी अर्धसैनिकों का समूह बनाया गया और इस का विस्तार करने के लिए आयुध कारखानों की स्थापना की गई. यही हगनाह बाद में इजरायली सेना में बदल गया.
- विद्रोह के उन तीन वर्षों में, 5,000 फ़िलिस्तीनी मारे गए, 15,000 से 20,000 घायल हुए और 5,600 को जेल में डाल दिया गया.

संयुक्त राष्ट्र की विभाजन योजना क्या थी?

- 1947 तक, यहूदी आबादी फ़िलिस्तीन में 33 प्रतिशत हो गई थी, लेकिन उनके पास केवल 6 प्रतिशत भूमि थी.
- संयुक्त राष्ट्र ने संकल्प 181 पारित किया. इसमें फ़िलिस्तीन को अरब और यहूदी राज्यों में विभाजित करने का आह्वान किया गया.
- फ़िलिस्तीनियों ने इस योजना को अस्वीकार कर दिया क्योंकि इसमें फ़िलिस्तीन का लगभग 56 प्रतिशत हिस्सा यहूदी राज्य को आवंटित किया गया था, जिसमें अधिकांश उपजाऊ तटीय क्षेत्र भी शामिल था.
- उस समय, फ़िलिस्तीनियों के पास ऐतिहासिक फ़िलिस्तीन का 94 प्रतिशत हिस्सा था और इस हिस्से में उनकी 67 प्रतिशत आबादी रहती थी.

1948 का नकबा या फिलिस्तीन का जातीय सफाया

- 14 मई, 1948 को ब्रिटिश मैंडेट समाप्त होने से पहले ही, जायोनी (यहूदी) अर्धसैनिक बल पहले से ही पैदा होने वाले जायोनी राज्य की सीमाओं का विस्तार करने के लिए फ़िलिस्तीनी शहरों और गांवों को नष्ट करने के लिए सैन्य अभियान में लगे हुए थे.
- अप्रैल 1948 में, यरूशलेम के बाहरी इलाके में डेर यासीन गांव में 100 से अधिक फ़िलिस्तीनी पुरुषों, महिलाओं और बच्चों की हत्या कर दी गई.
- इसने बाकी ऑपरेशन के लिए माहौल तैयार कर दिया और 1947 से 1949 तक 500 से अधिक फ़िलिस्तीनी गांवों, कस्बों और शहरों को नष्ट कर दिया गया, जिसे फ़िलिस्तीनी नकबा कहते हैं. अरबी भाषा के इस शब्द का अर्थ है तबाही.
- नकबा में दर्जनों नरसंहारों को अंजाम दिया गया और लगभग 15,000 फ़िलिस्तीनी मारे गए.
- जायोनी आंदोलन ने ऐतिहासिक फ़िलिस्तीन के 78 प्रतिशत हिस्से पर कब्जा कर लिया. शेष 22 प्रतिशत को वेस्ट बैंक और गाजा पट्टी में विभाजित किया गया.
- एक अनुमान के मुताबिक, 750,000 फ़िलिस्तीनियों को उनके घरों से बाहर निकाल दिया गया.
- आज उनके वंशज पूरे फ़िलिस्तीन और पड़ोसी देशों लेबनान, सीरिया, जॉर्डन और मिस्र में 58 अवैध शिविरों में शरणार्थियों के रूप में रहते हैं. इनकी संख्या 50 से 60 लाख के बीच बतायी जाती है.
- 15 मई 1948 को इजराइल ने अपनी स्थापना की घोषणा की.
- अगले दिन, पहला अरब-इजराइल युद्ध शुरू हुआ और जनवरी 1949 में इज़राइल और मिस्र, लेबनान, जॉर्डन और सीरिया के बीच युद्धविराम के बाद लड़ाई समाप्त हो गई.
- दिसंबर 1948 में, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने प्रस्ताव 194 पारित किया, जो फ़िलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए वापसी के अधिकार की मांग करता है.

1948 का नकबा या फिलिस्तीन का जातीय सफाया

- 14 मई, 1948 को ब्रिटिश मैंडेट समाप्त होने से पहले ही, जायोनी (यहूदी) अर्धसैनिक बल पहले से ही पैदा होने वाले जायोनी राज्य की सीमाओं का विस्तार करने के लिए फ़िलिस्तीनी शहरों और गांवों को नष्ट करने के लिए सैन्य अभियान में लगे हुए थे.
- अप्रैल 1948 में, यरूशलेम के बाहरी इलाके में डेर यासीन गांव में 100 से अधिक फ़िलिस्तीनी पुरुषों, महिलाओं और बच्चों की हत्या कर दी गई.
- इसने बाकी ऑपरेशन के लिए माहौल तैयार कर दिया और 1947 से 1949 तक 500 से अधिक फ़िलिस्तीनी गांवों, कस्बों और शहरों को नष्ट कर दिया गया, जिसे फ़िलिस्तीनी नकबा कहते हैं. अरबी भाषा के इस शब्द का अर्थ है तबाही.
- नकबा में दर्जनों नरसंहारों को अंजाम दिया गया और लगभग 15,000 फ़िलिस्तीनी मारे गए.
- जायोनी आंदोलन ने ऐतिहासिक फ़िलिस्तीन के 78 प्रतिशत हिस्से पर कब्जा कर लिया. शेष 22 प्रतिशत को वेस्ट बैंक और गाजा पट्टी में विभाजित किया गया.
- एक अनुमान के मुताबिक, 750,000 फ़िलिस्तीनियों को उनके घरों से बाहर निकाल दिया गया.
- आज उनके वंशज पूरे फ़िलिस्तीन और पड़ोसी देशों लेबनान, सीरिया, जॉर्डन और मिस्र में 58 अवैध शिविरों में शरणार्थियों के रूप में रहते हैं. इनकी संख्या 50 से 60 लाख के बीच बतायी जाती है.
- 15 मई 1948 को इजराइल ने अपनी स्थापना की घोषणा की.
- अगले दिन, पहला अरब-इजराइल युद्ध शुरू हुआ और जनवरी 1949 में इज़राइल और मिस्र, लेबनान, जॉर्डन और सीरिया के बीच युद्धविराम के बाद लड़ाई समाप्त हो गई.
- दिसंबर 1948 में, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने प्रस्ताव 194 पारित किया, जो फ़िलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए वापसी के अधिकार की मांग करता है.

नक्सा या छह दिवसीय युद्ध

- 5 जून, 1967 को, अरब सेनाओं के गठबंधन के खिलाफ छह दिवसीय युद्ध के दौरान इजराइल ने गाजा पट्टी, वेस्ट बैंक, पूर्वी यरुशलम, सीरियाई गोलान पहाड़ियों और मिस्र के सिनाई प्रायद्वीप सहित ऐतिहासिक फ़िलिस्तीन के बाकी हिस्सों पर कब्जा कर लिया.
- कुछ फ़िलिस्तीनियों के लिए, यह दूसरी बार जबरन विस्थापन और नक्सा का कारण बना. नक्सा अरबी भाषा का शब्द है और इसका अर्थ है झटका.
- दिसंबर 1967 में, फ़िलिस्तीन की मुक्ति के लिए मार्क्सवादी-लेनिनवादी पॉपुलर फ्रंट का गठन किया गया था. अगले दशक में, वामपंथी समूहों द्वारा हमलों और विमान अपहरणों की एक श्रृंखला ने फ़िलिस्तीनियों की दुर्दशा की ओर दुनिया का ध्यान आकर्षित किया.
- अकुपाइड वेस्ट बैंक और गाजा पट्टी में बस्तियों के निर्माण का काम शुरू हुआ. एक द्विस्तरीय प्रणाली बनाई गई जिसमें यहूदी निवासियों को इजरायली नागरिक होने के सभी अधिकार और विशेषाधिकार दिए गए जबकि फ़िलिस्तीनियों को सैन्य कब्जे के तहत रहना था जो उनके खिलाफ भेदभाव करता था और किसी भी प्रकार की राजनीतिक या नागरिक अभिव्यक्ति पर रोक लगाता था.

नकबा के बाद के वर्ष

- कम से कम 150,000 फ़िलिस्तीनी नव निर्मित इज़राइल देश में बने रहे. लेकिन 20 साल तक उनको कड़े इजराइली सैन्य नियंत्रण में रहना पड़ा और फिर अंततः उन्हें इजराइली नागरिकता प्रदान की गई.
- मिस्र ने गाजा पट्टी पर कब्जा कर लिया और 1950 में जॉर्डन ने वेस्ट बैंक पर अपना प्रशासनिक शासन शुरू किया.
- 1964 में, फ़िलिस्तीनी मुक्ति संगठन (पीएलओ) का गठन हुआ और इसके एक साल बाद फतह नाम से एक राजनीतिक दल की स्थापना की गई थी.

ओस्लो समझौता

- इंतिफ़ादा 1993 में ओस्लो समझौते पर हस्ताक्षर करने और फ़िलिस्तीनी प्राधिकरण (पीए) के गठन के साथ समाप्त हुआ. पीए यानी एक अंतरिम सरकार जिसे अकुपाइड वेस्ट बैंक और गाजा पट्टी में सीमित स्वशासन प्रदान किया गया था.
- पीएलओ ने द्विराष्ट्र समाधान के आधार पर इज़राइल को मान्यता दी और प्रभावी ढंग से हस्ताक्षरित समझौतों पर इज़राइल को वेस्ट बैंक के 60 प्रतिशत और क्षेत्र के अधिकांश भूमि और जल संसाधनों पर नियंत्रण दिया.
- पीए को पूर्वी येरुशलम में अपनी राजधानी के साथ वेस्ट बैंक और गाजा पट्टी में एक स्वतंत्र राज्य चलाने वाली पहली निर्वाचित फ़िलिस्तीनी सरकार के लिए रास्ता बनाना था, लेकिन ऐसा कभी नहीं हुआ.
- पीए के आलोचक इसे इजरायली कब्जे के एक भ्रष्ट उपठेकेदार के रूप में देखते हैं जो इजरायल के खिलाफ असहमति और राजनीतिक सक्रियता पर रोक लगाने में इजरायली सेना के साथ मिलकर सहयोग करता है.
- 1995 में, इजराइल ने गाजा पट्टी के चारों ओर एक इलेक्ट्रॉनिक बाड़ और कंक्रीट की दीवार बनाई, जिससे विभाजित फ़िलिस्तीनी क्षेत्रों के बीच बातचीत बाधित हो गई.

दूसरा इंतिफादा

- दूसरा इंतिफादा 28 सितंबर, 2000 को शुरू हुआ, जब इजराइल के विपक्षी नेता एरियल शेरोन ने यरुशलेम के पुराने शहर और उसके आसपास हजारों सुरक्षा बलों को तैनात करते हुए अल-अक्सा मस्जिद परिसर का दौरा किया.
- फ़िलिस्तीनी प्रदर्शनकारियों और इजराइली बलों के बीच दो दिनों में हुई झड़पों में पाँच फ़िलिस्तीनी मारे गए और 200 घायल हो गए.
- इस घटना ने व्यापक सशस्त्र विद्रोह को जन्म दिया. इंतिफादा के दौरान इज़राइल ने फ़िलिस्तीनी अर्थव्यवस्था और बुनियादी ढांचे को अभूतपूर्व नुकसान पहुंचाया.
- इज़राइल ने फ़िलिस्तीनी प्राधिकरण द्वारा शासित क्षेत्रों पर फिर से कब्जा कर लिया और पृथक्करण दीवार का निर्माण शुरू कर दिया, जिसने बड़े पैमाने पर बस्तियों के निर्माण का काम किया और साथ-साथ फ़िलिस्तीनियों की आजीविका के साधनों नष्ट कर दिया.
- अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत बस्तियाँ अवैध हैं, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में, हजारों यहूदी फ़िलिस्तीनी भूमि पर बनी इन कॉलोनियों में बसाए गए हैं. फ़िलिस्तीनियों के लिए जगह कम हो रही है.
- जिस समय ओस्लो समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे, उस समय पूर्वी येरुशलम सहित वेस्ट बैंक में 110,000 से अधिक यहूदी निवासी रहते थे. आज, फ़िलिस्तीनियों से छीनी गई 100,000 हेक्टेयर (390 वर्ग मील) से अधिक भूमि पर रहने वाले लोगों की संख्या 700,000 से अधिक है.

पहला इंतिफ़ादा (1987-1993)

- दिसंबर 1987 में गाजा पट्टी में पहला फ़िलिस्तीनी इंतिफ़ादा (विद्रोह) भड़क उठा जब एक इज़राइली ट्रक और फ़िलिस्तीनी श्रमिकों को ले जा रही दो वैनों की टक्कर में चार फ़िलिस्तीनी मारे गए.
- युवा फ़िलिस्तीनियों द्वारा इजरायली सेना के टैंकों और सैनिकों पर पथराव के साथ विरोध प्रदर्शन तेजी से वेस्ट बैंक में फैल गया.
- इससे हमास आंदोलन की स्थापना भी हुई, जो मुस्लिम ब्रदरहुड की एक शाखा थी, जो इजरायली कब्जे के खिलाफ सशस्त्र प्रतिरोध में लगी हुई थी.
- इजरायली सेना की कठोर प्रतिक्रिया हुई. इज़राइल के तत्कालीन रक्षा मंत्री यित्ज़ाक राबिन ने हड्डी तोड़ो नीति अपनाई. इसमें हत्याएं, विश्वविद्यालयों को बंद करना, कार्यकर्ताओं का निर्वासन और उनके घरों का विध्वंस शामिल था.
- इंतिफादा यूनिफाइड नेशनल लीडरशिप (यूएनएल) के नेतृत्व में मुख्य रूप से फ़िलिस्तीनी युवाओं का आंदोलन था. यूएनएल फ़िलिस्तीनी राजनीतिक गुटों का एक गठबंधन था जो इजरायल के कब्जे को समाप्त कर स्वतंत्र फ़िलिस्तीन की स्थापना के लिए प्रतिबद्ध था.
- 1988 में, अरब लीग ने पीएलओ को फ़िलिस्तीनी लोगों के एकमात्र प्रतिनिधि के रूप में मान्यता दी.
- इंतिफादा एक तरह से फ़िलिस्तीन में गांधीवादी आंदोलन था जिसमें लोकप्रिय लामबंदी, बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन, सविनय अवज्ञा, सुसंगठित हड़तालें और सामुदायिक सहकारी समितियाँ शामिल थीं.
- इज़राइली मानवाधिकार संगठन बी'त्सेलम के अनुसार, इंतिफ़ादा के दौरान इज़राइली सेना द्वारा 1,070 फ़िलिस्तीनी मारे गए, जिनमें 237 बच्चे भी शामिल थे. 175,000 से अधिक फ़िलिस्तीनियों को गिरफ्तार किया गया.
- इंतिफादा ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय पर इस संघर्ष का समाधान खोजने के लिए दबाव डालने का काम किया.

फिलिस्तीनी विभाजन और गाजा नाकेबंदी

- पीएलओ नेता यासिर अराफात की 2004 में मृत्यु हो गई, और एक साल बाद, दूसरा इंतिफादा समाप्त हो गया, गाजा पट्टी में इजरायली बस्तियों को नष्ट कर दिया गया, और इजरायली सैनिकों और 9,000 निवासियों ने एन्क्लेव छोड़ दिया.
- एक साल बाद, फ़िलिस्तीनियों ने पहली बार आम चुनाव में मतदान किया.
- हमास ने बहुमत हासिल किया. हालांकि, फतह-हमास गृह युद्ध छिड़ गया, जो महीनों तक चला, जिसके परिणामस्वरूप सैकड़ों फ़िलिस्तीनियों की मौत हो गई.
- हमास ने फतह को गाजा पट्टी से निष्कासित कर दिया और (फतह - फ़िलिस्तीनी प्राधिकरण की मुख्य पार्टी) ने वेस्ट बैंक के कुछ हिस्सों पर नियंत्रण कर लिया.
- जून 2007 में, इजराइल ने हमास पर आतंकवाद का आरोप लगाते हुए गाजा पट्टी पर भूमि, वायु और नौसैनिक नाकाबंदी लगा दी.

गाजा पट्टी पर युद्ध

- इज़राइल ने गाजा पर चार लंबे सैन्य हमले किए हैं: 2008, 2012, 2014 और 2021 में. इनमें कई बच्चों सहित हजारों फ़िलिस्तीनी मारे गए हैं और हजारों घर, स्कूल और कार्यालय भवन नष्ट हो गए हैं.
- पुनर्निर्माण लगभग असंभव हो गया क्योंकि घेराबंदी स्टील और सीमेंट जैसी निर्माण सामग्री को गाजा तक पहुंचने से रोकती है.
- 2008 के हमले में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिबंधित फॉस्फोरस गैस जैसे का उपयोग किया गया.
- 2014 के 50 दिनों के हमले में, इज़राइल ने 2,100 से अधिक फ़िलिस्तीनियों को मार डाला, जिनमें 1,462 नागरिक और करीब 500 बच्चे शामिल थे. हमले के दौरान, जिसे इजरायलियों ने ऑपरेशन प्रोटेक्टिव एज कहा था, लगभग 11,000 फ़िलिस्तीनी घायल हो गए, 20,000 घर नष्ट हो गए और पांच लाख लोग विस्थापित हो गए.
- 2021 में मुसलिमों के तीसरे सबसे पवित्र स्थल अल अक्सा मस्जिद इजराइली पुलिस ने शुक्रवार की नमाज अदा कर रहे मुस्लिमों पर हमला किया. इसमें 65 बच्चों और 39 महिलाओं सहित कुल 232 फ़िलिस्तीनी मारे गए.

शनिवार से अब तक की कहानी

बड़े मानवीय संकट की ओर बढ़ रहा है संघर्ष

- संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, इजराइल की सेना ने उत्तरी गाजा के 11 लाख निवासियों को 24 घंटों के भीतर दक्षिण की ओर स्थानांतरित होने के लिए कहा है. संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि विनाशकारी मानवीय परिणामों के बिना इस तरह का भूमभेट अरंभभ है. संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन डुजारिक ने बताया है कि संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों से वाडी गाजा के उत्तर में मौजूद पूरी आबादी को अगले 24 घंटों के भीतर दक्षिणी गाजा में स्थानांतरित कर देने को कहा है.
- संयुक्त राष्ट्र में इजराइल के राजदूत गिलाद एर्दान ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र की प्रतिक्रिया शर्मनाक है. उसे हमास की निंदा करने और इजराइल के आत्मरक्षा के अधिकार का समर्थन करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए.
- इजराइल की सेना, आईडीएफ ने गाजा शहर के सभी नागरिकों से अपने घरों को खाली कर दक्षिण की ओर चले जाने को कहा है क्योंकि आने वाले दिनों में गाजा शहर में बड़ी कार्रवाई की जाएगी. निवासी केवल तभी गाजा सिटी लौट सकेंगे जब इसकी अनुमति की घोषणा की जाएगी.

- इजराइल ने हमास द्वारा सप्ताहांत के हमलों के पीड़ितों को दफनाने का काम शुरू कर दिया है. इजराइल में हमास हमले में मरने वालों की संख्या 1,300 है. इजराइल के सैन्य प्रवक्ता ने कहा कि सरकार हमास के हमले के दौरान गाजा में बंधक बनाए गए 97 लोगों की पहचान की पुष्टि करने में सक्षम है. माना जाता है कि 100 से अधिक को ले जाया गया है. अधिकांश मृतक एक ही दिन में मारे गए, जब हमास के लड़ाकों ने सीमा पार कर इज़रायली नागरिकों पर हमला किया. सेना ने कहा कि शनिवार को हमले शुरू होने के बाद से मारे गए लोगों में से 222 सैनिक हैं.
- गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि शनिवार से इजरायली हमलों में 1,500 से अधिक फ़िलिस्तीनी मारे गए हैं. इनमें 500 बच्चे भी शामिल हैं. फ़िलिस्तीनी क्षेत्र पर इजरायली हवाई हमलों में 6,612 लोग घायल हो गए.
- ह्यूमन राइट्स वॉच ने कहा कि इज़राइल ने इस सप्ताह गाजा सिटी बंदरगाह और इजराइल-लेबनान सीमा पर दो ग्रामीण स्थानों पर सैन्य अभियानों में सफ़ेद फास्फोरस का इस्तेमाल किया.
- रिपोर्ट्स विदाउट बॉर्डर्स के अनुसार, इज़रायली हमलों में अब तक तीन पत्रकार मारे गए हैं, और दो अन्य की मौत बंदूक की गोली के कारण हुई है. संगठन ने कहा है कि गाजा पट्टी पर इजरायली हवाई हमलों में संयुक्त राष्ट्र फ़िलिस्तीनी शरणार्थी एजेंसी के लगभग 12 कार्यकर्ता मारे गए हैं.
- इज़राइल की सार्वजनिक मामलों की मंत्री गैलिट डिस्टेल एटबैरियन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया.
- विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा कि उसने पिछले शनिवार से गाजा में स्वास्थ्य सुविधाओं पर 34 हमलों का दस्तावेजीकरण किया है, जिसके परिणामस्वरूप 11 स्वास्थ्य कर्मियों की मौत हुई, 16 घायल हो गए और 19 स्वास्थ्य सुविधाओं व 20 एम्बुलेंस क्षतिग्रस्त हो गईं. गुरुवार को बयान जारी कर डब्ल्यूएचओ ने चेतावनी दी कि गाजा पट्टी में स्वास्थ्य प्रणाली खाने की कमार पर है, और मानवीय आपदा को रोक पाने के लिए समय खत्म हो चुका है.
- संयुक्त राष्ट्र के विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) ने कहा कि गाजा पट्टी में स्थिति गंभीर और विनाशकारी है. इज़राइल द्वारा क्षेत्र पर पूर्ण नाकाबंदी के बाद जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति खतरनाक रूप से कम हो गई है. इज़राइल के ऊर्जा मंत्री, इज़राइल काट्ज़ ने कहा, जब तक इज़राइली बंधकों की घर वापसी नहीं हो जाती, तब तक गाजा में बिजली, पानी या ईंधन की अनुमति नहीं दी जाएगी.
- आईडीएफ के प्रवक्ता जोनाथन कॉनरिकस ने गुरुवार सुबह एक आपडेट में कहा, तैयारी पूरी करके उपयुक्त समय पर गाजा पर जमीनी हमला शुरू किया जाएगा.
- फ़िलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने गुरुवार को जॉर्डन के राजा अब्दुल्ला द्वितीय से बात की. अब्बास ने दोनों पक्षों द्वारा नागरिकों को मारने या उनके साथ दुर्व्यवहार को अस्वीकार करने और नागरिकों व कैदियों की रिहाई का आह्वान किया.
- इज़रायली पुलिस ने कहा कि यरूशलेम के पुराने शहर के हेरोदेस गेट प्रवेश द्वार के पास गोलीबारी के हमले के बाद दो पुलिस अधिकारी घायल हो गए. पुलिस के अनुसार, बंदूकधारी ने हमले में एक अस्थायी सबमशीन बंदूक का इस्तेमाल किया. पुलिस ने कहा, अधिकारियों ने जवाबी कार्रवाई की और उसे 'निष्प्रभावी' कर दिया.
- अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि हमास के हमलों में नाजी नरसंहारों की कष्टप्रद गूँज है. अमेरिका हमेशा इज़राइल के साथ खड़ा रहेगा. उन्होंने कहा कि वह हिज़बुल्लाह से आग्रह करेंगे कि वे संघर्ष को न बढ़ाएं या दूसरा मोर्चा न खोलें. व्हाइट हाउस ने कहा है कि इज़राइल में अमेरिकी नागरिकों की मौत की संख्या अब 27 हो गई है. लापता अमेरिकियों की संख्या 14 है.
- सीरिया ने कहा कि इज़रायली बलों ने गुरुवार को उसकी राजधानी दमिश्क और उत्तरी शहर अलेप्पो के हवाई अड्डों पर एक साथ मिसाइल हमले किए.

क्या अब भारत का रुख बदल गया है?

हमास ने जब इजराइल पर हमला किया तो पहली प्रतिक्रिया में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि वह "इजराइल में आतंकवादी हमलों की खबर से सदमें' में हैं और भारत इस कठिन समय में इजराइल के साथ एकजुटता के साथ खड़ा है. उनके इस बयान से एक बड़ा संदेश गया और सवाल उठा कि क्या फ़िलिस्तीन पर भारत का रुख बदल गया है. लगातार यह सवाल पूछा जाता रहा, लेकिन विदेश मंत्रालय की ओर से साफ़ तौर पर कुछ भी नहीं कहा गया था. अब विदेश मंत्रालय ने इस पर आधिकारिक बयान जारी किया है.

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा है, "इस संबंध में हमारी नीति लंबे समय से और लगातार वही रही है. भारत ने हमेशा सुरक्षित और मान्यता प्राप्त सीमाओं के भीतर रहने वाले एक संप्रभु, स्वतंत्र और व्यवहार्य फ़िलिस्तीन राज्य की स्थापना और इज़राइल के साथ शांति से रहने के लिए सीधी बातचीत बहाल करने की वकालत की है.
विदेश मंत्रालय का यह बयान गुरुवार को तब आया जब इसने साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में मीडिया को संबोधित किया. इसमें सवालों के जवाब में उन्होंने फिलीस्तीन पर भारत की नीति को स्पष्ट किया और इस पर जोर दिया कि इसकी लंबे समय से जो नीति रही है, उसमें कोई बदलाव नहीं आया है. हालांकि, उन्होंने आतंकवादी कृत्य की आलोचना की. वता दें कि 7 अक्टूबर को इजराइल पर हमास के अभूतपूर्व हमले के कुछ घंटों बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवादी हमलों पर गहरा क्षोभ व्यक्त करते हुए एक्स पर एक बयान पोस्ट किया था और कहा था कि 'हम इस कठिन समय में इजराइल के साथ एकजुटता से खड़े हैं.
भारत की ओर से इजराइल का समर्थन देना काफ़ी अहम है, क्योंकि इसने शुरुआत से ही फ़िलिस्तीन के मुद्दे का समर्थन किया है. 1947 में भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में फ़िलिस्तीन के विभाजन के खिलाफ मतदान किया था. फ़िलिस्तीन के नेता यासर अराफात कई बार भारत आए. उनके इंदिरा गांधी से लेकर अटल बिहारी वाजपेयी तक के नेताओं से अच्छे संबंध रहे. 1999 में तो फ़िलिस्तीनी नेता यासर अराफात तत्कालीन पीएम वाजपेयी के घर पर उनसे मिले थे.
2015 में भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी, 2012 में तत्कालीन विदेश मंत्री एस एम कृष्णा, 2000 में तत्कालीन गृहमंत्री एल के आडवाणी और तत्कालीन विदेश मंत्री जसवंत सिंह ने फ़िलिस्तीन का दौरा किया था. खुद प्रधानमंत्री मोदी ने 2018 में पहली बार फ़िलिस्तीन की ऐतिहासिक यात्रा की थी. उनसे पहले 2016 में तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज और तत्कालीन विदेश राज्यमंत्री एमजे अकबर भी फ़िलिस्तीन गए थे.
बाद में प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार को भी कहा, 'नेतन्याहू से फोन पर बात हुई. उन्होंने मौजूदा स्थिति पर अपडेट जानकारी दी. भारत के लोग इस कठिन समय में इजराइल के साथ मजबूती से खड़े हैं. भारत आतंकवाद के सभी रूपों और उसकी गतिविधियों की मज़बूती से और साफ़ तौर पर निंदा करता है. इसके बाद से लगातार सरकार से सवाल किए जाते रहे.
पाँच दिन बाद इजराइल-हमास युद्ध पर अपने पहले आधिकारिक बयान में भारत ने इसको साफ़ किया है. विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता अरिंदम बागची ने साप्ताहिक ब्रीफिंग में सवालों के जवाब में कहा कि 'अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का पालन करना एक सार्वभौमिक दायित्व है' और सभी तरह के आतंकवाद के ख़तरे से लड़ना भी एक वैश्विक जिम्मेदारी है. इस बयान में इजराइल और हमास दोनों को संदेश देने की कोशिश की गई.

घातक है अति सैन्य आत्मविश्वास!

राजीव कुमार श्रीवास्तव

लगभग 2,500 साल पहले एथेंस, यूनान का इतिहासकार, राजनीतिक दार्शनिक और सेनानायक रहे थ्यूसीडाइड्स ने चेतावनी दी थी, ह्यह सोचना आपके लिए एक ग़लती होगी कि आपके शहर की वर्तमान सैन्य शक्ति के कारण, या आपके द्वारा अर्जित किए गए सैन्य लाभ के कारण, भाग्य हमेशा आपका साथ देगा. विवेक वाले इंसान भविष्य की अनिश्चितता को ध्यान में रखते हुए अपने सैन्य लाभ को सुरक्षित रख कर ही आने वाले आपदा को समझदारी से निपटने में सक्षम रहते हैं. हम आपदा नहीं चाहते; हम युद्ध को रोकना चाहते हैं, लेकिन अगर ऐसा होता है, तो सैन्य बल को मजबूत कर लड़ाई जीतने के लिए तैयार रहना चाहिए.ह इजराइल शुरू से ही लगातार ख़तरे में रहा है. जब इजराइल की 1948 में स्थापना हुई, तो उसके पास कोई संसाधन नहीं थे - न तेल, न गैस, कुछ भी नहीं. उसके पास एकमात्र संसाधन यहूदी जान का भंडार था. इसलिए हजारों वर्षों की यहूदी विद्वता और सीखने की परंपरा का लाभ उठाते हुए, इजराइलियों ने अपने सामने आने वाली समस्याओं का समाधान खोजने के लिए अपने ज्ञान का इस्तेमाल किया. उनकी सेना में विचारों के मुक्त प्रवाह और सूचनाओं के आदान-प्रदान को प्रोत्साहन दिया जाता है- जहां उच्च सैन्य अधिकारियों से सवाल पूछने की न केवल बर्दाश्त किया जाता है, बल्कि प्रोत्साहित भी किया जाता है, ताकि लोग एक-दूसरे के साथ खुलकर बात कर सकें. यह खुली बातचीत उनके सैन्य आविष्कार में सहयोग करते हैं. और दूसरी बात यह है कि इस देश में हर कोई सेना में काम करता है. सैन्य उद्योग में काम करने के लिए अलग कोई डिग्री नहीं है. एक नौसेना या मिसाइल या राडार कंपनी के इंजीनियर जानते हैं कि युद्ध में हिट्स कैसी होती है और वे उन अनुभवों से लाभ उठा सकते हैं. वे सोच सकते हैं, ह्जब मैं दक्षिणी लेबनान पर आक्रमण कर रहा था तो एक सैनिक के रूप में मुझे क्या मदद मिली थी या चाहिए?ह यह अन्य देशों में नहीं के बराबर है. इजराइली इंजीनियर सैनिक भी हैं, और सैनिक इंजीनियर भी हैं. इज

हजारीबाग जिला बार एसोसिएशन चुनाव की सरगर्मी तेज

संवाददाता। हजारीबाग

हजारीबाग जिला बार एसोसिएशन चुनाव को लेकर सरगर्मी तेज हो गई है. जैसे-जैसे चुनाव की तारीख नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे अधिवक्ता अपने-अपने पक्ष में मतदान करने के लिए वकीलों को गोलबंद करना शुरू कर दिए हैं. शुक्रवार को नामांकन का अंतिम दिन था और अबतक बार चुनाव में विभिन्न 17 पदों के चुनाव के लिए 71 लोगों ने नामांकन कराया है. शनिवार को नाम वापसी की अंतिम तिथि है और स्क्रूटनी होगी. वहीं 15 अक्तूबर को सिंबल और सीरियल नंबर का

वितरण किया जाएगा. 20 अक्तूबर को मतदान होगा और उसी दिन मतगणना होगी. 26 अक्तूबर को प्रमाण पत्रों का वितरण होगा.

अंतिम दिन 3 सदस्यों ने किया नामांकन : नामांकन के अंतिम दिन तीन सदस्यों ने नामांकन किया. गुरुवार को सबसे अधिक 62 लोगों ने नामांकन दाखिल किया था. अध्यक्ष पद के लिए सबसे कम तीन प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किया है. इनमें दो पुराने चेहरे हैं और एक नए उम्मीदवार भैया संजय हैं. इसी तरह कार्यकारिणी के नौ पदों के लिए 25 प्रत्याशियों ने

खास बातें

- 20 अक्तूबर को होगा मतदान और मतगणना
- आज स्क्रूटनी और नाम वापसी की तिथि

नामांकन किया है. यह जानकारी मुख्य चुनाव पदाधिकारी कृष्णदेव शर्मा, सहायक चुनाव पदाधिकारी डॉ संतोष पांडेय और मनीष चंद्रा ने दी. उनके ही समक्ष उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया.

अध्यक्ष पद के उम्मीदवार : राजकुमार, जवाहर प्रसाद और भैया संजय ने पर्चा दाखिल किया.

उपाध्यक्ष पद के उम्मीदवार : विजय कुमार सिंह, अजय कुमार, रंजन प्रसाद, अशोक कुमार सिन्हा, ममता कुमारी, शैलेन्द्र कुमार सिन्हा, शंभू कुमार, गोवर्धन साव और अभय कुमार सिंह.

महासचिव पद के उम्मीदवार : सुमन कुमार सिंह, महावीर प्रसाद, दुर्गा प्रसाद जायसवाल, राज प्रकाश, हीरालाल और रंजीत कुमार राणा.

कोषाध्यक्ष पद के उम्मीदवार : कौलेश्वर प्रसाद कुशवाहा, दिलीप कुमार सिन्हा, संतोष कुमार ठाकुर, मनोज कुमार यादव, भरत कुमार और आशीष कुंदन.

सहायक कोषाध्यक्ष पद के लिए : प्रदीप साव, प्रवीण कुमार सिंह, कुमार ज्योति भूषण, विष्णु दयाल कुशवाहा, मोहम्मद इम्तियाज, सुरेश कुमार वर्मा, सचिव लाइब्रेरी के लिए राजेश कुमार सिन्हा, स्वप्न कुमार, विनोद कुमार सिन्हा, योगेंद्र राणा, विकास कुमार, कुणाल कुमार, संत कुमार दीक्षित, कमाल अवरोही और राजेश कुमार शर्मा.

संयुक्त सचिव प्रशासनिक के लिए : रंजीत कुमार सिन्हा, प्रमोद कुमार सिंह, अनुज कुमार राय, दीपक कुमार, और निवेदिता श्री ने नामांकन पर्चा भरा है.

आओ जानें
सामान्य ज्ञान

झारखंड में भदुलिमाता का मंदिर किस जिले में है – चतरा
भारत की आजादी के बाद पेप्सू क्या बना – पार्ट बी राज्य
ओडिशा के किस प्रसिद्ध मिठाई को जीआई टैग मिला – रसबली
पर्शिया नामक पुस्तक किस वाइसराय ने लिखी – लार्ड कर्ज़न
झारखंड में शंख नदी का उद्गम किस जिले में है – गुमला
मत्तूर गांव में संस्कृत बोला जाता है, यह किस प्रदेश में है – आंध्र प्रदेश
संविधान सभा का पहला अध्यक्ष कौन था – सचिदानंद सिन्हा
उतर प्रदेश किसे राज्य का राजकीय जलीय पशु घोषित किया – गांगेटिक डॉल्फिन
करगम किस प्रदेश का लोकनृत्य है – तमिलनाडु
आईएनए ट्रायल किस स्थान पर हुआ था – लाल किला

ब्रीफ खबरें

जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने 3 लैंपसो का किया निरीक्षण

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त के निर्देशानुसार जिला आपूर्ति पदाधिकारी सुनीला खलको ने सीएमआर के तहत चावल अधिप्राप्ति को लेकर केरा व कराईकेला और जैंतगढ़ लैम्प्स का भौतिक निरीक्षण किया. इस दौरान जिला आपूर्ति पदाधिकारी के ने खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 तहत लैम्प्स में अधिप्राप्त धान का ब्योरा, भंडारण उठाव पंजी, राइस मिलों को अग्रसारित किए धान की मात्रा सहित विभिन्न बिंदुओं पर अवलोकन किया.

नेताजी सुभाष विवि के छात्रों ने ग्रामीणों को किया जागरूक

जमशेदपुर। नेताजी सुभाष विश्वविद्यालय के लॉ विभाग के विद्यार्थियों की ओर से शुक्रवार को कानूनी जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया. पोखारी के शिव मंदिर के समीप आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने ग्रामीणों को बाल मजदूरी, बाल यौन उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, नशा के दुष्परिणाम के बारे में जानकारी दी. साथ ही उनके कानूनी अधिकारों के बारे में भी बताया और जागरूक किया. कई ऐसे ग्रामीण हैं, जिन्हें अपने अधिकारों के बारे में पता ही नहीं है. ऐसे लोगों को सरल और सहज माध्यम से छात्रों ने कानूनी सहायता के बारे में बताया.

दुर्गा पूजा को लेकर पुलिस ने किया मॉक ड्रिल

लातेहार। दुर्गा पूजा व दीपावली को देखते हुए जिला पुलिस ने शहर मे मॉक ड्रिल किया. प्रभारी थाना प्रभारी दिवाकर रजक के नेतृत्व में पुलिस के जवानों ने मॉक ड्रिल किया. शहर के अंबाकोठी में मॉक ड्रिल कर लोगों को सुरक्षा का भरोसा दिलाया गया. इस दौरान किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए हवाई फायर और पानी की बौछार की बाबत जवानों को बताया गया. इसके अलावा पुलिस के जवानों ने सदर थाना से निकल कर शहर के मुख्य पथ होते हुए धर्मपुर मोड़ तक पहुंचे.

अवैध रूप से बालू उत्खनन करने पर एक ट्रैक्टर जब्त

जसीडीह। जसीडीह पुलिस ने शुक्रवार को जसीडीह थाना क्षेत्र के घोरलास गांव के समीप से अवैध रूप से बालू उत्खनन कर परिवहन कर ले जाते हुए एक ट्रैक्टर को जप्त किया है. जानकारी के अनुसार पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को छापेमारी के दौरान जसीडीह थाना क्षेत्र के जसीडीह कोयरीडीह रोड स्थित घोरलास गांव के समीप से अवैध रूप से बालू उत्खनन कर ले जा रहे एक ट्रैक्टर को जप्त किया गया है. जब चालक से बालू संबंधित कागजात की मांग की गई तो चालक कागजात दिखाने के बजाय वाहन छोड़ फरार हो गया.

मंझगांव में हर घर जल नल योजना में अनियमितता का आरोप
जब तक जांच नहीं होगी, नहीं होने देंगे काम : ग्रामीण

- ग्रामीणों ने कहा बोलने पर एजेंसी के लोग धमकी देते हैं

मो. वासी। मझगांव

मझगांव प्रखंड में प्रधानमंत्री जल नल योजना में भारी अनियमितता बरती जा रही है. सभी पंचायतों में लुट-खसोट चरम पर है. शुक्रवार को सोनापोस पंचायत के ग्राम कलकालगुटू में ग्रामीण मुंडा जयराम चातार की अध्यक्षता में सैकड़ों ग्रामीणों ने बैठक की. ग्रामीणों ने कहा कि संवेदक मनोज सिंह कंट्रक्शन एवं पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की मिलीभगत से प्रधानमंत्री जल नल योजना के कार्य में लूट मची हुई है.

पंचायत क्षेत्र के ग्राम कलकलगुटू चौक, नरहरी घर समीप, आंवला के रेडगासाई में संवेदक बिना डीप बोरिंग किए ही आनन-फानन में पुराने नलकूप में कनेक्शन कर रहा है. इतना ही नहीं संवेदक ने जहां पर पूर्व से पंचायत फंड के द्वारा 14 वित्त योजना से सोलर आधारित जलमीनार संचालित है. वहीं पर प्रधानमंत्री हर घर जल नल योजना के तहत स्ट्रक्चर खड़ा कर दिया है. ग्रामीणों ने कहा कि हम लोगों ने पिछले माह निर्माण कार्य को रोक दिया था. कहा था कि ऊपर टोली में पानी की काफी समस्या है, वहां पर नया बोरिंग कर सप्लाई दें. लेकिन कार्य एजेंसी ने दबंगई दिखाते हुए पुराने योजना के पास ही काम करा रही है.

ग्रामीणों का आरोप है कि बोलने पर एजेंसी के लोग धमकी भी देते हैं. जहां पर पुराने नलकूप में सप्लाई देने का तैयारी कर रही है, वहां पर घंटों इंतजार के बाद दो बाल्टी पानी भी नहीं निकलता है. गर्मी में तो यह पूरी तरह से सूख जाता है. संवेदक बिना डीप बोरिंग किए ही कैसे पुराने नलकूप में कनेक्शन लगाकर कार्य रही है. ग्रामीणों ने डीसी से योजना के तहत हो रहे कार्य की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है. ग्रामीणों ने कहा कि बिना जांच के कार्य अब नहीं करने दिया जाएगा. अगर संवेदक जबरन कार्य कराता है तो हम सभी ग्रामीण सामूहिक रूप से प्रखंड कार्यालय में भूख हड़ताल करेंगे.

प्रधानमंत्री जल नल योजना के कार्य में अनियमितता का विरोध करते सैकड़ों ग्रामीण.

क्या कहते हैं जनप्रतिनिधि और पदाधिकारी

- सोनापोस पंचायत की मुखिया सरिता बिरुवा ने कहा कि एजेंसी मनमानी तरीके से कार्य कर रही है. हमें कार्य से संबंधित पूर्ण जानकारी भी नहीं दिया गया है. पीएचईडी विभाग इसकी उच्च स्तरीय जांच करे.
- पूर्वी भाग-मझगांव की जिप सदस्य पूनम जेराई ने कहा कि जहां पर पूर्व से जलमीनर संचालित है, वहां पर दोबारा लगाना सरासर गलत है. यह मामला गबन की ओर इशारा कर रहा है, विभाग इसकी उच्च स्तरीय जांच करवाए.
- पीएचईडी विभाग के कनीय अभियंता अभय कुमार ने कहा कि गुणवत्ता की मॉनिटरिंग की जा रही है. नया डीप बोरिंग का प्रावधान नहीं है. सभी स्थलों को टेक्नीशियन द्वारा जांच कर काम कराया जा रहा है.
- स्थानीय ग्रामीण जयराम चातार ने कहा कि संवेदक द्वारा अत्यंत घटिया निर्माण किया गया है. निर्माण के दौरान एक भी विभाग के पदाधिकारी स्थल नहीं आते हैं. सभी जगह का उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए.
- स्थानीय वार्ड सदस्य चांदनी चातार ने कहा कि हमारे टोला में पानी नहीं है. वहां पर नहीं लगा कर जहां पर पहले से जलमीनर संचालित है, वहां पर लगाया जा रहा है. विभाग हम ग्रामीणों के साथ खिलवाड़ कर रही है.

बीसीसीएल सीवी एरिया की दहीबाड़ी परियोजना में मासस का प्रदर्शन

मैथन। बीसीसीएल सीवी एरिया के दहीबाड़ी परियोजना में मासस सह बीसीकेयू नेता गौरचंद्र धीवर के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने विस्थापितों को मुआवजा सहित अन्य मांगों का लेकर प्रदर्शन किया. प्रदर्शन के दौरान परियोजना अधिकारी सुब्रतो मंडल ने मासस नेताओं से वार्ता की और मांगों की पूर्ति के लिए सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया. साथ ही प्रतिनिधियों को वार्ता के लिए शनिवार को ऑफिस में बुलाया. इसके बाद मासस नेताओं ने आंदोलन समाप्त कर दिया. आंदोलन का नेतृत्व कर रहे बीसीकेयू दहीबाड़ी शाखा के सचिव गौरचंद्र धीवर ने कोलियरी के ओबी डम्प से जलावन के लिए कोयला चुनने वाली महिलाओं के साथ सुरक्षाकर्मियों का अत्याचार बंद करने की मांग की. उन्होंने प्रबंधन पर आरोप लगाते हुए कहा कि बार-बार रैयतों और विस्थापितों के साथ वादाखिलाफी हा रही है.

क्षेत्र का सर्वांगीण विकास ही एकमात्र लक्ष्य : सुनीता चौधरी

संवाददाता। रामगढ़

दुलमी प्रखंड स्थित कोया-होहद के बीच भैरवी नदी पर तीन करोड़ की लागत से बनने वाले उच्चस्तरीय पुल निर्माण कार्य एवं चितरपुर पूर्वी पंचायत स्थित कोची नाला में दो करोड़ 65 लाख की लागत से बनने वाले पुल निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया.

इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में रामगढ़ विधायक सुनीता चौधरी, विशिष्ट अतिथि रामगढ़ के पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष ब्रह्मदेव महतो, गोला मध्य के जिला परिषद सदस्य जलेश्वर महतो, दुलमी प्रमुख रेणु देवी ने संयुक्त रूप से विधिवत पूजा-अर्चना कर शिलान्यास किया. मौके पर सुनीता चौधरी ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र के विकास के साथ लोगों की सेवा करना ही मेरी पहली प्राथमिकता है. क्षेत्र की सभी जर्जर एवं कच्ची सड़कों का कायाकल्प किया जाएगा. क्षेत्र का सर्वांगीण विकास ही एकमात्र लक्ष्य है.

टेक्नो मैनेजमेंट फेस्ट कॉन्सेटो-23 के पहले दिन 15 इवेंट्स का हुआ आयोजन
आत्मविश्वास के साथ रखें बात : चौहान

संवाददाता। धनबाद

आईआईटी-आईएसएम में चल रहे तीन दिवसीय टेक्नो मैनेजमेंट फेस्ट कॉन्सेटो-23 के पहले दिन दोपहर तीन बजे से पांच बजे तक संस्थान के पेनमेन हॉल में काउच चर्चा का आयोजन किया गया.

चर्चा में प्रसिद्ध सिविल सेवा साक्षात्कार विशेषज्ञ (मॉक इंटरव्यूअर) सह दिल्ली विश्वविद्यालय के जाकिर हुसैन कॉलेज में हिंदी के एसोसिएट प्रो बिजेंदर सिंह चौहान ने भाग लिया. उन्होंने इस दौरान सिविल सेवा में

साक्षात्कार की तैयारी की रणनीति के संबंध में जानकारी दी. परीक्षा में सफल होने के गुर बताते हुए कहा कि विद्यार्थियों को अपने शौक, पाठयक्रम गतिविधियों और इससे संबंधित विषयों पर गहन शोध करने व उनके बीच सामंजस्य बिठाने की आवश्यकता है. साक्षात्कार के दौरान आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रखने की सलाह दी. साक्षात्कार में अपने विचारों को ठोस तरीके से तर्कों के साथ रखें.

अरका जैन यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ नर्सिंग मे मना विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस
रोल प्ले के माध्यम से दी गई जानकारी

संवाददाता। जमशेदपुर

अरका जैन यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ नर्सिंग की ओर से यूनिवर्सिटी के आर्यभट्ट ब्लॉक स्थित जेईएच ऑडिटोरियम में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का विषय था मानसिक स्वास्थ्य एक सार्वभौमिक मानव अधिकार है.

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया. बीएससी नर्सिंग के विद्यार्थी बंदना मुंडा और सामर्थ कुमार, गणमान्य व्यक्तियों, संकाय सदस्यों और सहपाथियों का स्वागत किया. साथ ही कार्यक्रम की जानकारी दी. इसके बाद पूर्व कुलपति प्रो (डॉ) सैयद सफदर रजी ने छात्रों को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के बारे में बताया. स्कूल ऑफ नर्सिंग की प्राचार्य प्रो जिनू एनी जोसेफ, प्रिंसिपल ने मानसिक स्वास्थ्य और

खास बातें

- पूर्व कुलपति ने छात्रों को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के बारे में बताया
- कार्यक्रम का विषय था मानसिक स्वास्थ्य एक सार्वभौमिक मानव अधिकार है

मानसिक बीमारी के बारे में जानकारी दी. बीएससी नर्सिंग के विद्यार्थियों ने रोल प्ले प्रस्तुत किया. इसके माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य व बीमारी के कारण, लक्षण, रोकथाम और प्रबंधन के बारे में जानकारी दी. नर्सिंग ट्यूटर रोहित पॉल लाकड़ा ने एक लघु वीडियो प्रदर्शित किया. उसके बाद नृत्य के माध्यम से बताया गया कि हम अपने आप को कैसे मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ रख सकते हैं. यह प्रस्तुति बीएससी नर्सिंग के विद्यार्थियों द्वारा की गई. कार्यक्रम के समापन पर नर्सिंग ट्यूटरवर्षा बासुरी ने धन्यवाद ज्ञापन किया. कार्यक्रम का संचालन स्कूल ऑफ नर्सिंग की प्रिंसिपल प्रोफेसर जिनू एनी जोसेफ की देखरेख में किया गया.

ग्रिजली कॉलेज में अमृत कलश यात्रा का किया गया आयोजन

कोडरमा। ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन में राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई के तत्वावधान में मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत अमृत कलश यात्रा का आयोजन किया गया. यह कार्यक्रम भारत सरकार के युवा एवं खेल मंत्रालय के मेरी माटी मेरा देश के अन्तर्गत किया गया. जिसमें महाविद्यालय के बी.एड. सत्र 2022- 24 के प्रशिक्षुओं, सभी सहायक प्राध्यापक वो महाविद्यालय के सदस्यगण ने अपने अपने घरों से मिट्टी एवं चावल लाकर कलश में एकत्रित किए. इस पावन अवसर पर महाविद्यालय की उप निदेशिका डॉ. संजीता कुमारी ने सभी प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए कहा कि मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम हमें अपने देश की संस्कृति और सभ्यता विविधता में एकता को बनाए रखने का संदेश देता है, देश की आजादी में शहीद सभी वीरों को श्रद्धांजलि देते हुए उनके पदचिन्हों पर चलने की अपील की. प्रभारी प्राचार्य डॉ मृदुला भगत ने अमृत कलश यात्रा के महत्व को बताया.

साकची में आज से शुरू होगा रामलीला का मंचन

संवाददाता। जमशेदपुर

नवरात्र के अवसर पर होने वाली रामलीला की तैयारी पूरी हो चुकी है. इस वर्ष रामलीला उत्सव शनिवार से साकची स्थित रामलीला मैदान में शुरू होगा, जिसका समापन 24 अक्टूबर को रावण वध, अयोध्या वापसी राज्याभिषेक के साथ होगा. उसी दिन रावण दहन होगा. बिल्डर विकास सिंह रावण दहन करेंगे.

यह जानकारी शुक्रवार को साकची रामलीला मैदान में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में रामलीला उत्सव समिति के अध्यक्ष रामफल मिश्रा ने दी. उन्होंने बताया कि रामलीला की शुरुआत संध्या 7.30 बजे होगी. इस वर्ष रीवा की वीर बजरंग रामलीला मंडली के कलाकार रामलीला प्रस्तुत करेंगे. इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन होगा. 24 अक्टूबर की शाम में संस्थापक स्वर्गीय रामस्नेही मिश्रा के निवास स्थान काशीडीह लाइन नंबर-10 से झांकी निकलेगी, जो बसंत सिनेमा हॉल, बड़ा गोल चक्कर, सब्जी मंडी लाइन होते हुए रामलीला मैदान में रावण दहन के साथ समाप्त होगी. उन्होंने बताया कि अलगे वर्ष अयोध्या से मंडली लाने का प्रयास रहेगा.

अस्थायी कर्मचारियों का स्थायीकरण कराना यूनियन की जिम्मेवारी

जमशेदपुर। टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन की रूटीन बैठक यूनियन आफिस में संपन्न हुई. जिसकी अध्यक्षता अध्यक्ष गुरमीत सिंह ने किया एवं यूनियन के महामंत्री आर के सिंह ने पूर्व से सूचित बैठक के एजेंडे को सभा पटल पर रखा. जिस पर सभी कमिटी मेंबरों ने अपने विचार रखे. जिसमे मुख्य रूप से कार्यस्थल के सुरक्षा उपायों पर यूनियन और प्रबंधन द्वारा किये जा रहे प्रयासों पर उपस्थित सदस्यों ने विचार रखा. निर्धारित एजेंडे के तहत रुटीन वर्क के समस्याओं पर सदस्यों द्वारा चर्चा किया गया. यूनियन के महामंत्री आर के सिंह ने अस्थायी कर्मियों के स्थायीकरण को लेकर हर स्तर पर प्रबंधन से वार्ता कर समाधान करने का आश्वासन कार्यकारिणी सदस्यों को दिया. उन्होंने हाल के दिनों में उच्च न्यायालय के आदेश के आलोक में उप श्रमायुक्त धालभूम के द्वारा पारित आदेश पर विस्तार से चर्चा की.

दुखद तिरंगे में लिपटा पहुंचा एयरफोर्स के जवान का पार्थिव शरीर, बीमारी ने ले ली जान

बरही के लाल लक्की को दी गई सलामी, नम हुईं आंखें

संवाददाता। बरही

एयरफोर्स के जवान लक्की कुमार का पार्थिव शरीर तिरंगे में लिपटा हुआ रांची से शुक्रवार को बरही के करसो स्थित उनके पैतृक आवास पर एंबुलेंस से पहुंचा. वीर सपूत का पार्थिव शरीर पहुंचते ही उनके अंतिम दर्शन के लिए करसो के लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा.

करीब दो घंटे के इंतजार के बाद एयरफोर्स के पांच सदस्यीय जवानों की टीम भी लक्की के आवास पर पहुंचे. इस दुःखद बेला में सभी की आखें नम थीं. उसके बाद एयरफोर्स के वारेंट ऑफिसर शिवलाल सिंह ने मृतक के पार्थिव शरीर को सलामी दी. एयरफोर्स के जवानों ने उनके माता-पिता को मृतक के पार्थिव शरीर के

खास बातें

- अंतिम दर्शन के लिए लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा
- बीमारी ने ले ली जान, तिरंगे को चूम फफक उठीं मां

पास बुलाया और उनके समक्ष तिरंगे से लिपटा जवान के पार्थिव शरीर से ससम्मान तिरंगे को हटाया. फिर तिरंगे को सम्मान पूर्वक उनके माता-पिता को सुपुर्द किया. मृतक जवान के माता के हाथों में तिरंगा जाते ही वह तिरंगा को चूम कर फफक पड़ीं. उसके बाद एयरफोर्स के वारंटी ऑफिसर ने लक्की के पिता के साथ विधि पूर्वक औपचारिकताओं को पूरा किया.

ज्वाइनिंग के तीन माह बाद बिगड़ने लगी तबीयत : मृतक के पार्थिव शरीर पहुंचने के पहले उनके बैच के साथी रिशु कुमार (नालंदा) भी पहुंचे हुए थे. उन्होंने बताया कि लक्की 02/21 इनटेक के सेना थे. उनकी ज्वाइनिंग फरवरी 2021 में हुई थी. ट्रेनिंग 26 मई 2022 से अप्रैल तक चला. जिसके बाद यूपी के सहारनपुर में उनकी पहली पोस्टिंग लैंडिंग एयरक्राफ्ट मैन पोस्ट पर हुआ. तीन महीने में उनकी तबीयत बिगड़ती चली गई.

रांची एम.एच. में थे भर्ती

उसके बाद उनकी तबीयत ज्यादा बिगड़ने के कारण उन्हें रांची एम.एच. में भर्ती किया गया. वहीं इलाज के दौरान उनका देहांत हो गया. लक्की कुमार का संध्या पहर अंतिम संस्कार करसो नदी घाट पर किया गया.

भामाशाह में हुई प्रारंभिक शिक्षा

ग्रामीणों ने बताया कि उनके पिता वीरेंद्र कुमार यादव बीआरसी में विजिट का कार्य करते हैं और उनकी माता चुनकी देवी करसो भाग-2 में सेविका पद पर कार्यरत हैं. मृतक के बड़े भाई सिंटू कुमार यादव और माता-पिता हैं. लक्की की पढ़ाई भामाशाह विद्यालय बरही में हुई थी.

दांतू में बाइक के धक्के में महिला की मौत

कसमार((बोकारो)। कसमार थानाक्षेत्र के एनएच किनारे दांतु में शुक्रवार देर रात सड़क दुर्घटना में एक महिला की मौत हो गई. महिला की पहचान इसी गांव के कपिलदेव सिंह की 35 वर्षीय पत्नी पिंकी देवी के रूप में हुई है. जानकारी के अनुसार दांतु एनएच में रहनेवाली पिंकी देवी देर रात को घर का बर्तन धोने सामने स्थित तालाब घाट गई थी. जब महिला बर्तन धोकर सड़क पार कर रही थी, तभी बोकारो की और से आ रही हीरो होंडा पैशन ने महिला को जोरदार धक्का मार दिया. बाईक के धक्के से महिला सड़क में ही गिर गई. जब स्थानीय ग्रामीणों को इसकी सूचना मिली तो महिला को सड़क से हटाया. लेकिन माथे में गंभीर चोट के कारण घटनास्थल पर ही महिला की मौत हो गई. महिला के चार छोटे-छोटे बच्चे हैं. घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है.

पेज 1 का शेष

भारत आतंकवाद के ..

इसके बाद मंगलवार को इजरायल के पीएम बैंजामिन नेतन्याहू ने पीएम मोदी को फोन करके भारत के समर्थन के धन्यवाद दिया और जंग के हालात की जानकारी दी. भारत के इस स्टैंड को मान्यता तब मिली, जब भारत में इज़रायली राजदूत नॉर गिलन ने कहा कि इस समर्थन के लिए इज़रायल भारत की सराहना करता है. हालांकि अब भारत ने इस मसले पर अपने स्टैंड में फ़िलिस्तीन को भी शामिल कर लिया है. इसीलिए लगता है कि भारत का यह बयान इजरायल को अच्छा नहीं लगेगा.

सीएम को हाईकोर्ट से...

ईडी अगर उन्हें फिर से समन जारी करता है, या उन्हें कोई ऐसा समन मिला है, जिसमें उन्हें हाजिर होने का निर्देश मिला है, तो वह दोबारा उस समन के खिलाफ हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटा सकते हैं. वहीं हाईकोर्ट के अधिवक्ता अभय मिश्रा के मुताबिक, सीएम को सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट से राहत नहीं मिली है. लेकिन ईडी अगर नया समन जारी कर सीएम को उपास्थित होने का निर्देश देता है, तो वे उस समन को हाईकोर्ट में चुनौती दे सकते हैं.

सीएम ने 23 सितंबर को हाईकोर्ट की ली थी शरण : बता दें कि हेमंत सोरेन ने ईडी के समन के खिलाफ 23 सितंबर को हाइकोर्ट की शरण ली थी. मुख्यमंत्री ने हाइकोर्ट में याचिका दाखिल कर ईडी की कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग करते हुए इस मामले में हस्तक्षेप का आग्रह किया थआ. साथ ही सीएम ने याचिका में ईडी की शक्तियों को भी चुनौती दी थी. इससे पहले मुख्यमंत्री ने ईडी के समन को सुप्रीम कोर्ट में भी चुनौती दी थी. जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने सीएम को हाईकोर्ट में जाने के लिए कहा था.

ब्रीफ खबरें

32 हजार पीस कफ सिरप बरामद

गया । गया में उत्पाद विभाग की टीम ने 32 हजार कफ सिरप बरामद किया है, जो नशा में उपयोग होने वाली सिरप है. मौके से 2 तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है. उत्पाद की टीम कार्रवाई में जुटी हुई है. जानकारी के अनुसार उत्पाद विभाग की टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि नशे में उपयोग होने वाला कफ सिरप बड़े पैमाने पर तस्करी किया जा रहा है. इस तरह का इनपुट मिलने के बाद उत्पाद विभाग की टीम ने डोभी थाना के कोसमा मोड़ के समीप वाहनों की चेकिंग का अभियान चलाया. इस क्रम में एक वाहन में छापेमारी की गई.

दुर्घटना में युवक की मौत, सड़क जाम

नवादा । कौआकोल थाना क्षेत्र के जोगाचक गांव निवासी भट्टू यादव की शुक्रवार को पकरीबरावां के कचना मोड़ में हुए सड़क दुर्घटना में मौत की घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने शव के साथ यादव धर्मशाला जोगाचक के पास सड़क जाम कर हंगामा किया. इस दौरान ग्रामीणों ने लगभग दो घंटे तक सड़क को जाम कर यातायात बाधित कर दी. सूचना के बाद पहुंचे कौआकोल के राजस्व अधिकारी अविनाश कुमार एवं प्रखण्ड नाजिर ने मुख्यमंत्री पारिवारिक लाभ योजना के तहत बीस हजार का चेक मृतक के स्वजन को देकर समझा बुझाकर सड़क जाम हटाया.

वैशाली लूटकांड में 2 आरोपी गिरफ्तार

वैशाली । वैशाली पुलिस ने एक बाइक लूट कांड का 24 घंटे के भीतर उद्भेदन कर दिया है. इसमें दो आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है, वहीं वाहन चेकिंग के दौरान भी तीन आरोपियों की गिरफ्तारी की गई है. आरोपियों के पास से एक पिस्तौल, दो कट्टा, दो जिंदा कारतूस, एक चाकू सहित एक लूट की बाइक बरामद की गई है. लूट कांड में जहां राजापाकर थाना क्षेत्र के रहने वाले पिंटू कुमार सहित एक अन्य की गिरफ्तारी हुई है. वहीं वाहन चेकिंग के दौरान सूरज कुमार और विक्रम कुमार के साथ एक अन्य की गिरफ्तारी हुई है. जिसमें विक्रम भगवानपुर थाना क्षेत्र का रहने वाला है.

बेगूसराय के सिमरिया में नवरात्रि को लेकर उमड़ी भीड़

बिहार से नेपाल तक के श्रद्धालु आ रहे हैं जल लेने घाट पर

संवाददाता । बेगूसराय

मिथिला और मगध के संगम पर स्थित पावन गंगा तट सिमरिया में शारदीय नवरात्र के नजदीक आते ही लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी है. 15 अक्टूबर से शुरू होने वाले नवरात्र के लिए राज्य के विभिन्न हिस्से से लोग जल लेने सिमरिया घाट पहुंचने लगे हैं. शुक्रवार की सुबह भी जयनगर से आने वाली ट्रेन के राजेन्द्र पुल स्टेशन पर रुकते ही लोगों का सैलाब उमड़ पड़ा. सिमरिया में सिर्फ बेगूसराय ही नहीं, समस्तीपुर, दरभंगा और मधुबनी से लेकर नेपाल के तराई क्षेत्र तक एवं मगध के विभिन्न हिस्से से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं. श्रद्धालु की सुविधा को लेकर घाट पर तैनात गोताखोर निरंतर मोटरबोट से गश्ती में जुटे हुए हैं. विभिन्न जिलों से आने वाले श्रद्धालु गंगा स्नान, गंगा पूजन और सिद्धाश्रम सहित अन्य मठ-मंदिरों में पूजा करने के बाद गंगाजल ही नहीं गंगाजल के साथ-साथ गंगा की मिट्टी (गंगौट) लेकर भी अपने घर को प्रस्थान कर रहे हैं. श्रद्धालुओं की भीड़ के कारण

श्रद्धा उमड़ी

- नेपाल के तराई से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं
- कार्तिक मास शुरू होने से पहले लोगों का उमड़ा रेला

एशिया प्रसिद्ध इस कार्तिक कल्पवास स्थल पर कार्तिक मास शुरू होने से पहले ही लोगों का रेला लगातार उमड़ रहा है. उल्लेखनीय है कि इस वर्ष 15 अक्टूबर से शारदीय नवरात्रि की शुरुआत हो रही है. देवी भगवती का गज (हाथी) पर आगमन सुख और समृद्धि में वृद्धि करने वाला होगा.

आओ जानें

जानें बिहार के बारे में

- राज्य का नाम -बिहार, ऐसा माना जा ता है कि इस क्षेत्र में बौद्ध मठों (विहारों) रों की अधिकता के कारण, इस क्षेत्र का नाम बिहार पड़ा. उल्लेखनीय है कि यह क्षेत्र प्राचीन समय में बौद्ध धर्म का प्रमुख केंद्र रहा है.
- राज्य की स्थापना (बिहार दिवस) -22 मार्च, 1912
- राज्य की राजधानी -पटना (प्राचीन समय में पाटलिपुत्र, पुष्पपुर, कुसुमपुर तथा अजीमाबाद इसके अन्य नाम रहे हैं.
- राज्य की भौगोलिक स्थिति -2420'10 से 2731'15 उत्तरी अंक्षाश तथा 8319'50₹ से 8817'40₹ पूर्वी देशांतर के मध्य.
- राज्य का क्षेत्रफल -94,163 वर्ग किमी. (देश का 13वां बड़ा राज्य)
- उत्तर से दक्षिण की लंबाई -345 किमी.
- पूर्व से पश्चिम की लंबाई -483 किमी.
- राज्य की सीमा से लगे राज्य -3 (पश्चिम बंगाल (पूर्व), उत्तर प्रदेश (पश्चिम) तथा झारखंड (दक्षिण) .

बुधवार से लापता था छात्र, 20 लाख रुपये मांगी थी फिरौती

स्वर्ण व्यवसायी के अगवा बेटे की हत्या, तालाब में मिला शव

संवाददाता । बेतिया

बेतिया के कुमारबाग स्टील प्लांट के पीछे पोखर से लापता छात्र आशीष कुमार का शव मिला है. वो कुमारबाग हाईस्कूल में नौवीं क्लास में पढ़ता था और बुधवार की दोपहर से ही लापता था. उसके परिजनों से फोन पर 20 लाख रुपये की फिरौती की मांग की गई थी और फिरौती नहीं देने पर हत्या की धमकी भी दी गई थी. इस पूरे मामले पर पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं.

पूरी घटना कुमारबाग ओपी थाना क्षेत्र की है, जहां स्कूल जाने के वक्त स्वर्ण व्यवसाई के पुत्र का अपहरण कर लिया गया था. अपहृत छात्र की पहचान कुमारबाग ओपी क्षेत्र के रानीपुर रमपुरवा निवासी स्वर्ण व्यवसायी नगनारायण साह के 14 वर्षीय बेटे आशीष कुमार के रूप में हुई थी. जो 9वीं क्लास का छात्र था. छात्र के परिजनों ने बताया कि अपहरण के बाद बदमाशों ने फोन कर 20 लाख की फिरौती मांगी है. फिरौती की रकम नहीं देने पर बुरा अंजाम भुगतने की धमकी दी थी.

बेखौफ अपराधी

- स्कूल जाते समय युवक को अगवा कर लिया गया था
- रकम नहीं देने पर अंजाम भुगतने की धमकी दी थी

इस अपहरण के बाद से ही पूरे पुलिस महकमें में हड़कंप मचा हुआ था. सूचना के बाद बेतिया एसपी अमरकेश डी के नेतृत्व में लगातार जांच चल रही थी, इस बीच छात्र का शव मिलने के बाद लोगों में आक्रोश है. कुमारबाग के आशीष के अगवा होने की खबर पुलिस को भी दी गई थी. अपहरण के बाद हत्या की इस वारदात के बाद परिवार के लोग सदमे में हैं.

बेतिया पुलिस ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा था कि आशीष स्कूल की चहारदीवारी के ऊपर से बाहर गया है. पूरे मामले की जांच चल रही है, इस बीच हत्या की खबर ने पुलिस की जांच पर भी सवाल उठ रहे हैं. फिलहाल पुलिस पूरे मामले की तफ्तीश में जुटी है, साथ ही अपहरणकर्ताओं की खोज जारी है.

छात्र की पंखे से लटकता हुआ शव बरामद

गया । गया शहर में किराए के मकान में रहकर प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र की पंखे से झूलती हुई लाश मिली है. आशंका है कि उसने आत्महत्या कर ली. उसके कमरे का गेट अंदर से बंद था. मामला शहर के विष्णुपद थाना क्षेत्र के मंगलागौरी गोदावरी मुहल्ले की है. बताया जाता है कि मृतक 24 वर्षीय अभिनय शर्मा किराये के मकान में रहकर प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी कर रहा था. गुरुवार को उसके कमरे का दरवाजा सुबह से शाम तक बंद पाया. युवक अपने भाई के साथ रहता था. किसी काम से भाई बाहर गया हुआ था. भाई के बार-बार कॉल कर रहा था, लेकिन जब फोन नहीं उठाया तो भाई ने पड़ोसी को जाकर देखने की आग्रह किया. भाई के कहने पर आस-पास के पड़ोसियों ने दरवाजा खोलने की कोशिश की, लेकिन दरवाजा अंदर से बंद होने के वजह से नहीं खुला.

लगी मुहर : दुर्गा पूजा से पहले कर्मचारी को मिला बड़ा तोहफा

लंबे समय से रुके हुए कर्मचारियों और पदाधिकारियों का होगा प्रमोशन

संवाददाता । पटना

दशहरा के पहले राज्य सरकार ने सरकारी कर्मियों को बड़ा तोहफा दिया है. शुक्रवार को हुई कैबिनेट की बैठक में कुल आठ एजेंडों पर मुहर लगी है. सुप्रीम कोर्ट में प्रमोशन पर आरक्षण का मामला विचाराधीन होने के बावजूद राज्य सरकार ने सरकारी सेवकों को प्रमोशन देने का निर्णय लिया है. इसकी जानकारी देते हुए कैबिनेट सचिव एस सिद्धार्थ ने बताया कि लगभग सभी विभागों में लंबे समय से कर्मचारी और पदाधिकारी का प्रमोशन रुका हुआ था.

उदाहरण के तौर पर कई जूनियर इंजीनियर कार्यपालक अभियंता के पद पर प्रभार के रूप काम कर रहे हैं. इसी तरह कई जूनियर कर्मचारी को सीनियर का प्रभार देकर काम करवाया जा रहा है और उन्हें वेतनमान जूनियर का ही दिया जा रहा है. अब इस पर राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि किसी एक पद के लिए 100% में 16% अनुसूचित जाति और एक प्रतिशत अनुसूचित जनजाति यानी 17% को माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के आलोक में उसे स्थिर किया जाएगा और बाकी 83% में भी 16% अनुसूचित जाति एवं 1% अनुसूचित जनजाति यानी 17% अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति को आरक्षण दिया जाएगा. इसके बाद देखकर सामान्य प्रमोशन देने का निर्णय लिया गया है.

हाजीपुर में 8 किलो चांदी लूट कर बदमाश फरार

हाजीपुर । हाजीपुर में लुटेरों ने दिनदहाड़े गन पॉइंट पर एक ज्वेलरी शॉप से शुक्रवार को आठ किलो चांदी लूट ली. लूट की घटना को अंजाम देने आए बदमाशों ने स्वर्ण व्यवसायी को बंदूक के बट से मार कर जख्मी भी कर दिया. घटना बिदुपुर थाना क्षेत्र के मथुरा बेदाम चौक की है. लूट की घटना सीसीटीवी में कैद हुई है. बताया जा रहा है कि एक बाइक पर सवार होकर दो की संख्या में लुटेरे पहुंचे थे. एक लुटेरा हथियार से लैस होकर ज्वेलरी दुकान के अंदर दाखिल हुआ. इसके बाद घटना को अंजाम दिया गया.

तेजस्वी राज्यसभा की सीट बेचने गए थे केरल : अनामिका

संवाददाता । पटना

उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव गुरुवार को केरल दौरे पर थे, जहां पर उन्होंने केरल की एक पार्टी लोक जनता दल को अपनी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल में विलय करवाया है. इसको लेकर बिहार में सियासत जारी है. बीजेपी की प्रवक्ता अनामिका सिंह ने इसको लेकर तेजस्वी यादव पर गंभीर आरोप लगाते हुए बोली कि तेजस्वी यादव केरल गए थे और क्यों गए थे यह भी आप समझ लीजिए. राज्यसभा की एक सीट को बेचने के लिए वह केरल पहुंचे थे और उन्होंने वहां लोक जनता दल के साथ समझौता किया है. अनामिका ने आगे कहा कि एलजेडी के बड़े नेता हैं श्रेयम्स कुमार, उनको वह (तेजस्वी राज्यसभा भेज रहे हैं. सिंह ने कि अभी भी राजद जैसी पार्टी किस तरह से राज्यसभा सांसद को चुनती है और कैसे लोगों को राज्यसभा भेजने का काम करती है, यह किसी से छुपा हुआ नहीं है. बिहार में भी कई दलित समाज से बड़े नेता थे, लेकिन दलित समाज के उन नेताओं की याद उन्हें नहीं आयी.

कारोबार

निर्यात 2.6% घटकर 34.47 अरब डॉलर पर

नयी दिल्ली । देश का निर्यात इस साल सितंबर में 2.6% घटकर 34.47 अरब डॉलर रहा. पिछले साल इसी महीने में निर्यात 35.39 अरब डॉलर था. शुक्रवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार सितंबर में आयात भी 15 प्रतिशत घटकर 53.84 अरब डॉलर रहा. पिछले साल इसी महीने में यह 63.37 अरब डॉलर था. इससे व्यापार घाटा सितंबर 2023 में 19.37 अरब डॉलर रहा. चालू वित्त वर्ष 2023-24 में अप्रैल-सितंबर के दौरान निर्यात 8.77% घटकर 211.4 अरब डॉलर रहा. वहीं इन छह महीनों में आयात 12.23% गिरकर 326.98 अरब डॉलर रहा.

मुफिन ग्रीन फाइनेंस ने की साझेदारी

नयी दिल्ली । मुफिन ग्रीन फाइनेंस ने स्नैप-ई कैब्स को 100 इलेक्ट्रिक चार पहिया वाहन उपलब्ध कराने के लिए उसके साथ साझेदारी की है. जलवायु वित्तपोषण समाधान प्रदान करने वाली कंपनी की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, बैटरी से चलने वाली कारों को पांच साल की अवधि के लिए पट्टे पर दिया गया है. बयान में कहा गया, मुफिन ग्रीन फाइनेंस ने कोलकाता स्थित स्नैप-ई कैब्स के साथ सहयोग किया है. पांच साल की पट्टे की अवधि पूरी होने के बाद स्नैप-ई कैब्स इन वाहनों को मुफिन ग्रीन फाइनेंस से वापस खरीद सकती है.

इनड्राइव ने माल ढुलाई सेवा की शुरू

नयी दिल्ली । सहकर्मी-से-सहकर्मी वैश्विक वाहन तथा शहरी सेवा मंच इनड्राइव ने दिल्ली-एनसीआर और मुंबई सहित तीन शहरों में माल ढुलाई सेवाओं की शुरुआत के साथ घरेलू लॉजिस्टिक्स बाजार में प्रवेश की घोषणा की. कैलिफोर्निया (अमेरिका) स्थित कैब सेवा मंच ने की ओर से जारी बयान के अनुसार, कंपनी ने देश में कुशल और लागत प्रभावी माल परिवहन सेवाओं की अपार क्षमता तथा मांग को पहचानने के बाद भारतीय बाजार में कदम रखा है. इनड्राइव के निदेशक एलेक्सी ट्राईपिट्सिन ने बताया कि इसकी शुरुआत दिल्ली-एनसीआर, लुधियाना और मुंबई में की गई.

सितंबर महीने में रिटेल इनफ्लेशन घटकर तीन महीनों के निचले स्तर 5.02% पर आ गई

आम आदमी को मिली महंगाई से थोड़ी राहत

एजेंसी । मुंबई

आम आदमी से जुड़ा महंगाई हमेशा से ही एक प्रमुख मुद्दा रहा है. जब राजनीतिक दलों को कोई मुद्दा नहीं मिलता है तो वे इसे सरकार पर हमला करने का हथियार बनाते हैं. इसी के जरिये सरकार को घेरते हैं. लेकिन इसमें सुधार देखा जा रहा है. महंगाई के मोर्च पर अच्छी खबर आई है. आम आदमी को महंगाई से थोड़ी राहत मिली है. सितंबर महीने में सब्जियों की महंगाई दर घटने से रिटेल महंगाई दर में गिरावट दर्ज की गई है. खाने-पीने की वस्तुओं के दाम गिरने से सितंबर महीने में रिटेल इनफ्लेशन घटकर तीन महीनों के निचले स्तर 5.02% पर आ गई. यह अगस्त महीने में 6.83% थी. राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय (एनएसओ) की तरफ से गुरुवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआईएच) पर आधारित इन्फ्लेशन 5.02% रही.

एक साल पहले सितंबर में यह 7.41% थी. इस तरह रिटेल इनफ्लेशन जून, 2023 के बाद सितंबर में सबसे कम रही है. जून में यह 4.87 % रही थी. सितंबर में फूड इनफ्लेशन 6.56% रही जो अगस्त में 9.94 % थी. ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की बात करें तो सितंबर महीने में रिटेल महंगाई दर क्रमशः 5.33 % और 4.65 % रही. सितंबर महीने में सब्जियों की महंगाई दर घटकर 3.39 % रह गई, जो अगस्त में 26.14 % थी. सितंबर महीने में अनाज की महंगाई दर 10.95% रही. आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर में खाने पीने की वस्तुओं की कीमतें घटने से फूड इन्फ्लेशन 6.56 % पर आ गई. अगस्त में यह 9.94 % रही थी.

हुआ सुधार

- सितंबर महीने में महंगाई दर 3.39 प्रतिशत रही
- सितंबर में फूड इनफ्लेशन 6.56 प्रतिशत रही

अगस्त के महीने में देश के इंडस्ट्रियल प्रॉडक्शन सूचकांक (आईआईपी) की ग्रोथ रेट दहाई अंकों में आ गई है. सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार अगस्त में औद्योगिक उत्पादन में 10.3% का इजाफा हुआ. एक साल पहले इसी महीने में इसमें 0.7% की गिरावट दर्ज की गई थी. देश के औद्योगिक उत्पादन की रफ्तार एक बार फिर से बढ़ी है. ये 14 महीने की ऊंचाई पर पहुंच गई है. एनएसओ की ओर से गुरुवार को जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, जुलाई के संशोधित आईआईपी ग्रोथ 6.0% के मुकाबले अगस्त में आईआईपी ग्रोथ 10.3% दर्ज की गई है. यानी मंथ ऑन मंथ आधार पर ग्रोथ में 4.3% बढ़ोतरी दर्ज की गई है.

अगस्त 2023 के आंकड़े काफी बेहतर हैं

सेक्टर वाइज आंकड़ों पर नजर डालें तो अगस्त 2022 की तुलना में अगस्त 2023 के आंकड़े काफी बेहतर हैं. वित्त वर्ष 2024 के शुरुआती महीनों में लगातार बढ़ोतरी के बाद जून में औद्योगिक उत्पादन की रफ्तार कम पड़ गई थी. मई के 5.3% ग्रोथ के मुकाबले जून में आईआईपी गिरकर 3.8% पर आ गया था. जून के बाद जुलाई और अब अगस्त में एक बार फिर से आईआईपी ग्रोथ के आंकड़े में बढ़ोतरी हुई है. बता दें कि इस साल मई में आईआईपी ग्रोथ 5.3% और अप्रैल में 4.2% थी. वहीं मार्च में आईआईपी का आंकड़ा 1.7%, फरवरी में 5.78% था, जबकि जनवरी में ये आंकड़ा 5.5% रहा था. मैन्युफैक्चरिंग और माइनिंग सेक्टर में देखा जाय तो बेहतर प्रदर्शन से देश में औद्योगिक उत्पादन अगस्त महीने में शानदार रहा है. अगस्त में मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर की आईआईपी दर 9.3 % पर रही है.

फेस्टिव सीजन की शुरुआत

सोने की रौनक बरकरार चांदी के भी दाम बढ़ने लगे

एजेंसी । नयी दिल्ली

रविवार से भारत में त्योहारों का सीजन शुरू हो जाएगा. इसके साथ ही सोना और चांदी खरीदने वालों की भीड़ लगने लगेगी. ऐसे में फेस्टिव सीजन की शुरुआत से पहले सोने और चांदी के दाम में बढ़त देखी जा रही है. वायदा बाजार में हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन सोना हरे निशान के साथ कारोबार कर रहा है. शुरुआती दौर में यह 57,970 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर खुला है. इसके बाद इसकी कीमत में और बढ़त दर्ज की गई है और यह कल के मुकाबले 152 रुपये यानी 0.26 फीसदी बढ़कर 58,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है.

सोने के साथ-साथ आज चांदी के दाम में भी बढ़त दर्ज की जा रही है. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी 69,526 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुली. इसके बाद इसकी कीमत में तेजी देखी और यह कल के मुकाबले 452 रुपये यानी 0.65 फीसदी तेजी के साथ 69,526 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है. गुरुवार को चांदी 69,475 रुपये के स्तर पर बंद हुई थी.

घरेलू बाजार की तरह इंटरनेशनल मार्केट में भी सोने-चांदी के दाम में तेजी देखी जा रही है. अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना शुक्रवार को 0.3 फीसदी की तेजी के साथ 1,873.25 डॉलर प्रति औंस पर बना हुआ है. वहीं अमेरिका में गोल्ड के दाम में 0.2 फीसदी की तेजी देखी जा रही है यह 1,885.980 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है. सोने के अलावा चांदी के दाम भी 0.5 फीसदी की तेजी देखी जा रही है और यह 21.94 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही है.

आई गिरावट बगैर गारंटी वाले रिटेल लोन के डूबने का बढ़ा खतरा, एसबीआई-एक्सिस बैंक का स्टॉक घटा

यूबीएस ने इन बैंकों के स्टॉक्स के घटाए टारगेट प्राइस

एजेंसी । नयी दिल्ली

शुक्रवार के ट्रेडिंग सत्र में सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े भारतीय स्टेट बैंक और निजी क्षेत्र की एक्सिस बैंक के स्टॉक में गिरावट देखी जा रही है क्योंकि विदेशी ब्रोकरेज हाउस यूबीएस ने इन स्टॉक्स को डाउनग्रेड कर दिया है. दोनों ही शेयरों में 2 फीसदी तक की गिरावट देखी जा रही है. यूबीएस का मानना है कि बैंकों का पर्सलन लोन जैसे अनसिक्योर्ड लोन के डूबने का खतरा बढ़ता जा रहा है क्योंकि ऐसे कर्ज लेने वाले जिनके ऊपर पहले से ही पुराना कर्ज बकाया है, बैंकों की ओर से पिछले कुछ वर्षों में उन्हें लोन देने में बढ़ोतरी देखने को मिली है.

यूबीएस ने नोट में कहा कि ऐसे लोन लेने वाले जिनका रिस्क प्रोफाइल बेहद कमजोर है ऐसे लोगों को लोन दिए जाने में बढ़ोतरी देखने को मिली है. आरबीआई के डेटा के मुताबिक अगस्त 2023 महीने के खत्म होने तक क्रेडिट कार्ड लोन पर बैंकों का बकाया 2.18 लाख करोड़ रुपये पर जा पहुंचा है जो एक साल पहले 1.68 लाख करोड़ रुपये हुआ करता था. पर्सलन लोन बकाये में 26 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिली है. 6 अक्टूबर 2023 को मॉनिटरी पॉलिसी कमेटी का ऐलान करते हुए आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने पर्सनल लोन के कुछ कॉम्पोनेंट को लेकर बैंकों को आगाह किया था. उन्होंने कहा, कुछ पर्सनल लोन में हाल के दिनों में बड़ी बढ़ोतरी देखने को मिली है. आरबीआई इसपर अपनी पैनी निगाह बनाये हुए है. उन्होंने बैंकों और एनबीएफसी को अपने अंदरुनी सर्वलांस मैकेनिज्म को मजबूत करने और किसी भी जोखिम से निपटने के लिए तैयार रहने की नसीहत दी.

2018-19 में 12 फीसदी थी : यूबीएस ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि ऐसे उधार लेने वाले जिन पर पुराना कर्ज बकाया है कुल कर्ज में उनकी हिस्सेदारी बढ़कर 2022-23 में 23 फीसदी पर जा पहुंची है जो 2018-19 में 12 फीसदी हुआ करती थी. 2022-23 में ऐसे उधार लेने वाले जिन पर एक से ज्यादा रिटेल लोन चल रहा उनकी संख्या 2022-23 में बढ़कर 9.3 फीसदी हो गई जो 2017-18 में 3.9 फीसदी थी. ऐसे बैंकों से उधार लेने वाले जिनके ऊपर पांच से ज्यादा पर्सनल लोन बकाया है उनकी संख्या मार्च 2023 में 7.7 फीसदी पर जा पहुंची है जो 2018 में 1 फीसदी थी.

एसबीआई और एक्सिस का घटा टारगेट प्राइस : यूपीएस ने कहा कि जून 2023 तक एसबीआई के कुल कर्ज में अनसिक्योर्ड लोन का हिस्सा बढ़कर 11.1 फीसदी हो गया है जबकि एक्सिस बैंक का अनसिक्योर्ड लोन कुल कर्ज में बढ़कर 10.7 फीसदी हो गया है. इसी रिपोर्ट के चलते यूबीएस ने एसबीआई के शेयर को बेचने की सलाह देते हुए टारगेट प्राइस को 740 रुपये से घटाकर 530 रुपये कर दिया है. जबकि एक्सिस बैंक के स्टॉक न्यूट्रल बताते हुए टारगेट प्राइस को 1150 रुपये से घटाकर 1100 रुपये कर दिया है.

आईपीओ घोटाला

ईडी ने धन शोषण में तीन लोगों को किया गिरफ्तार

- गुरुवार को तीनों को हैदराबाद में विशेष अदालत किया पेश

एजेंसी । नयी दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय ने हैदराबाद में करोड़ों रुपये के कथित आईपीओ घोटाले से जुड़े धन शोधन के मामले की जांच के तहत तीन लोगों को शुक्रवार को गिरफ्तार किया है. इनमें से एक अमेरिका का निवासी, एक वानुअतु का और एक भारतीय है. अमेरिका के निवासी पवन कुचाना, वानुअतु गणराज्य के निवासी निर्मल कोटेचा और किशोर तापड़िया को 11 अक्टूबर को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत हिरासत में लिया गया था. इन तीनों को बृहस्पतिवार को हैदराबाद में विशेष अदालत के समक्ष पेश किया गया. अदालत ने 25 अक्टूबर तक ईडी को इनकी हिरासत सौंप दी है. एजेंसी की ओर से जारी बयान के अनुसार, धन शोधन का मामला 55,00,000 शेयरों (प्रति शेयर 10 रुपये) के आईपीओ के संबंध में अनियमितताओं के लिए तकशील सॉल्यूशंस लिमिटेड, इसके प्रवर्तकों तथा निदेशकों और अन्य के खिलाफ सेबी अधिनियम 1992 के तहत भारतीय प्रतिभूति व विनिमय बोर्ड द्वारा दायर एक शिकायत के बाद सामने आया. इसके तहत निर्गम मूल्य 150 रुपये तय किया गया था और इससे तक्षशील ने 80.50 करोड़ रुपये जुटाए थे.

विश्व जनमत की चुप्पी

किसी शायर ने ठीक ही कहा है कि जुल्म भी जारी रहे और इंसाफ भी हो, यह मुमकिन नहीं है. कमोवेश यही हालत, दुनिया भर में जिन्हें ग्लोबल आर्डर की महाशक्तियां कहा जाता है, उनकी भी है. इतिहास के हुए अन्यायों को नजरअंदाज करने से क्या हालात बनते हैं, इसे पश्चिमी एशिया के साथ ही अफ्रीका और पूर्वी यूरोप में भी देखा जा सकता है. एक समय था जब इन नाइंसाफियों के खिलाफ दुनिया भर में कुछ आवाजें बुलंदी के साथ उठती थीं और उनका असर भी होता था. कोरिया युद्ध हो या वियतनाम का युद्ध इन्हीं आवाजों के कारण संभव हुआ कि युद्धरत ताकतों को पीछे हटना पड़ा, लेकिन जब हर एक देश एक पक्ष ले चुका होगा तो वैसी स्थिति में क्या विश्व शांति संभव है? यह सवाल दुनिया के हर शांति प्रेमी और इंसाफपसंद को अपने आपसे पूछना चाहिए. इजराइल पर हुए हमास के हमले में मरे मासूम नागरिकों और बच्चों की मौत जितनी ह्रदय विदारक और निंदनीय है, वैसी ही भावना गाजा में मारे जा रहे इंसानों को ले कर क्यों नहीं उपज रही है. ऐसा क्यों हुआ कि फिलिस्तीन से हुए अन्यायों को विश्व जनसमुदाय ने हल करने के बजाय उसे हाशिए पर ही डाल देने का प्रयास किया. इजराइल के दो नेता बार-बार गाजा के अस्तित्व को ही खत्म कर देने की बात करते हुए वेस्ट बैंक को भी निशाने पर लेने की बात कर रहे हैं. सवाल पूछने की जरूरत है कि क्या हमास और मासूम बच्चों और इंसानों के बीच फर्क किया जा रहा है? सात दिनों से जिस तरह के हमले गाजा पर हो रहे हैं, उससे तो यह फर्क मिट-सा गया है. इसके साथ ही नेतन्याहू ने तो एक कदम आगे बढ़ कर मध्यपूर्व को ही चेतावनी देते हुए स्थायी बदलाव की बात कर दी है. यह बेहद चिंताजनक मामला है. संयुक्त राष्ट्र संघ तो हर दिन बेमानी सी भूमिका की ओर बढ़ रहा है. इस समय रूस और यूक्रेन के बीच का युद्ध लगातार लंबा खिंचता जा रहा है. विश्व जनसमुदाय उसका हल भी निकालने में नाकामयाब साबित हुआ है. पूरे पश्चिमी एशिया और अफ्रीका के शासक और वहां के आम लोग दो धरातलों पर नजर आ रहे हैं. इजराइल की भूमिका को ले कर इजराइल के ही कुछ अखबार जरूर सवाल उठा रहे हैं, लेकिन विश्व समुदाय की चुप्पी का राज आखिर क्या है. गाजा में बिजली-पानी-खाद्यान्न बंद करने की धमकी और कार्रवाई ने दुनियाभर में शांति समर्थकों को चिंतित कर दिया है. इजराइल के एक प्रमुख अखबार हारेज ने इस सवाल को गंभीरता से उठाया है. इसी अखबार के अनुसार अमेरिका के एक प्रमुख प्रवक्ता ने कहा है कि बिजली-पानी और खद्यान्न की आपूर्ति ठप नहीं होगी. बावजूद गाजा में क्या हो रहा है और कितनी तबाही हुई है. इसकी अधिकृत सूचना दुनिया के सामने नहीं आ रही है.

> सात दिनों से जिस तरह के हमले गाजा पर हो रहे हैं, उससे तो यह फर्क मिट-सा गया है. इसके साथ ही नेतन्याहू ने तो एक कदम आगे बढ़ कर मध्यपूर्व को ही चेतावनी देते हुए स्थायी बदलाव की बात कर दी है. यह बेहद चिंताजनक मामला है.

सुभाषित

परोपकाराय फलन्ति वृक्षाः, परोपकाराय वहन्ति नद्यः।
परोपकाराय दुहन्ति गावः, परोपकाराय मिदं शरीरम्॥

वृक्ष परोपकार के लिए ही फलते हैं. नदी परोपकार के लिए ही बहती है. गाय परोपकार के लिए दूध देती है. इस शरीर की सार्थकता परोपकार में ही है. इसलिए हमें अपने शरीर का सदुपयोग दूसरों के कल्याण के लिए करना चाहिए.

संकल्प यात्रा के बाद का विकल्प

लोकसभा चुनाव में छह महीने से भी कम दिन रह गये हैं, जबकि झारखंड के साथ ही गठित निकटतम पड़ोसी छत्तीसगढ़ और उसके मातृ राज्य मध्यप्रदेश सहित राजस्थान, तेलंगाना तथा मिजोरम में चुनाव की घंटी बज गई है. बड़ा आदिवासी नेता होने के कारण बाबूलाल को इनमें से कई राज्यों में चुनाव प्रचार के लिए जाना पड़ेगा और अपने कुछ लोगों को भी भेजना होगा. इस लिहाज से उनकी व्यस्तता बढ़नेवाली है.

घुमंतू प्रवृत्ति के राजनेता बाबूलाल मरांडी फिलहाल संकल्प यात्रा पर हैं. वे विधानसभा में भाजपा द्वारा विधायक दल के नामित नेता हैं. पार्टी ने उनको तकरीबन सौ दिन पहले 04 जुलाई 2023 को प्रदेश अध्यक्ष भी बना दिया था. विधानसभा में कतिपय संवैधानिक अड़चनें लगा दी जाने के कारण उनकी नेता प्रतिपक्ष की पदवी लटकी हुई है. संभवतः इस कारण भी पार्टी नेतृत्व ने उन्हें राज्य संगठन की सबसे ऊंची कुर्सी पर आसीन करा दिया. उसके कुछ ही काल बाद उन्होंने हेमंत सोरेन के नेतृत्ववाली राज्य की इंडि अलायंस सरकार को उखाड़ फेंकने की नीयत से सभी विधानसभा क्षेत्रों में संकल्प यात्रा पर जाने का निर्णय लिया. 17 अगस्त से वे अपनी इस महत्वाकांक्षी यात्रा पर हैं. तकरीबन 70 विधानसभा क्षेत्रों में वे कार्यकर्ताओं से मिलने और सभा करने का कर्मकांड पूरा कर चुके हैं. मासांत में 27-28 अक्टूबर को राजधानी रांची में ऐसा ही आयोजन कर वे अपनी यात्रा का समापन करनेवाले हैं. इस दौरान राज्य सरकार, खासकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के विरुद्ध जितनी आग उगल सकते थे, उतनी वे उगल ही रहे हैं. प्रतिपक्षी नेता के नाते उनको यही शोभा देता है, क्योंकि अब सत्ता पक्ष और प्रतिपक्ष के बीच भारत-पाकिस्तान जैसा संबंध होने का चलन चल निकला है. राजनीति शास्त्र में भले ही पढ़ाया जाता हो कि सत्ता पक्ष और प्रतिपक्ष को मिलाकर ही सरकार परिभाषित होती है. लेकिन ये किताबी बातें हैं. व्यवहार में दोनों के बीच कटु शत्रुता होती है, जबकि पहले यह प्रतिद्वंद्विता होती थी. हर जगह यही हाल है. कुछ ही अरसा पहले जब बाबूलाल अपनी पार्टी चलाते थे या महागठबंधन में थे, तब वे उसी भाजपा की बखिया उधेड़ने में कोई कसर बाकी न रखते थे, जिस भाजपा के अब वे राज्य प्रमुख हैं. घोड़ा घास से दोस्ती करेगा तो खायेगा क्या? इसी मुहावरे पर अमल करने का यह जुग-जमाना है. राजनीति में ऐसे भी या तो दोस्ती होती है, या वैर. अपनी कही पुरानी बातें भुला देने का भी चलन है, क्योंकि क्या पता कल किस खेमे में जाना पड़े. इसे मौके की राजनीति कहनेवाले या तो विरोधी होते हैं या किताबी बातें करनेवाले. सत्ता पक्ष प्रतिपक्ष की बातें 'बिन पानी, साबुन बिना निर्मल करे सुभाय' की जगह दिल पर ले लेता है. इसी कारण दोनों में तनाव फैलता है, जो सदन के अंदर या बाहर, यहां-वहां हर जगह साफ-साफ नजर आता है.

• देश-काल

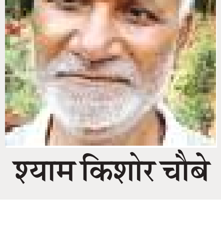

श्याम किशोर चौबे

बाबूलाल को बधाई दी जानी चाहिए. उन्होंने बिना किसी आंतरिक अड़चन के अपनी अध्यक्षी के सौ दिन पूरे कर लिए. सरकारें जब सौ दिन पूरी करती हैं तो जलसे का आलम होता है. पार्टी अध्यक्षों के लिए भी ऐसा कुछ जरूर होना चाहिए. बाबूलाल के खाते में इन सौ दिनों में 70 से अधिक विधानसभा क्षेत्रों का भ्रमण तो दर्ज हो गया. झारखंड के किसी पार्टी अध्यक्ष ने ऐसा करने की हिमाकत नहीं की थी. इन सौ दिनों में वे अपनी कार्यसमिति गठित न कर सके या इस कार्य में उन्होंने दिलचस्पी नहीं ली, यह वे ही जानें. लोकसभा चुनाव में छह महीने से भी कम दिन रह गये हैं, जबकि झारखंड के साथ ही गठित निकटतम पड़ोसी छत्तीसगढ़ और उसके मातृ राज्य मध्यप्रदेश सहित राजस्थान, तेलंगाना तथा मिजोरम में चुनाव की घंटी बज गई है. बड़ा आदिवासी नेता होने के कारण बाबूलाल को इनमें से कई राज्यों में चुनाव प्रचार के लिए जाना पड़ेगा और अपने कुछ लोगों को भी भेजना होगा. इस लिहाज से उनकी व्यस्तता बढ़नेवाली है. इसलिए शायद नवरात्र में वे कार्यसमिति बना ही लें. वे चूंकि 'सबका साथ' वाले दल के नेता हो गये हैं, इसलिए उम्मीद की जानी चाहिए कि उनको किसी आंतरिक चुनौती का सामना नहीं करना पड़ रहा होगा. यदि कहीं कुछ मुंह फुला-फुली हो भी तो अपनी इस घुमा-घुमी में उन्होंने सबको सेटल कर ही लिया होगा. नये जमाने की राजनीति बताती है कि सत्ता का नाभि बिंदु एक ही होना चाहिए. भाजपा के पास अभी तीन पूर्व मुख्यमंत्री हैं, जिनमें सबसे सीनियर बाबूलाल हैं. दूसरे वाले, अर्जुन मुंडा दिल्ली बैठा दिये गये हैं. वे अपनी 'खूंटी' का खूब ख्याल रख रहे हैं. बाकी जगह खूंटे गाड़ने के लिए बाबूलाल लगा दिये गये हैं. उनकी मौजूदा परिक्रमा उसी तजबीज का कारण हो सकती है. तीसरे वाले, रघुवर दास इनकी जमशेदपुर परिक्रमा में शिरकत करते नजर आये ही. सो, यक्ष प्रश्न, प्रदेश कार्यसमिति के गठन में कोई अड़चन नहीं आनी चाहिए. सौ दिन किसी को जांचने-परखने के लिए कम नहीं होते. बाबूलाल ने पूरे राज्य का दौरा कर और बीच-बीच में समय निकालकर बयानबाजी से लेकर राजभवन तक चिट्ठी-पत्री लिखकर अपने अनुभव, ज्ञान और ऊर्जा का जलवा बिखेर दिया. संकल्प यात्रा में इन्होंने सबको जांच-परख लिया होगा. खुद इनको जानता कौन नहीं है और किसको ये नहीं जानते! कार्यसमिति गठन में अपना आदमी, उनका आदमी जैसी बात होनी नहीं चाहिए. अध्यक्ष की बात या सिफ़ारिश दिल्ली टालेगी नहीं, क्योंकि बहुत सोच-समझकर वह प्रयत्नपूर्वक इनको लायी है. फिर देर क्यों? कहीं देर आयद, दुरुस्त आयद वाली बात तो साबित नहीं करनी है! छह महीने के अंदर होनेवाले लोकसभा चुनाव का बड़ा बोझ सिर पर लदनेवाला है. उस चुनाव में राज्य की सभी 14 की 14 सीटें लाना हरकूलियन टास्क है. भाजपा की गति-मति के अनुसार इससे कम टास्क दिया नहीं जाएगा. एनडी अलायंस के लिए डुमरी उपचुनाव का परिणाम कुछ और संकेत दे गया. मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान का परिणाम और बोझ बढ़ाने वाला साबित हुआ तो सिरदर्द और बढ़ेगा. विकल्प एक ही है, लगे रहें, लगाए रहें 'मुन्ना भाई'.

• बोधि-वृक्ष | **डॉ. सत्यकेतु संजय**

पुनर्जन्म का चक्कर

भगवान श्री कृष्ण कहते हैं कि, ब्रह्मा से लेकर कीट पतंगादि सभी लोक पुनरावर्ती है, जन्म लेने और मरने तथा पुनः पुनः इसी क्रम में चलने वाले हैं, किन्तु कौन्तेय ! मुझे प्राप्त हो कर उस पुरुष का पुनर्जन्म नहीं होता. वे कहते हैं, साधना काल में बुद्धि ही ब्रह्मा है 'अहंकार सिव बुद्धि अज, मन ससि चित्त महान, बुद्धि जब इष्ट में प्रवेश करने लगती है. तो उसके चार सोपान मनीषियों ने कहे हैं- ब्रह्मविद्, ब्रह्मविद्वर, ब्रह्मविद्वरीयान्, ब्रह्मविद्वरिष्ठ. यही ब्रह्मा के चार मुख हैं. ब्रह्मविद् वह बुद्धि है, जो ब्रह्म विद्या से संयुक्त हो. ब्रह्मविद्वर वह है, जिसे ब्रह्मविद्या में श्रेष्ठता प्राप्त हो. ब्रह्मविद्वरीयान् वह बुद्धि है, जिससे वह ब्रह्मविद्या में दक्ष ही नहीं, वरन् उसका नियन्त्रक, संचालक बन जाता है. ब्रह्म विद्वरिष्ठ बुद्धि का वह अन्तिम छोर है, जिसमें इष्ट प्रवाहित है. यहां तक बुद्धि का अस्तित्व है, क्योंकि प्रवाहित होने वाला इष्ट अभी कहीं अलग है और ग्रहणकर्ता बुद्धि अलग है. साधना के पूर्ति काल में बुद्धि भी इष्ट में समा जाती है. ब्रह्मा के चतुर्युगों पर भगवान कहते है- कि जब दिन (विद्या) कार्यरत है, उस समय योगी स्वरूप की ओर अग्रसर होता है, अन्तः करण की सहस्रों प्रवृत्तियों मे ईश्वरीय प्रकाश का संचार हो उठता है. इसी प्रकार रात्रि (अविद्या) आने पर अन्तः करण की सहस्रों वृतियों मे माया (मिथ्या संसार) का द्वन्द्व प्रवाहित होता है. अन्तः करण का विभाजन मन, बुद्धि, चित्त और अहंकार चार प्रमुख प्रवृतियों मे किया गया, वैसे अन्तः करण की वृत्तियां अनन्त हैं. अन्तः करण की चार प्रमुख प्रवृत्तिया ही उसके चतुर्युग है. रात और दिन इन्ही प्रवृतियों में होते हैं. जो पुरुष इसके भेद को तत्व से जानते हैं, वे योगी जन काल के भेद को जानते हैं. ब्रह्मा के रात्रि व दिन को श्री कृष्ण स्पष्ट करते हैं- ब्रह्मा के दिन (विद्या) के प्रवेश काल में सम्पूर्ण प्राणी (दैवी सम्पद) अव्यक्त ब्रह्मा (बुद्धि) में जागृत हो जाते हैं और रात्रि के प्रवेश काल में उसी अव्यक्त ब्रह्मा (बुद्धि) मे जागृत सूक्ष्म तत्त्व (दैवी सम्पद) अचेत हो जाते हैं. वे प्राणी (दैवी सम्पदा) रात्रि (अविद्या) में स्वरूप को स्पष्ट देख नहीं पाते.

जाति जनगणना एक राजनीतिक हथियार

• सियासत

कल्याणी शंकर

क्या भारत को जाति जनगणना की आवश्यकता है? यदि इसे राष्ट्रीय स्तर पर कराया जाता है, तो यह क्या परिणाम लायेगा- सकारात्मक या नकारात्मक? इस मुद्दे पर बहस छिड़ी हुई है. संभावित लाभ या कमियों पर अलग-अलग राय के कारण यह मुद्दा विवादास्पद है. राय अलग-अलग हैं, कुछ इसकी दीर्घकालिक उपस्थिति को स्वीकार करते हैं और अन्य प्रतिकूल परिणामों के लिए चिंता व्यक्त करते हैं. 2024 के लोकसभा चुनावों की तैयारी में, राजनीतिक दल हाशिए पर रहने वाले समुदायों के साथ संबंध स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप जाति जनगणना की मांग बढ़ गई है. बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जातीय जनगणना कराकर मौजूदा बहस को और भड़का दिया है. उन्होंने 2 अक्टूबर को नतीजे जारी किये और खुद को हाशिए पर मौजूद समुदायों के चैंपियन के तौर पर पेश किया. जनगणना रिपोर्ट से सर्वोच्च न्यायालय द्वारा लगाई गई 50 फीसदी आरक्षण सीमा को हटाने की राजनीतिक मांग उठ सकती है. अपनी हालिया मुंबई बैठक में, नवगठित विपक्षी गठबंधन इंडिया ने भी जाति जनगणना का अनुरोध किया. महाराष्ट्र, ओडिशा और झारखंड जाति जनगणना कराने पर सहमत हो गये हैं, जबकि बंगाल ने अभी तक फैसला नहीं किया है. मध्य प्रदेश कांग्रेस ने भी वायदा किया है.जाति जनगणना के विषय पर अलग-अलग राय सामने आती है. इसमें चुनावों और समुदायों पर इसके प्रभाव जैसे पहलुओं को शामिल किया गया है. 1931 से अधिक विश्वसनीय डेटा की आवश्यकता को देखते हुए, इसे अभी भी पूरा करने की आवश्यकता है. कुछ लोग जाति जनगणना के पक्ष में तर्क देते हैं, लेकिन यह अंधेरे में आंख मारने की कोशिश करने जैसा है.1931 से पहले, दशकीय जनगणना में जाति पर डेटा शामिल था. हालांकि, 1941 को द्वितीय विश्व युद्ध के कारण छोड़ दिया गया था. 1951 से 2011 तक, भारत की सभी स्वतंत्र जनगणनाओं में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के बारे में जानकारी थी, लेकिन अन्य जातियों के बारे में नहीं. 2010 में मनमोहन सिंह सरकार ने आर्थिक कारकों के आधार पर एक सर्वे कराया था. महामारी के कारण 2021 की जनगणना स्थगित कर दी गई और अभी तक नहीं की गई है. आज कांग्रेस के रुख में बदलाव दिख रहा है. कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जाति से संबंधित मुद्दों पर चर्चा के लिए 'जितनी आबादी, उतना हक़' वाक्यांश का इस्तेमाल किया. 2011 में, सोशियोइकानॉमिक एंड कास्टसेंसस (एस.ई.सी.सी.) में जाति के बारे में जानकारी शामिल थी, लेकिन मुख्य ध्यान जीवन स्तर और वित्तीय स्थिति पर था. मोदी सरकार ने 2015 में एसईसीसी का वित्तीय आंकड़ा जारी किया, लेकिन उसमें जाति जनगणना को शामिल नहीं किया गया था. जाति को परिभाषित करना एक जटिल मुद्दा है. जाति जनगणना को भेदभावपूर्ण माना जाता है और उन लोगों द्वारा इसका विरोध किया जाता है, जो सभी के लिए समान अधिकार और अवसर चाहते हैं. भाजपा ने जाति जनगणना पर अब तक कोई आधिकारिक रुख नहीं अपनाया है. यह मांग सबसे पहले राजद जैसे क्षेत्रीय दलों ने उठाई थी और अब जेडी (यू) और फिर अधिकांश अन्य विपक्षी दलों द्वारा समर्थित है. भाजपा के अधिसंख्य नेता मानते हैं कि जाति जनगणना कराने से राजनीतिक और तार्किक चुनौतियों के कारण अधिक एकजुट समाज के निर्माण में बाधा आ सकती है. ऐतिहासिक रूप से, भारत की स्वतंत्रता के लिए संविधान का मसौदा तैयार करने के लिए संविधान सभा की बैठक दिसंबर 1946 और नवंबर 1949 के बीच हुई थी. डॉ. बीआर अम्बेडकर, जवाहरलाल नेहरू और सरदार पटेल जैसे दिग्गज महत्वपूर्ण व्यक्ति थे, जिन्होंने सरकारी संरचना, नागरिकों के अधिकार और मौलिक सिद्धांतों जैसे विषयों पर चर्चा का नेतृत्व किया. नये गणतंत्र के संविधान को आकार देने में उनका योगदान महत्वपूर्ण था. पिछले सामाजिक अन्यायों को दूर करने के लिए संविधान द्वारा सकारात्मक कार्रवाई की अनुमति दी गई है. हालांकि, जाति जनगणना जैसे विशिष्ट आंकड़ा एकत्र करने के बारे में पर्याप्त चर्चा नहीं हुई होगी. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी की राष्ट्रीय स्तर पर जाति जनगणना की मांग ने एक कांटेदार राजनीतिक चुनौती खड़ी कर दी है.

> बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जातीय जनगणना कराकर मौजूदा बहस को और भड़का दिया है. उन्होंने 2 अक्टूबर को नतीजे जारी किये और खुद को हाशिए पर मौजूद समुदायों के चैंपियन के तौर पर पेश किया. जनगणना रिपोर्ट से सर्वोच्च न्यायालय द्वारा लगाई गई 50 फीसदी आरक्षण सीमा को हटाने की राजनीतिक मांग उठ सकती है.

सियासी फंडिंग में पारदर्शिता वक्त की जरूरत

• सामयिकी

विजय शंकर सिंह

मनीष सिसोदिया के केस में ईडी ने यह इल्जाम लगाया है कि सौ करोड़ रुपये रिश्वत के रूप में शराब लॉबी से लिए गए और जब इस पर सुप्रीम कोर्ट ने सवाल पूछा कि धन किस माध्यम से मनीष सिसौदिया तक पहुंचा, यानी मनी ट्रेल क्या है? तो ईडी अदालत के इस सवाल का कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दे पाई. मामला गोवा के चुनाव का है और मनीष सिसोदिया पर आरोप है कि उन्होंने सौ करोड़ रुपये चुनावी चंदे के लिए शराब लॉबी से लिये. चुनाव के लिए चंदा लेना अपराध नहीं है, पर मनी लांड्रिंग के माध्यम से अघोषित धन चंदे के रूप में लेना अपराध है. साल 2018 में बीजेपी की मोदी सरकार ने चुनावी फंड के लिए इलेक्टोरल बॉन्ड की योजना शुरू की थी. उक्त इलेक्टोरल बॉन्ड के बारे में जो महत्वपूर्ण तथ्य हैं, वे इस प्रकार हैं. आंकड़े पुराने हैं, पर पॉलिटिकल फंडिंग में भ्रष्टाचार की पड़ताल के लिए इसकी क्रोनोलॉजी को समझना होगा. इलेक्टोरल बॉन्ड योजना की घोषणा पहली बार 2017 में तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली के बजट भाषण में हुई. 2 जनवरी, 2018 को नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने विवादास्पद इलेक्टोरल बॉन्ड योजना के नियमों को आधिकरिक रूप से जारी किया था. दो महीने बाद ही इन नियमों में प्रधानमंत्री कार्यालय के दिशा-निर्देश के अनुसार बदल कर इलेक्टोरल बॉन्ड की अवैध बिक्री की अनुमति दे दी गई. इलेक्टोरल बॉन्ड योजना का विरोध रिजर्व बैंक, चुनाव आयोग और देश के समूचे प्रतिपक्ष ने किया था, पर तमाम मुखर विरोध के बावजूद इस योजना को लागू किया गया. सरकार ने 2018 में इसके लिए साल भर में 10-10 दिन के चार विंडो का प्रावधान किया था. पहला जनवरी, दूसरा अप्रैल, तीसरा जुलाई और चौथा अक्टूबर में. हर साल इन्हीं चार महीनों के दरम्यान स्टेट बैंक ऑफ इंडिया इलेक्टोरल बॉन्ड की बिक्री कर सकता है. इसके साथ ही यह प्रावधान भी किया गया कि जिस वर्ष में लोकसभा के चुनाव होंगे, उस वर्ष 30 दिन का अतिरिक्त विंडो का भी प्रावधान बॉन्ड बेचने के लिए किया गया. मार्च 2018 में हुई इलेक्टोरल बॉन्ड की पहली बिक्री में ही बीजेपी ने बाजी मारते हुए 95% राजनीतिक चंदे को अपने हक में भुना लिया. इलेक्टोरल बॉन्ड के नियमों को पहले ही मौके पर तोड़-मरोड़ कर दिया गया. नियमतः पहली बिक्री स्टेट बैंक ऑफ इंडिया द्वारा अप्रैल 2018 में होनी चाहिए थी, लेकिन इसे मार्च में ही खोल दिया गया. मई 2018 में कर्नाटक के विधानसभा चुनावी होने थे. 11 अप्रैल, 2018 को यानी एक सप्ताह बाद जूनियर अधिकारी ने नियमों और प्रधानमंत्री कार्यालय की मांग के बीच मौजूद विरोधाभासों को स्पष्ट करने की मांग की. उप निदेशक कुमार ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों को लिखा, "पीएमओ ने चुनावी बॉन्ड जारी करने हेतु 10 दिनों के लिए एक विशेष विंडो खोलने की इच्छा जताई है. जबकि 2 जनवरी, 2018 को जारी इलेक्टोरल बॉन्ड योजना की अधिसूचना के पैरा 8(2) के अनुसार एक महीने के लिए विशेष विंडो सिर्फ उसी वर्ष में खोला जाएगा, जिस साल लोकसभा का चुनाव होगा. फिलहाल लोकसभा चुनाव काफी दूर हैं लिहाजा विशेष विंडो खोला जाना मौजूदा अधिसूचना के अनुरूप नहीं है.'' यह पहली बार हुआ जब अधिकारियों ने लिखित में स्वीकार किया कि निर्देश सीधे प्रधानमंत्री कार्यालय से आया है. इसके बाद वित्त सचिव गर्ग को बात समझ में आ गई और उन्होंने अपनी राय बदल दी. 11 अप्रैल को ही उन्होंने वित्त मंत्री जेटली को एक नोट लिखा, जिसमें उन्होंने कहा कि जिस साल लोकसभा के चुनाव नहीं होंगे उन वर्षों में सिर्फ चार बार ही इलेक्टोरल बॉन्ड जारी करने की अनुमति है. अब सवाल उठता है कि इलेक्टोरल बॉन्ड की जरूरत क्यों पड़ी? यह कोई मजबूरी थी या कुछ और? हुआ यह कि, चुनाव आयोग के नियमों के अंतर्गत सभी राजनीतिक दलों को 20 हजार रुपये से अधिक की धन राशि वाले चंदों का विवरण निर्वाचन आयोग को अनिवार्यतः देना होता है, जिसमें चंदा देने वाले व्यक्ति, कंपनी या ट्रस्ट का नाम, उनके द्वारा दी गई चंदा की राशि, उसका पता, पैन नंबर, चेक/डीडी नंबर, बैंक का नाम और पता दर्ज करना होता है. लेकिन इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिये मिले चंदे में यह सब विवरण देने की जरूरत नहीं है. किस दल को कितना चंदा मिला यह तो राजनीतिक दलों की ऑडिट रिपोर्ट से पता चल जाता है, पर वह चंदा किस व्यक्ति, कम्पनी या ट्रस्ट ने दिया है, इसकी जानकारी नहीं मिल पाती है.

> इलेक्टोरल बॉन्ड के नियमों को पहले ही मौके पर तोड़-मरोड़ कर दिया गया. नियमतः पहली बिक्री स्टेट बैंक ऑफ इंडिया द्वारा अप्रैल 2018 में होनी चाहिए थी, लेकिन इसे मार्च में ही खोल दिया गया. मई 2018 में कर्नाटक के विधानसभा चुनावी होने थे. 11 अप्रैल, 2018 को एक अधिकारी ने नियमों और प्रधानमंत्री कार्यालय की मांग के बीच मौजूद विरोधाभासों को स्पष्ट करने की मांग की.

मीडिया में अन्यत्र

राजस्थान में सियासी जुआ

राजस्थान में मौजूदा सरकारों का अगले चुनाव में सत्ता गंवाने का इतिहास रहा है. मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की अगुवाई वाली कांग्रेस सरकार जहां राजस्थान में इस रुझान को पलटने की कोशिश में है, वहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सत्ता में वापसी के लिए इस पर भरोसा कर रही है और साथ ही राज्य में नेतृत्व परिवर्तन भी कर रही है. कुल 200-सदस्यों वाली राज्य विधानसभा में बहुमत के लिए संभावित सीधी लड़ाई में आमने-सामने होने के बावजूद दोनों ही पार्टियां आंतरिक समस्याओं से रूबरू हैं. मतदान 25 नवम्बर को है. श्री गहलोत को इस बात का श्रेय दिया जाना चाहिए कि उन्होंने नई कल्याणकारी योजनाओं की झड़ी लगाकर और कारगर सार्वजनिक पहुंच के साथ कांग्रेस को खाई से बाहर निकाला है, सत्ता विरोधी लहर को कुंद किया है और कार्यकर्ताओं की उम्मीदों को बढ़ाया है. तयशुदा हार को टालने के बाद, कांग्रेस की संभावनाएं अब इस बात पर निर्भर करती हैं कि वह उम्मीदवारों का चयन कितनी अच्छी तरह करती है और अंतिम चरण में अपना प्रचार अभियान कैसे चलाती है. युवा सहयोगी और शीर्ष पद की चाहत रखने वाले सचिन पायलट अपने सारे मतभेद भुलाकर इस लड़ाई में श्री गहलोत के साथ हो गए हैं. अब तक की खबरों से यह संकेत मिलता है कि भले ही मुख्यमंत्री के खिलाफ कोई सत्ता विरोधी लहर न हो, लेकिन कांग्रेस के कई विधानसभा सदस्यों (विधायकों) को बिल्कुल ही विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है. पार्टी के लिए ऐसी स्थिति से निपटना बेहद मुश्किल भरा होगा और अधिकतम तादाद में मौजूदा विधायकों की जगह नए चेहरों को उतारने में श्री गहलोत के मशहूर राजनीतिक कौशल की परीक्षा होगी. भाजपा पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे पर अपनी निर्भरता से छुटकारा पाने के लिए बेकरार है, जो एक मुखर नेता हैं और पार्टी से परे जाकर अपना प्रभाव रखती हैं. पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने यह साफ कर दिया है कि पार्टी किसी को भी मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के तौर पर पेश नहीं करेगी. राजे के कई विश्वासपात्रों को पहले ही टिकट से वंचित कर दिया गया है तथा कई और पर गाज गिरने की आशंका है. (द हिंदू)

शब्द चर्चा **डॉ. विनय कुमार पाण्डेय**

तुल/तुला/तूल

तात स्वर्ग अपवर्ग सुख धरिअ तुला एक अंग. तूल न ताहि सकल मिलि जो सुख लव सतसंग. गोस्वामी तुलसीदास द्वारा विरचित इस दोहे का मतलब है-हे तात, स्वर्ग और मोक्ष के सभी सुखों को तराजू के एक पलड़े पर रखा जाए तो भी वे सब मिल कर उस सुख के बराबर नहीं हो सकते, जो लव यानी क्षण मात्र के सत्संग से प्राप्त होता है. इस दोहे में तुला और तूल का प्रयोग रूपक अलंकार के रूप में हुआ है. तुला का उपयोग किसी वस्तु को तौलने के लिए किया जाता है. वर्धा हिंदी शब्दकोश में तुलन शब्द को स्थान दिया गया है, जिसका मतलब है तुलने या तौलने की क्रिया या भाव, बराबरी करना, साम्य दिखाना. इसी तुलन शब्द से बनता है तुलना. दो या दो से अधिक चीजों के गुण, मान आदि का एक दूसरे से कम या ज्यादा होने का विचार, मिलान को तुलना कहा जाता है. जो तुलने के योग्य है, वह तुलनीय या तुल्य है. जो तुलना में समान हो, वह तुल्य है जैसे पिता तुल्य. जिसकी किसी से तुलना नहीं की जा सके वह अतुल या अतुल्य है. तुल शब्द से मिलता-जुलता शब्द है तूल. यह तूल शब्द के दो मूल हैं. यानी यह संस्कृत मूल का शब्द तो है ही, अरबी भाषा में भी तूल का प्रयोग होता है और वह अपने मूल रूप में हिंदी में स्थापित हो चुका है. संस्कृत मूलवाले तूल का अर्थ विशेषण के रूप में तुल्य, सदृश, समान तथा संज्ञा पुल्लिंग के रूप में गाढ़ा गहरा लाल रंग, चटकीले लाल रंग का कपड़ा, आसमान, कपास, सेमल, मदार आदि के डोडों के अंदर के रुई की तरह का रेशा, तृण की नोंक, शहतूत का वृक्ष और धतूरा होता है. वहीं अरबी मूल तूल का मतलब है लंबाई की दिशा में विस्तार, लंबाई, बढ़ावा, ढेर. जब कोई बात तूल पकड़ ले तो आप जानते ही हैं कि क्या होता है.

नशा शराब में होता तो नाचती बोतल

• तीर-तुक्का

गोविन्द सेन

शराब में नशा नहीं होता. यदि शराब में नशा होता तो बोतल जरूर नाचती. एक फिल्मी गीतकार ने पूरे आत्म विश्वास के साथ लिखा है-नशा शराब में होता तो नाचती बोतल. चूंकि बोतल नाचती नहीं, इसलिए यह सिध्द हो जाता है कि शराब में नशा नहीं होता. लोग तो फालतू का हव्वा खड़ा कर देते हैं. सौ बार बोलने से कोई झूठ सच तो नहीं हो जाता. फिर आप पूछेंगे कि आखिर नशा होता किसमें है ? कौन-सा नशा सबसे बड़ा होता है, मैं वही बता रहा हूं. सबसे बड़ा नशा होता है सम्मान का नशा. इसमें जो नशा होता है, वह दुनिया की किसी भी नशीली चीज में नहीं. सम्मानित होकर आदमी नशीला हो जाता है. सम्मान उसके सिर पर चढ़कर बैठ जाता है, फिर उतरता नहीं. दुनिया में दो तरह के लोग होते हैं. एक सम्मानित और दूसरे असम्मानित. जो लोग सम्मानित हो जाते हैं, उनकी दृष्टि बदल जाती है. वे दृष्टिवान अपने अलावा दूसरों को असम्मानित समझने लगते हैं. मैं अभी-अभी सम्मानित होकर लौटा हूं और मैंने इस बात को सौ फीसदी सही पाया है. जो शख्स सम्मानित हो जाता है, वह फिर आदमी नहीं रह जाता है. फुग्गे में बदल जाता है. उसके भीतर सम्मान की हवा कुछ इस तरह भर जाती है कि वह अपने नगर में उड़ा-उड़ा घूमता है. सम्मान की हवा भर जाने के कारण उसके पांव जमीन पर नहीं टिकते. वह बेचारा विवश होकर गाता है-आजकल पांव जमीं पर नहीं टिकते क्या करें ! साइकिल पर भी ऐसे चलता है मानो विमान में उड़ रहा हो. वह हवा पर सवार होकर हवा में जीने लगता है. उसका सीना उन्नत हो जाता है. दृष्टि आसमान पर टिकी रहने लगती है. वह भूलोक पर किसी असम्मानित को देखना भी पसंद नहीं करता. दुर्योग से किसी असम्मानित से नजर मिल ही जाए तो नजर फेर लेता है. हाथ भी वह ऊंचे सम्मानितों से ही मिलाना पसंद करता है. सम्मानितों के कई प्रकार और स्तर होते हैं. एक तरफ गली, मोहल्ले, गांव स्तर के सम्मानित तो दूसरी ओर तहसील, जिले, प्रदेश और देश स्तर के सम्मानित. तहसील, जिले, प्रदेश और देश स्तर के सम्मानित गली, मोहल्ले, गांव स्तर के सम्मानितों को हेय दृष्टि से देखते हैं. दो एक जैसे लगने वाले सम्मानितों में भी भेद होता है जैसे नौकरियों में कनिष्ठ, वरिष्ठ आदि का भेद होता है. कनिष्ठ सम्मानित को वरिष्ठ सम्मानित का सम्मान करना पड़ता है. अन्यथा अलिखित सजा भुगतनी पड़ती है. चूंकि सजा अलिखित है, अतः इसे लिखना संभव नहीं. सम्मानित होने के लिए किसी खास काबिलियत की जरूरत नहीं होती. बस जेब भरी और मुट्ठी खुली होनी चाहिए. यही पहली और अंतिम शर्त होती है.

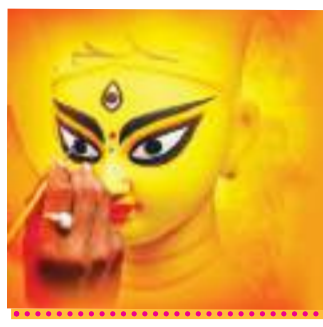

महालया विशेष

आचार्य अजय कुमार मिश्रा

एशो मां आमार घरे

नवरात्र व्रत कर्ता को नवरात्र के प्रथम दिन अश्विन शुक्ल प्रतिपदा ब्रह्ममुहूर्त में सूर्योदय से लगभग डेढ़ घंटे पूर्व शैया त्याग करना चाहिए. इसके बाद नित्य कर्म से निवृत होकर मुख शुद्धि करनी चाहिए. व्रत में दतवन से जिह्वा साफ करना चाहिए. इसके बाद किसी पवित्र तीर्थ या नदी में स्नान करें. आदि संभव न हो तो कुएं के जल से स्नान करें. स्नान के बाद धुले हुए वस्त्र, धोती -गमछा या महिलाएं शुद्ध वस्त्र धारण करें. लाल रंग का वस्त्र उत्तम माना गया है. घर के ईशान कोण में पूर्व दिशा में गाय के गोबर से लिपि हुई भूमि पर यदि गोबर से लिखना संभव न हो तो गंगाजल छिड़क कर भूमि पवित्र करें कंबल के आसन पर उतर या पूर्व दिशा की ओर बैठें. भगवती को याद करते हुए अपनी शिखा बांध लें. स्त्रियां बाल खुला रखें. मस्तक पर चंदन रोली का टीका लगाएं. हाथ में जल लेकर ऊं केशवाय नमः, ऊं नारायणायनाय नमः ऊं गोविन्दाय नमः आचमन करें. इसके बाद भगवान ऋषिकेश को नमस्कार करें. नवरात्र व्रत कथा या दुर्गा सप्तशती का चंदन, पुष्प, धूप, दीप और नैवेद्य से पूजन करें. स्मरण रहे कि कलश स्थापना अभिजीत मुहूर्त में ही हो. नवरात्र का आरंभ अमावस्या से युक्त प्रतिपदा में ना करें. द्वितीय युक्त प्रतिपदा उत्तम है. नवरात्र पूजा कलश स्थापना और बिना कलश स्थापना के भी होता हैं.

कैसे शुरू करें पूजा

सर्वप्रथम हाथ में अक्षत, पुष्प, द्रव्य, और जल लेकर संकल्प करें. संकल्प मंत्र....
ओम विष्णुः विष्णुः विष्णुः श्रीमद् भगवतो महापुरुषस्य विष्णुराज्ञया पर्वतमानस्याद्य ब्राह्मणोह्नि द्वितीय परार्द्धे श्रीश्वेतवाराहकल्पे वैवस्वत मन्वंतरे अष्टाविंशतमे युगे कलियुगे चरण प्रथम जम्मूदीपे भारतवर्षे भरतखण्डे आर्यावर्तदेशांतर अंतर्गति नगरे ग्रामे क्षेत्रे संवत्सरे आश्विन मासे शुक्ल पक्षे प्रतिपदायां तिथौ चन्द्रवासरे प्रातः काले (अपना)गोत्र/ नाम/ शर्मा/वर्मा/गुप्तोअहम् नवरात्र व्रत देवी पूजनं नवदुर्गा पूजनं करिष्ये.
इसके बाद रक्षा दीप जलाएं और गणेश गौरी का पूजन करें गणेश का निर्माण गाय के गोबर से करें. इसके बाद कलश में रोली से स्वास्तिक बना कर गले में मौली लपेटें, भूमि पर अष्टदल बनाकर बालू, जौ पर कलश रखें. कलश में गंगाजल, पंचपल्लव, पूर्णपात्र तथा लाल कपड़े में लपेटकर नारियल रखें. हाथ में लाल पुष्प लेकर देवी का ध्यान करें. ध्यान मंत्र पढ़ें-

ऊं नमो देव्यै महादेव्यै शिवायै सततं नमः।
नमः प्रकृत्यै भद्रायै नियताः प्रणताः स्मताम्।।

कलश पर हाथ रखकर देवी की प्रतिष्ठा करें. श्री दुर्गाय नमः का कहकर जल गंगाजल, दूध, गुड़, घी, मधु, वस्त्र अर्पित करें.

प्रार्थना मंत्र

या देवी सर्वभूतेषु मातृरूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः

पूजन के बाद दुर्गा सप्तशती का पाठ करना चाहिए. पाठ समापन के बाद कपूर से आरती तथा पुष्पांजलि अर्पित करना चाहिए. अंत में क्षमा याचना करें.

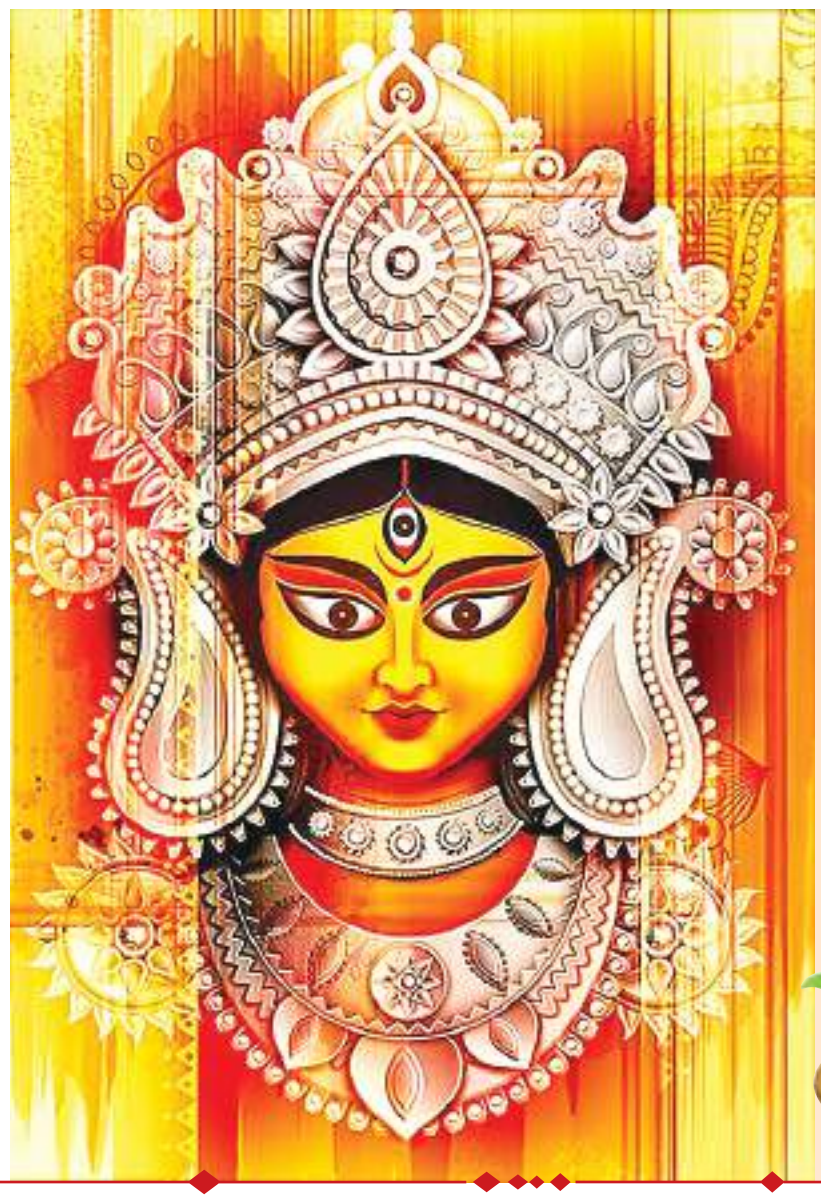

घटस्थापना तिथि : रविवार 15 अक्टूबर

घटस्थापना मुहूर्त : प्रातः 06:30 मिनट से प्रातः 08:47 मिनट तक

अभिजित मुहूर्त सुबह 11:36 मिनट से दोपहर 12:24 मिनट तक (अभिजित मुहूर्त में देवी की स्थापना सबसे शुभ मानी जाती है)

हाथी पर आ रही हैं मां बढ़ेगा धन-धान्य का भंडार

आचार्य प्रणव मिश्रा

देवी भागवत पुराण में बताया गया है कि महालया के दिन जब पितृगण धरती से लौटते हैं तब मां दुर्गा अपने परिवार और गणों के साथ पृथ्वी पर आती हैं. जिस दिन नवरात्र का आरंभ होता है उस दिन के हिसाब से माता हर बार अलग-अलग वाहनों से आती हैं. माता का अलग-अलग वाहनों से आना भविष्य के लिए संकेत भी होता है जिससे पता चलता है कि आने वाला साल कैसा रहेगा. इस साल माता का वाहन हाथी होगा क्योंकि नवरात्रि का आरंभ रविवार से हो रहा है. इस विषय में देवी भागवत पुराण में इस प्रकार लिखा गया है कि रविवार और सोमवार को नवरात्रि आरंभ होने पर माता हाथी पर चढकर आती हैं जिससे खूब अच्छी वर्षा होती है.खेती अच्छी होगी. देश में अन्न धन का भंडार बढ़ेगा. देवीभाग्वत पुराण में जिक्र किया गया है कि

**शशि सूर्य गजरुढा शनिभौमै तुरंगमे।
गुरौशुक्रेच दोलायां बुधे नौकाप्रकीर्तिता.**

इस श्लोक में सप्ताह के सातों दिनों के अनुसार देवी के आगमन का अलग-अलग वाहन बताया गया है.

पुरनो दिनेर मनेर कथा

महालया यानी त्योहार के दिनों की आहट. माहौल उत्सवी हो जाता है और मां की अराधना के लिए मन मुस्तैद. बंगाली परिवारों में इस दिन की अलग रौनक, अलग माहौल होता. बंगला भाषियों में भोर से ही चंडी पाठ (गायक वीरेंद्र कृष्ण भद्र) के श्रवण की परंपरा रही है. तब सुबह ही इसका प्रसारण होता था और छूटने पर पुनः सुनने की सुविधा सहज नहीं थी. अब जब भी उठो एक क्लिक में इसका पाठ सुना जा सकता. माहौल में और भी कई तब्दिलियां आईं हैं. महालया के बहाने यादों के आंगन की एक सैर.

महालया से शुरू हो जाता था नाटकों का दौर

डॉ कमल बोस

महालया पूजारंभ का अहसास दिलाता है. एक पारंपरिक अनुष्ठान महानंद की अनुभूति दिलाता है, महालया. दुर्गापूजा के इतिहास, पूजन के दर्शन, भगवती की भक्ति शक्ति की व्याख्या मन को आह्लादित करती है. वीरेंद्र कृष्ण भद्र की मखमली आवाज़ में भक्तिमय गीतगायन मंत्रमुग्ध करता था. आज भी अलस्सुबह जब महालया सुनता हूं, बचपन की मधुर यादों के झरोखों से मन अतीत में पहुंच जाता है. बचपन में सुबह चार बजने का इंतजार, घड़ी में अलार्म लगाना नहीं भूलना, सुबह उठकर रेडियो के सामने बैठ जाना, भद्र जी की जादुई आवाज़, उनके स्वर के आरोह अवरोह में डोलता मन, झूमता मन, मतवाला होता मन आज भी मन रोमांचित हो जाता है. लगभग डेढ़ घंटे का भक्तिमय सफर पूरे मन को पवित्र देता.
कलश स्थापना के साथ पूजा का उत्सव शुरू होता है. महालया से हमारी मांगें बढ़ने लगती थी घर में. अच्छा खाना, अच्छा पहनना, पूजा भर की योजना बनाना.. गांव में पंडाल बनने की गति बढ़ जाती थी. उसमें हम भी शामिल होते. हमारे गांव में नाटक खेलने की परंपरा पुरानी है. पूजा में तीन दिन नाटक आदि खेलने की परंपरा थी. बहुत मन लगता था सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने में. मजेदार बात यह लगती थी कि महालया के दिन से ही पढ़ने लिखने की पूरी छुट्टी हो जाती थी. सिर्फ मौज मस्तीकिस बच्चे को पसंद नही होगा.
आज की चमक दमक से भरा माहौल महालया और पूजा से जुड़ी अनमोल यादगार यादों की रौनक के समक्ष फीका लगता है.

रेडियो में लगती थी नई बैटरी

मुक्ति मानोशी

हमारे मरफी रेडियो में एवरेडी की नयी बैटरी डाली जाती थी. सुबह चार बजे हम सभी दरी या चटाई बिछाकर बैठ जाते थे. रेडियो में श्री वीरेन्द्र कृष्ण भद्र का चंडी पाठ आरंभ होता - या चंडी मधुकैटैयी भादि दैत्य दलनी फिर गाना होता बाजलो रे तोमार आलोर बेणु/ मातलो रे भुवन. मंत्र मुग्ध होकर सुनते थे सभी. अर्थ भले ही उस समय समझ नहीं पाती थी, पर उत्सव के रंग जाती. फिर बाबा, काका, बड़े बाबा कुएं के किनारे तर्पण करते. उन दिनों महालया के दिन हम जलेबी कचौड़ी जरूर खाते थे, आज भी कोशिश रहती है.
आंगन के दक्षिण कोण में एक हरश्रृंगार का पेड़ था. मां उसके नीचे गोबर से लेप देती. फिर रात में पेड़ के नीचे एक सफेद धोती बिछा दिया करती थी. उससे मां की पूजा होती थी. पर शैशव की महालया की यादें कभी धूमिल नहीं होती है.

छूट न जाए महालया का कोई अंश

डॉ पंपा सेन विश्वास

हम सुबह-सुबह उठ जाते थे, चार बजे ही. डर होता कि नहीं उठे तो रेडियो पर महालया के प्रसारण का कुछ अंश छूट जाएगा. डेढ़ घंटे तक घर का माहौल ही अलग होता, बेहद भक्तिमय वातारण, शब्दों को प्रसाद की तरह ग्रहण करता. अभी भी वही उत्साह है पर बच्चों को सुबह अब नहीं उठा सकते, तुरंत जवाब मिलेगा, रिकॉडिंग सुन लेंगे. बेशक सुनते भी हैं और उसी श्रद्धा भाव से सुनते हैं, लेकिन रेडियो में सुनने का बचपन का वह अनुभव भुलाए नहीं भूलता. इसके बाद परिवार के बड़े-बुजुर्ग तर्पण में जुट जाते और हम बच्चे अपने नए कपड़े-जूतों के साथ प्लानिंग करते कि कब क्या पहनें. अब तो साल भर कपड़े खरीदते रहते हैं, तब जब साल में एक बार दुर्गा पूजा के लिए ही कपड़े आदि की खरीदारी होती थी, तब का उत्साह ही कुछ और था.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

महालया आज

ऐसे करें अपने पितरों को तृप्त

आश्विन कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि से आश्विन कृष्ण अमावस्या तक पितृपक्ष महालया का विशेष महत्व माना गया है. इस अवधि में सभी पितृगण तर्पण और पिंडदान के लिए पुत्र आदि से विशेष रूप से आकांक्षा रखते हैं. जिस प्रकार किसी व्रत या यज्ञ को सपंन्न करने के पश्चात उसकी पूर्णाहुति या विसर्जन अनिवार्य है, उसी प्रकार आश्विन कृष्ण पक्ष प्रतिपदा से आश्विन कृष्ण पक्ष अमावस्या तक तर्पण, श्राद्ध आदि कर्म के पश्चात पितरों का विसर्जन करने का विधान है. घर की रसोई में तैयार हुई सभी भोज्य सामग्री पत्तल में पांच जगह निकालकर हाथ में द्रव्य, अक्षत, जल लेकर सकंल्प करें- ऊं अद्य मासानाम मासोतमेआश्विन मासेकृष्ण पक्षेअमावस्यांति थौ रवि वासरेअमकु गौत्रे अमकु नमाहम महालया श्राद्धे कृत्यस्य पाकस्य शद्धयर्थ पंच बलि दान कर्म करिष्ये. माता-पिता के श्राद्ध के दिन सामर्थ्य के अनुसार ब्राह्मण को भोजन, अन्नदान व गाय को घास अवश्य दें.
सामान्यतः श्राद्ध की दो प्रक्रिया है - पिण्डदान और ब्राह्मण भोजन.
मृत्यु के बाद जो लोग देवलोक या पितृलोक मे पहुंचते हैं, वे मंत्रों द्वारा बुलाए जाने पर उन- उन लोकों से तत्क्षण श्राद्धदेश में आ जाते हैं और निमंत्रित ब्राह्मणों के माध्यम से भोजन ग्रहण करते हैं. वे तृप्त हो जाते हैं. वेद में उल्लेखित है कि ब्राह्मणों को भोजन करने से पितरों को प्राप्त हो जाता है.

निम्न मंत्र से पितरों का विसर्जन करें

वाजे वाजेवत वाजिनो नो धनुषु विप्राअमृता ऋतज्ञा।
अस्य मध्वः पिबत मादयध्वंतृप्ता यात पथिभिर्देवायानैः॥

इन मंत्रों द्वारा विष्णु भगवान से प्रार्थना करें-

प्रमादात कुर्वतां कर्म प्रच्यवेताध्वरेषुयत् ।
स्मरणादेव तद्विष्णोः सम्पूर्ण स्यादिति श्रुतिः ॥

यस्य स्मृत्या च नमोक्त्या तपोयज्ञ क्रियादिषु ।
न्यून सम्पूर्णतां याति सद्यो वन्दे तम च्युतम् ॥

यत्पाद पंकजस्मरणाद् यस्य नामपजादपि।
न्यूनं कर्म भवेत पूर्णं तं वन्दे साम्बगीश्वरम् ॥

ॐ विष्णवे नमः । ॐ विष्णवे नमः । ॐ विष्णवे नमः।

- आचार्य अजय कुमार मिश्रा

नवरात्रि और पितृपक्ष का यह संधिकाल

सारिका भूषण

महालया का मूल अर्थ कुल देवी-देवता व पितरों का आवाहन है. 15 दिनों तक पितृपक्ष तिथि होती है और महालया के दिन सभी पितरों का विसर्जन होता है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, महालया से दुर्गा पूजा की शुरुआत हो जाती है. सनातन धर्म में महालया का बहुत ही विशेष महत्व होता है. हिंदू पंचांग के अनुसार, महालया के दिन को नवरात्रि और पितृपक्ष की संधिकाल भी कहते हैं. माना जाता है कि मां दुर्गा नवरात्रि में धरती पर आने के लिए महालया के दिन ही कैलाश पर्वत से सपरिवार विदा हो कर नीचे आती हैं.
पंचाग के अनुसार, इस साल महालया और पितृपक्ष अमावस्या दोनों एक ही दिन 14 अक्टूबर 2023, शनिवार के दिन होगा. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन मूर्तिकार मां दुर्गा की आंखें तैयार करते हैं और इसके साथ मां दुर्गा की मूर्तियों के अंतिम रूप भी देना शुरू कर देते हैं.

ब्रह्मा, विष्णु व रुद्र हैं माता के ही रूप

महालया से ही हम शुरू करते हैं शक्ति की उपासना करना. मां दुर्गा हमारी आत्मशक्ति है और अपनी योगमाया से वह हमें नियंत्रित करती है. ब्रह्मा, विष्णु और रुद्र माता के ही रूप हैं. आठों वसु, एकादश रुद्र, द्वादश आदित्य और विश्व देवता भी माता के ही रूप हैं. आकाश में चमकने वाले ग्रह - नक्षत्र और ज्योतिष्पिण्ड माता के ही विग्रह कहे जाते हैं.

झूठ, अज्ञान होता नष्ट

मां दुर्गा के तीन रूप - महाकाली, महालक्ष्मी और महासरस्वती प्रसिद्ध हैं. महाकाली प्रचंड वेग से दौड़ती है और झूठ, आलस्य, द्वेष, अज्ञान और जड़ता को नष्ट करती है. हमारे आसपास जो भी अशुभ, असुंदर, निस्तेज और मलिन है, वह सब महाकाली के रौद्र रूप के सम्मुख भस्म हो जाता है. इसके बिना महालक्ष्मी अपना साम्राज्य स्थापित नहीं कर सकती. महालक्ष्मी के आकर्षण में यह विश्व सुंदर श्रृंगार में झिलमिलाने लगता है, प्रेम का झरना बहने लगता है, जिजीविषा प्रबल हो उठती है और फिर जब महासरस्वती का उदय होता है तब प्रकृति के ऋतुसंहार में मन मयूर नाचने लगता है, देवमृदंग बजने लगते हैं. कर्म में प्राणशक्ति का संचार होने लगता है और एक प्रयोगविज्ञान स्वर्ग के शिखाग्र तक पहुंचकर भविष्य के द्वार खोल आता है.

मातृ शक्ति जीवन का आधार

मां, ममता का पर्याय है. तभी तो इतने अवगुणों से हमारे ग्रस्त होने के बावजूद हम पर उसकी ममता की छांव है. वह हमारे भीतर के सौंदर्य और सामंजस्य की अभीप्सा जगाती है और देवप्रतिष्ठा के लिए अनुकूल प्रवेश बनाती है. हमारी आत्मशक्ति को जागृत करती है. ताकि हम अच्छे - बुरे में भेदभाव कर सके. अपनी सुसुप्त इंद्रियों को जगा सके और शोषण और अत्याचार के खिलाफ एक आवाज़ बन सके.
भारतीय परंपरा में शक्ति का संबंध दुर्गा से ही है और यही दुर्गा आदिशक्ति हैं. शक्ति का संबंध स्त्री यानी मातृ शक्ति से है. यही मातृ शक्ति जीवन का आधार है, जिसके बिना जीवन संभव नहीं है. हमारे जीवन में यह शक्ति विविध रूपों में उपस्थित है. पूजा - अर्चना समाज में मातृ शक्ति की श्रेष्ठता और उसके प्रति आस्था का प्रमाण है.
मां दुर्गा एक दैवीय ऊर्जा है जो हमारे अंदर निहित है. यही हमारी आत्मशक्ति है जो हमें सम्पूर्ण जाति से प्रेम करना सिखाती है. लेकिन यह दुर्बल और अन्याय सहन नहीं करने वाली नहीं है. हमारे अंदर निहित इस अनंत शक्ति का बोध करना होगा और यही पूजा का उद्देश्य भी है. प्रतिदिन शक्तिरूप को ध्यान में रखकर प्रार्थना करें और पंचेन्द्रिय एवं सभी रिपुओं की उनकी चरणों पर बलि चढ़ाएं.

अंक तालिका

रैंक	टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
1	न्यूजीलैंड	03	03	00	06	+1.604
2	दक्षिण अफ्रीका	02	04	00	04	+2.360
3	भारत	02	02	00	04	+1.500
4	पाकिस्तान	02	02	00	04	+0.927
5	इंग्लैंड	02	01	01	02	+0.553
6	बांग्लादेश	02	01	01	02	-0.699
7	श्रीलंका	02	00	02	00	-1.161
8	नीदरलैंड	02	00	02	00	-1.800
9	ऑस्ट्रेलिया	02	00	02	00	-1.846
10	अफगानिस्तान	02	00	02	00	-1.907

एक नजर में

बांग्लादेश 245/9 — प्लेयर ऑफ द मैच लॉकी फर्ग्यूसन 3 विकेट — न्यूजीलैंड 248/2

फील्ड कॉर्नर

अहमदाबाद। भारत और पाकिस्तान के मैच के पहले पूरी तरह से तैयार है नरेंद्र मोदी स्टेडियम.

आगे कौन

सबसे अधिक रन
209

क्विंटन डिकॉक, द. अफ्रीका

सबसे अधिक विकेट
07

सैंटनर, न्यूजीलैंड

सिक्सर किंग कुशाल मेंडिस : 14

बाउंड्री

6	4
135	543

भारत और पाकिस्तान का हाई वोल्टेज मुकाबला आज

विश्व कप का 'सबसे बड़ा' शो

टीमें

भारत : रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पंड्या, शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, लोकेश राहुल, रविंद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी, रविचंद्रन अश्विन इशान किशन ,सूर्यकुमार यादव.

VS

मैच दोपहर 2 :00 बजे से

पाकिस्तान: बाबर आजम (कप्तान), शादाब खान, फखर जमां, इमाम-उल-हक, अब्दुल्ला शफीक, मोहम्मद रिजवान, सऊद शकील, इफ्तिखार अहमद, सलमान अली आगा, मोहम्मद नवाज, उसामा मीर, हारिस राउफ, हसन अली, शाहीन अफरीदी और मोहम्मद वसीम.

भाषा। अहमदाबाद

भारत और पाकिस्तान के बीच विश्व कप का सबसे बड़ा मुकाबला शनिवार को अहमदबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा. रोहित शर्मा का संतुलन, विराट कोहली का जज्बा और जसप्रीत बुमराह की कलात्मकता भारत को यहां होने वाले विश्व कप मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ जीत का प्रबल दावेदार बनाते हैं. इस मुकाबले का हालांकि सामाजिक-राजनीतिक संदर्भ भी है और इसका असर 22 गज की पिच के इतर भी होगा. कागज पर भारत कहीं बेहतर टीम है और बल्लेबाजी क्रम में कई स्टार मौजूद हैं और ऐसे में पाकिस्तान के नजरिए से बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी का पहला स्पैल काफी महत्वपूर्ण होगा. यह एक ऐसा मैच है जहां भावनात्मक पहलू भी भूमिका निभाते हैं और इसने पिछले कुछ वर्षों में समान संख्या में नायक और खलनायक पैदा किए हैं. जावेद मियांदाद और चेतन शर्मा, सलीम मलिक और मनिंदर सिंह, अजय जडेजा और वकार यूनिस, ऋषिकेश कानिटकर और सकलेन मुश्ताक, सचिन तेंदुलकर और शोएब अख्तर, विराट कोहली और वहाब रियाज, जोगिंदर शर्मा और मिसबाह उल हक (टी20 विश्व कप में) से पूछें. यह प्रतियोगिता पीड़ा और परम आनंद, खुशी और दिल तोड़ने वाले उदाहरणों से भरी हुई है, जो कभी खत्म नहीं होते. उर्दू में शाहीन का अर्थ है 'पक्षियों का राजा' और रोहित को एक लाख 32 हजार दर्शकों की क्षमता वाले भव्य स्टेडियम में उनके पंख जल्द काटने में कोई आपत्ति नहीं होगी. डेंगू के बाद शुभमन गिल अच्छी तरह से ठीक हो रहे हैं और अगर वह शाहीन के साथ वही करने के लिए तैयार हैं .जो उन्होंने कोलंबो में एशिया कप में पावरप्ले में आधा दर्जन चौकों के साथ किया था.

विश्व कप में भारत-पाक इतिहास

1992	43 रन से जीता भारत
1996	39 रन से जीता भारत
1999	47 रन से जीता भारत
2003	6 विकेट से जीता भारत
2011	29 रन से जीता भारत
2015	76 रन से जीता भारत
2019	89 रन से जीता भारत

विश्व कप में भारत-पाक मैच के कुछ रिकॉर्ड

सर्वाधिक विकेट

भारत — वेंकटेश प्रसाद, 8 विकेट
पाकिस्तान — वहाब रियाज, 7 विकेट

सर्वाधिक रन

भारत — सचिन तेंदुलकर, 313 रन
पाकिस्तान — सईद अनवर, 185

हेड टू हेड

वनडे विश्व कप में भारत का दबदबा

भारत		पाकिस्तान
07	जीत	00
00	हार	07
00	रद्द	00

वनडे में पकिस्तान का पलड़ा भारी

	मैच	जीत	हार	रद्द
भारत	132	55	73	4
पाकिस्तान	132	73	55	4

भारत- पाक के बीच पिछले पांच वनडे

- **2023 :** भारत ने एशिया कप में पाकिस्तान को 228 रनों के विशाल अंतर से हराया
- **2023 :** बारिश के चलते एशिया कप का मैच रद्द
- **2019 :** विश्व कप में भारत ने पाकिस्तान को 89 रनों से पराजित किया
- **2018 :** एशिया कप के सुपर फोर मैच में भारत ने पाकिस्तान को 9 विकेट से हराया
- **2018 :** एशिया कप के लीग मैच में भारत ने पाकिस्तान को 8 विकेट से पराजित किया

स्पिनरों की कमी के कारण पाक को हो सकती है दिक्कत

स्तरीय स्पिनरों की कमी के कारण भी पाकिस्तान की राह मुश्किल होगी. पाकिस्तान के उप कप्तान शादाब खान ने दो मैच में 16 ओवरों में 100 रन दिए हैं और वह नई गेंद के गेंदबाज हसन अली के साथ भारतीयों के लिए आसान लक्ष्य हो सकते हैं. दूसरे स्पिनर को भी नहीं भूलना चाहिए जो अब तक पाकिस्तान की कमजोर कड़ी रहा है. खराब मौसम का पूर्वानुमान है लेकिन कोई नहीं चाहता कि क्रिकेट के मुकाबले में बाधा पड़े.

आकृति-सोहिनी ने अंडर-16 का युगल खिताब जीता

नई दिल्ली। महाराष्ट्र की आकृति नारायण और ओडिशा की सोहिनी ने फेनेस्टा ओपन राष्ट्रीय टेनिस चैंपियनशिप में शुक्रवार को लड़कियों का अंडर 16 खिताब जीता. दोनों ने नयनिका बेंडराम और इशि माहेश्वरी को 6- 4, 6- 4 से हराया. लड़कों के अंडर-16 युगल वर्ग में गुजरात के व्रज गोहिल और महाराष्ट्र के समर्थ सहिता ने गुजरात के कबीर चोथानी और उत्तराखंड के अर्नव यादव को 7-5, 6-2 से मात दी. लड़कों के अंडर-14 युगल वर्ग में तेलंगाना के रूतिक के और हरियाणा के तवीश पाहवा ने शौर्य भारद्वाज और रणवीर सिंह को 6- 4, 7-5 से हराया. लड़कियों के वर्ग में पश्चिम बंगाल की अलीना फरीद और ओडिशा की आराध्या वर्मा ने खिताब जीता. अंडर-14 एकल वर्ग में रूतिक ने अनुराग कालाम्बेला को 6-4, 6-1 से हराकर फाइनल में जगह बनाई.

अर्जेंटीना ने पैराग्वे को 1-0 से पराजित किया

साओ पाउलो। चोट के बाद वापसी कर रहे लियोनल मेस्सी के शॉट दो बार गोल पोस्ट से टकराए लेकिन इसके बावजूद दक्षिण अमेरिका फुटबॉल विश्व कप क्वालीफाइंग मुकाबले में अर्जेन्टीना ने पैराग्वे को 1-0 से हराया. अर्जेंटीना की ओर से मैच का एकमात्र गोल तीसरे मिनट में डिफेंडर निकोलस ओतामेंदी ने दागा. दक्षिण अमेरिका में अर्जेंटीना के सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी ब्राजील को हालांकि सुइयाब में हूटिंग का सामना करना पड़ा जब मेजबान टीम ने वेनेजुएला से 1-1 से ड्रॉ खेला.

न्यूजीलैंड ने लगायी जीत की हैट्रिक

भाषा। चेन्नई

न्यूजीलैंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व कप में जीत की हैट्रिक लगा दी. मिचेल और विलियमसन की शानदार पारी के बदौलत 8 विकेट से जीत दर्ज की. बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवरों में 245 रन बनाए. बांग्लादेश की ओर से मुस्तफिजुर रहमान ने सर्वाधिक 66 रन बनाए. वहीं न्यूजीलैंड की ओर से लॉकी फर्ग्यूसन ने तीन विकेट चटकाए. लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड ने दो विकेट के नुकसान पर लक्ष्य को हासिल कर लिया. न्यूजीलैंड के लिए मिचेल नें सर्वाधिक 89 रनों की पारी खेली वहीं विलियमसन ने 78 रन बनाए.

92 रन पर दूसरा विकेट गंवाने के बाद कप्तान केन विलियमसन ने डेरिल मिचेल के साथ न्यूजीलैंड को संभाला और टीम को आसान जीत दिलायी.

ओलंपिक 2028 में हो सकता है टी-20 क्रिकेट

भाषा। मुंबई

लॉस एंजिलिस ओलंपिक खेल 2028 में क्रिकेट शामिल होने जा रहा है चूंकि अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के कार्यकारी बोर्ड ने शुक्रवार को इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी. आईओसी के कार्यकारी बोर्ड की यहां थॉमस बाख की अध्यक्षता में बैठक हुई जिसमें टी-20 क्रिकेट, बेसबॉल - साफ्टबॉल, फ्लैग फुटबॉल, लेक्रोस (सिक्सेस) और स्क्वाश को भी 2028 खेलों में शामिल करने को मंजूरी मिली. इस प्रस्ताव पर रविवार को आईओसी के सत्र के दौरान मतदान होगा. बाख ने कहा कि ये पांच खेल सिर्फ 2028 लॉस एंजिलिस खेलों में शामिल किये जायेंगे. कार्यकारी बोर्ड की दो दिवसीय बैठक के बाद बाख ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि आईओसी को तीन अलग अलग फैसले लेने पड़े. पहला लॉस एंजिलिस ओलंपिक आयोजन समिति के पांच नये खेलों को शामिल करने के प्रस्ताव से जुड़ा था.

ये पांच खेल क्रिकेट, बेसबॉल - साफ्टबॉल, फ्लैग फुटबॉल, लेक्रोस (सिक्सेस) और स्क्वाश हैं. उन्होंने कहा कि हमने क्रिकेट खासकर टी-20 प्रारूप की बढती लोकप्रियता देखी है. पचास ओवरों का विश्व कप भी बेहद कामयाब हो चुका है.अगर मंजूरी मिल जाती है तो क्रिकेट 1900 के बाद पहली बार ओलंपिक का हिस्सा होगा.

ओलंपिक 2028

- आईओसी के कार्यकारी बोर्ड ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दी
- बेसबॉल, फ्लैग फुटबॉल, लेक्रोस व स्क्वाश को भी मंजूरी मिली

खेलो झारखंड रांची के खेल गांव में राज्य स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता संपन्न

बालक वर्ग में रांची की टीम बनीं चैंपियन

खेल संवाददाता। रांची

रांची के खेल गांव में स्कूली शिक्षा साक्षरता विभाग के द्वारा आयोजित खेलो झारखंड राज्य स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता का समापना हुआ. इस प्रतियोगिता के तीनों वर्गों में रांची की टीम चैंपियन बनी. विजेताओं को राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन सोरेंग, जेएसएसपीएस के सीईओ मुकुल टोपनो, राज्य खो-खो संघ के महासचिव संतोष प्रसाद, रेफरी बेर्ड के चेयरमैन अनिल प्रसाद, अंतरराष्ट्रीय रेफरी सुरेश नारायण सिंह और तपन राऊत ने पदक और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया.

धीरसेन ए सोरेंग ने बताया कि अंडर 14/17/19 बालक एवं बालिका वर्ग के लिए अयोजित इस प्रतियोगिता में राज्य के 1728 खिलाड़ी, 288 कोच मैनेजर ने भाग लिया.

परिणाम

अंडर- 14 बालक	अंडर- 17 बालक	अंडर- 19 बालक
विजेता - रांची	विजेता - रांची एवं सरायकेला (संयुक्त विजेता)	विजेता - रांची
उपविजेता - दुमका	तीसरा स्थान - रामगढ़	उपविजेता - बोकारो
तीसरा स्थान - गुमला	अंडर- 17 बालिका	तीसरा स्थान - ईस्ट सिंहभूम
अंडर- 14 बालिका	विजेता - पलामू	अंडर- 19 बालिका
विजेता - सरायकेला खरसावां	उपविजेता - गुमला	विजेता - पलामू
उपविजेता - वेस्ट सिंहभूम	तीसरा स्थान - रांची	उपविजेता - गुमला
तीसरा स्थान - रामगढ़		तीसरा स्थान - ईस्ट सिंहभूम

केरेडारी में नमो फुटबॉल टूर्नामेंट का आगाज

हजारीबाग। हजारीबाग के सदर विधायक मनीष जायसवाल के सौजन्य से आयोजित जिले का सबसे बड़ा और लोकप्रिय फुटबॉल टूर्नामेंट- 2003 का आयोजन पहली बार केरेडारी प्रखंड में हुआ. केरेडारी प्रखंड के कृषि फार्म मैदान में शुक्रवार को नमो फुटबॉल टूर्नामेंट-2023 का भव्य आगाज हुआ. इस टूर्नामेंट- में केरेडारी प्रखंड क्षेत्र की सभी 16 पंचायतों के कुल 40 टीमों ने भाग लिया है.

टूर्नामेंट का पहला मैच पटेल स्पोर्टिंग क्लब, खपिया (बुंडू पंचायत) बनाम संगम स्पोर्टिंग क्लब, लाजिदाग (मानतु पंचायत) के टीम के बीच खेला गया. टूर्नामेंट में निर्णायक रेफरी की भूमिका में ज्ञानी कुमार साव, दीपक दीना और लाइंसमेन के रूप में अरविंद दास, नीतीश कुमार दास, मो. क़ासिम और विकास कुमार हैं.

राइवल क्लब ने लट्टू उरांव क्लब को हराया

संवाददाता। चाईबासा

एसआर रुंगटा बी-डिविजन जिला क्रिकेट लीग के अंतर्गत खेले गए मैच में शुक्रवार को रायवल क्रिकेट क्लब गुवा की टीम ने कप्तान विक्की सिंह के शानदार हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत लट्टू उरांव क्रिकेट क्लब चक्रधरपुर को 34 रनों से पराजित कर पूरे चार अंक हासिल किए. स्थानीय बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम मैदान पर खेले गए मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए रायवल क्लब ने निर्धारित तीस ओवर में नौ विकेट खोकर 201 रन बनाए. रतिकांत महंता ने चार चौकों एवं दो छक्कों की मदद से 42 रन, उद्घाटक बल्लेबाज रोहित गुप्ता ने आठ चौकों की मदद से 41 रन, मनीष करवा ने 30 रन, विकेटकीपर बल्लेबाज निकेत सिंह ने 29 रन तथा कप्तान विक्की सिंह ने 28 रन बनाए. लट्टू उरांव क्रिकेट क्लब की ओर से गेंदबाजी करते हुए सागर कुमार ने 13 रन देकर तीन विकेट, शुभम ओझा ने 27 रन देकर दो विकेट तथा मोहित कुमार शर्मा ने 38 रन देकर दो विकेट हासिल किए.

जीत के लिए निर्धारित लक्ष्य का पीछा करने उतरी लट्टू उरांव क्रिकेट क्लब की टीम ने भी भरपूर प्रयास किया. लेकिन पूरे 30 ओवर खेलकर आठ विकेट के नुकसान पर 167 रन ही जुटा पाई और 34 रन से मैच गंवा बैठी. इस टीम की ओर से एकमात्र सफल बल्लेबाज सम्राट अभिषेक रहा. जिसने चार चौकों एवं पांच छक्कों की मदद से 76 रन बनाए और अंत तक नाबाद रहा. अन्य कोई भी बल्लेबाज उनका उल्लेखनीय साथ नहीं दे पाया और टीम पूरे निर्धारित ओवर खेलकर भी पिछड़ गई. राइवल क्लव गुवा की ओर से विक्की सिंह ने 23 रन देकर तीन विकेट तथा राज लकड़ा ने 37 रन देकर दो विकेट अपने नाम किए.

विक्की सिंह ने राइवल क्लब किया ऑलराउंड प्रदर्शन

भारत सीमा पार आतंकवाद का सामना कर रहा है, जिसमें हजारों निर्दोष की जानें गई हैं

यह वक्त साथ मिलकर आगे बढ़ने का है: पीएम मोदी

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि दुनिया आज जो संघर्ष और टकराव का सामना कर रही है उनसे किसी को कोई लाभ नहीं होगा, बल्कि दुनिया को मानव केन्द्रित रुख के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है.

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जी20 देशों की संसद के स्पीकर और संसदीय प्रतिनिधिमंडल के शिखर सम्मेलन में यह बात कही. प्रधानमंत्री ने साथ ही कहा कि हमें वैश्विक तौर पर एक दूसरे पर भरोसा करने के रास्ते में आने वाली बाधाओं को भी दूर करना होगा. उन्होंने कहा कि यह वक्त शांति और भाईचारे का है और साथ मिलकर आगे बढ़ने का है. उनका यह बयान ऐसे समय पर आया है जब फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह हमास की ओर से शनिवार को इजराइल पर ताबड़तोड़ हवाई हमले किए गए और बदले में इजराइली रक्षा बलों (आईडीएफ) की कार्रवाई चल रही है. मोदी ने संसद भवन पर करीब 20 वर्ष पहले हुए हमले का जिक्र करते हुए कहा कि भारत सीमा पार से आतंकवाद का सामना कर रहा है जिसमें हजारों निर्दोष लोगों की जानें गई हैं. प्रधानमंत्री ने कहा कि पूरी दुनिया अब यह अहसास कर रही है कि आतंकवाद कितनी बड़ी चुनौती है. उन्होंने कहा कि आतंकवाद मानवता के खिलाफ है. उन्होंने कहा कि जी20 की अध्यक्षता ने पूरे वर्ष भारत में उल्लेखनीय गतिविधियां सुनिश्चित कीं, चंद्रमा की सतह पर उतरने में भारत को मिली सफलता ने जश्न को और बढ़ा दिया.

9वें पी20 सम्मेलन के दौरान संबोधित करते पीएम

खास बातें
- संघर्ष और टकराव से किसी को लाभ नहीं होता
- दुनिया को हुआ एहसास, आतंकवाद बड़ी चुनौती है

ईवीएम से चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता बढ़ी है

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि लगभग 100 करोड़ भारतीय अगले वर्ष लोकसभा चुनाव में मतदान करने के पात्र होंगे. इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) ने देश की चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता और दक्षता बढ़ा दी है. 2019 के लोकसभा चुनाव में भारी मतदान देश की संसदीय परंपराओं में लोगों के भरोसे को दर्शाता है. पिछले संसदीय चुनाव में 91 करोड़ पात्र मतदाताओं में से 67 प्रतिशत से अधिक ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया था.

तेलंगाना कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष लक्ष्मैया ने दिया इस्तीफा

हैदराबाद। कांग्रेस की तेलंगाना इकाई के पूर्व अध्यक्ष पोन्नाला लक्ष्मैया ने पार्टी के भीतर अन्यायपूर्ण माहौल होने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया है. उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को अपना त्यागपत्र भेजा है. विधानसभा चुनाव से ठीक पहले तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष का इस्तीफा पार्टी के लिए झटका माना जा रहा है. लक्ष्मैया ने अपने त्यागपत्र में आरोप लगाया कि जब तेलंगाना के पिछड़े वर्ग के 50 नेताओं का एक समूह पिछड़े वर्गों के वास्ते प्राथमिकता का अनुरोध करने के लिए दिल्ली गया था, तो उन्हें अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के नेताओं से मिलने का भी अवसर नहीं दिया गया.

आओ जानें

संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देश, जिन्होंने कभी भी इजराइल को मान्यता नहीं दी

अफगानिस्तान	इंडोनेशिया	पाकिस्तान
अल्जीरिया	कुवैत	क़तर
बांग्लादेश	लीबिया	सऊदी अरब
ब्रुनेई	मलेशिया	सोमालिया
कोमोरोस	उत्तर कोरिया	ट्यूनीशिया
जिबूती	ओमान	यमन

हमास-इजरायल जंग के बीच इजरायली सेना के 1 लाख सैनिकों ने गाजा को घेरा

हमास को दिया 24 घंटे का अल्टीमेटम

भाषा। तेल अवीव

हमास और इजरायल में जारी जंग के बीच अब इजरायली सेना के 1 लाख सैनिकों ने गाजा को घेर लिया है और इजरायली टैंक तेजी से गाजा की तरफ बढ़ रहे हैं. ये सैनिक सरकार के आदेश का इंतजार कर रहे हैं और कभी भी ग्राउंड ऑपरेशन के लिए गाजा में उतर सकते हैं. इजरायल ने हमास को 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया है और कहा है कि 24 घंटे के अंदर वो गाजा छोड़ दे. इजरायल ने गाजा में रहने वाले लोगों को बोल दिया है कि दक्षिणी हिस्से की तरफ चले जाएं जो इजिप्ट बॉर्डर है और अपेक्षाकृत सुरक्षित माना जाता है. इजरायल ने साफ कर दिया है कि गाजा में हमास के जहां-जहां अड्डे हैं उन्हें तहस-नहस कर दिया जाएगा. इजरायली डिफेंस फोर्सेस (आईडीएफ) ने गाजा में रहने वाले लोगों से अपनी सुरक्षा की खातिर यहां से दक्षिण की तरफ जाने का आग्रह किया है.

आईडीएफ ने कहा कि हमास गाजा निवासियों से हमारे सुरक्षा निर्देशों की अनदेखी करने को कह रहा है. दक्षिणी इजरायल में बड़े पैमाने पर इजरायली सशस्त्र बल आगे बढ़ रहे हैं. टैंकों और पैदल सेना के लड़ाकू वाहनों की आवाजाही के कारण सभी सड़कें जाम हो गई है. इंडिया टुडे के गौरव सावंत ने इज़राइल गाजा सीमा के पास ग्राउंड ज़ीरो पहुंचे, जहां इजरायल ने हमास के 750 सैन्य गढ़ों को नष्ट कर दिया है. तमाम पश्चिमी देश इजरायल को ना केवल अपना समर्थन दे रहे हैं बल्कि युद्ध संबंधित मदद भी कर रहे हैं. अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन एक ऐसे देश के साथ एकजुटता दिखाने के उद्देश्य से इजरायल की यात्रा पर पहुंचे जो अभी भी हमास के विनाशकारी हमले से जूझ रहा है, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए हैं.

हमास के 3600 से ज्यादा ठिकानें तबाह

वहीं, गाजा पट्टी में इजरायली एयरफोर्स की हमास के ठिकानों पर बमबारी जारी है. इजरायली हमले में गाजा में अब तक 1537 लोगों की मौत हो चुकी है. जबकि 6612 लोगों जख्मी हुए हैं. इजरायल ने अब तक गाजा पट्टी पर 6000 से ज्यादा बम गिराए हैं. इजरायल का दावा है कि उसने हमास के 3600 से ज्यादा ठिकानों पर तबाह कर दिया है. यूएन के मुताबिक, 23 लाख की आबादी वाले गाजा में हवाई हमलों के चलते लोग अपने घरों को छोड़ने को मजबूर हैं. अब तक 423,000 लोग विस्थापित हो चुके हैं. इनमें से ज्यादातर लोग यूएन द्वारा संचालित स्कूलों में सहारा ले रहे हैं.

हमास-इजरायल युद्ध के बीच गाजा पट्टी सीमा के पास तैनात इजराइली टैंक.

लेबनान बॉर्डर से इजरायल में घुसे थे 'हिज्बुल्ला' के लड़ाके

हिज्बुल्ला के आतंकी बॉर्डर फैंसिंग को तोड़कर इजरायल के दक्षिणी हिस्से में घुसे. हिज्बुल्ला के लड़ाकों ने इजरायली सीमा की दीवार तोड़कर इजरायल की सीमा में प्रवेश किया. बाद में, इजरायल ने यहां कई सारी मिसाइलें दागी लेकिन उससे पहले ही हिज्बुल्ला ने ये पूरा इलाका आम नागरिकों से खाली करवा दिया. हिज्बुल्ला की तरफ से खासतौर से महिलाओं और बच्चों को निकाला गया. उसके बाद जो है यहां जो पुरुष है जो लड़ने के लिए बैठे हैं वो भी हिज्बुल्ला के फाइटर हैं.

हमास लगातार दाग रहा है रॉकेट

इजरायली वायु सेना और तोपखाने द्वारा गाजा पट्टी में हमास के गढ़ों पर भारी बमबारी के बावजूद, हमास के पास इजरायल पर हमला करने की क्षमता बरकरार है. जैसे ही इजरायली टैंक और सैन्य टुकड़ी आगे बढ़ रही है तो हमास की तरफ से रॉकेट दागे जा रहे हैं. हमास ने इजरायल के दक्षिणी क्षेत्र में कई रॉकेट दागे हैं.

इजरायल ने हमास के चार आकाओं का किया खात्मा

अब्द अल-फतह दुखन

एक रिपोर्ट के अनुसार, हमास के संस्थापक सदस्य अब्द अल-फतह दुखन, जिसे अबू ओसामा के नाम से भी जाना जाता है, मंगलवार को गाजा पर इजरायली हवाई हमले में मारा गया. अब्द अल-फतह दुखन ने 1987 का हमास का चार्टर तैयार किया था. जिसमें इजरायल को खत्म करने की अपील की गई थी.

सामी अलहस्नी

सामी अल-अक्सा शहीद ब्रिगेड के संस्थापकों में से एक था. इजरायल का दावा है कि गाजा पट्टी में हुए हमलों में उसकी मौत हो गई.

अबू मामार और अबू शमाला भी मारे गए

इसके अलावा इजरायली एयरफोर्स ने दावा किया है कि हाल के हवाई हमलों में हमास के दो अन्य शीर्ष अधिकारी भी मारे गए. इनमें पोलित ब्यूरो के एक वरिष्ठ सदस्य जकारिया अबू मामार और समूह के अर्थव्यवस्था मंत्री जवाद अबू शमाला शामिल है. जकारिया हमास से जुड़े फैसले लेने वाली कमेटी में शामिल था और वह इजरायल के खिलाफ कई आतंकवादी गतिविधियों की साजिश रचने में शामिल था.

इजरायल की हिट लिस्ट में शामिल हमास के ये 'आका'

इजरायल की हिट लिस्ट पर हमास के वे तमाम 'आका' हैं, जो इस संगठन की शुरुआत से इसके सदस्य हैं, या इजरायल पर 7 अक्टूबर को हुए हमले के लिए जिम्मेदार हैं.

मोहम्मद डायफ

मोहम्मद डायफ हमास की सैन्य शाखा अल-कसम ब्रिगेड प्रमुख है. उसे इजरायल के इन हमलों के पीछे का मास्टरमाइंड माना जा रहा है. हमलों के तुरंत बाद एक ऑडियो टेप में उसने इस आतंकी ऑपरेशन को 'अल-अक्सा बाढ़' कहा था. डायफ का जम्म 1965 खान यूनिस शरणार्थी कैंप में हुआ. डायफ इजरायल के हिट लिस्ट में है.

अबू ओबैदा

अबू ओबैदा अल-कसम ब्रिगेड का प्रवक्ता है. अल-कसम ब्रिगेड ने ही इजरायल पर 7 अक्टूबर को हमला किया था. इस हमले के बाद ओबैदा ने ही ऐलान किया था कि हमास ने गाजा पट्टी में दर्जनों इजरायली सैनिकों को बंदी बना रखा है. अबू ओबैदा का वास्तविक नाम किसी को नहीं पता. न ही उसके बारे में कोई अन्य जानकारी है. वह अपना चेहरा ढंके रहता है. इजरायली सेना ने एयर स्ट्राइक में उसका भी घर तबाह कर दिया.

अल-जहर

अल जहर लगभग साठ साल का है, हमास की स्थापना के समय से ही उसके साथ है और हमास के संस्थापक अहमद यासीन का करीबी था. वह हमास के सह-संस्थापक और गाजा पट्टी में हमास नेतृत्व का सदस्य है. अल-जहर ने मार्च 2006 में हमास के प्रभुत्व वाली फिलिस्तीनी प्राधिकरण सरकार में विदेश मंत्री के रूप में कार्य किया. अल-जहर भी इजरायली सेना के टारगेट पर है.

याहया सिनवार

इजरायली हिट लिस्ट में याहया सिनवार का नाम सबसे ऊपर है. 7 अक्टूबर के हमलों के दो दिन बाद इजरायल सेना के शीर्ष प्रवक्ता रियर एडम हगारी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा था कि याहया सिनवार इस अभियान का कमांडर है. सिनवार सिनवार हमास के शीर्ष नेता इस्माइल हनियेह के बाद हमास के दूसरे सबसे शक्तिशाली सदस्य है. गाजा में वही सर्वोच्च पद पर है. सिनवार का जन्म 1962 में गाजा पट्टी के दक्षिण में खान यूनिस में एक फिलिस्तीनी शरणार्थी शिविर में हुआ था. 1980 के दशक में सिनवार को गाजा की सुरक्षा शाखा का प्रमुख बनाया गया था.

जियाद अल-नखला

जियाद अल-नखला 28 सितंबर 2018 से फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद (पीआईजे) का नेता है, जिसे संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोपीय संघ, यूनाइटेड किंगडम, जापान, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और इजरायल द्वारा एक आतंकवादी संगठन घोषित किया है. अल-नखला को 2014 में अमेरिका ने आतंकवादी घोषित किया था. कहा जाता है कि अल-नखलाह वर्तमान में लेबनान या सीरिया में रहता है.

इजराइल से वापस लौटा भारतीयों का पहला जत्था

नई दिल्ली। इजराइल से छात्रों सहित करीब 200 भारतीयों का पहला जत्था एक चार्टेड विमान से शुक्रवार तड़के दिल्ली पहुंच गया. हमास आतंकवादियों द्वारा पिछले शनिवार को इजराइल पर हमलों के बाद क्षेत्र में तनाव फैल गया था, जिसके परिणामस्वरूप स्वदेश वापसी के इच्छुक लोगों को वापस लाने के लिए भारत ने ऑपरेशन अजय शुरू किया. केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने दिल्ली हवाई अड्डे पर यात्रियों का स्वागत किया. उन्होंने हाथ जोड़कर सभी का अभिवादन किया.

इजराइल से 254 नेपाली छात्रों की घर वापसी

काठमांडू। युद्ध प्रभावित इजराइल से बचाए गए 254 नेपाली छात्रों का एक समूह विदेश मंत्री एन पी सऊद के नेतृत्व में शुक्रवार को काठमांडू पहुंच गया. इजराइल के बेन गुरियन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से गुरुवार को उड़ान भरने वाला नेपाल एयरलाइंस का एक विमान दुबई रुकने के बाद आज सुबह यहां त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा. विदेश मंत्री सऊद ने हवाई अड्डे पर उतरने के बाद संवाददताओं से कहा कि स्वदेश लौटने के लिए अनुरोध करने वाले अन्य नेपाली नगारिकों को भी जल्द वापस लाया जाएगा.

इजरायल की मदद के लिए ऋषि सुनक भेजेंगे जासूसी विमान

इजरायल की मदद के लिए ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने एक जासूसी विमान, दो युद्धपोत, तीन मर्लिन हेलिकॉप्टर और मरीन कमांडो की कंपनी भेजी है. इनकी तैनाती भूमध्यसागर में होगी. ताकि क्षेत्रीय संतुलन बनाया जा सके. ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने कहा है कि वो इजरायल की मदद के लिए रॉयल नेवी का टास्क ग्रुप भेज रहे हैं. इन्हें अगले हफ्ते भूमध्यसागर के लिए रवाना कर दिया जाएगा. इस मिलिट्री पैकेज में एक पी8 एयरक्राफ्ट, सर्विलांस एसेट्स, दो रॉयल नेवी शिप- आरएफए लाइम बे और आरएफए आर्गस, तीन मर्लिन हेलिकॉप्टर्स और रॉयल मरीन कमांडो की एक कंपनी शामिल है. ये भूमध्यसागर में स्टैंडबाय मोड पर रहेंगे. जैसे ही इजरायल को इनकी जरूरत पड़ेगी. इन्हें जमीन पर उतार दिया जाएगा.

न्यूज अपडेट

प्रसिद्ध पर्यावरणविद् व प्रोफेसर टी. शोभेन्द्रन का निधन

कोझिकोड। प्रसिद्ध पर्यावरणविद् और प्रोफेसर टी. शोभेन्द्रन का कोझिकोड के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया. वह 76 वर्ष के थे. उनके परिवार के करीबी सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. सूत्रों के मुताबिक, शोभेन्द्रन को बेचैनी की शिकायत के बाद यहां एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया और गुरुवार रात दिल का दौरा पड़ने से उनकी मौत हो. शोभेन्द्रन कोझिकोड में गुरुवायुरप्पन कॉलेज में अर्थशास्त्र के पूर्व प्रोफेसर थे और उन्होंने 98 एकड़ की बंजर पहाड़ी को हरे-भरे परिसर में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी.

भाजपा के वरिष्ठ नेता राजकुमार वेरका ने छोड़ी पार्टी

चंडीगढ़। पंजाब में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता राजकुमार वेरका ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने पार्टी छोड़ने का फैसला किया है और वह कांग्रेस में शामिल होने जा रहे हैं. वेरका ने इसे अपनी घर वापसी भी करार दिया. पिछले साल जून में वेरका कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में शामिल हो गए थे. वेरका कांग्रेस के उन कई नेताओं में शामिल हैं, जो पिछले एक साल से अधिक समय में भाजपा में शामिल हुए थे. इनमें सुनील जाखड़ भी शामिल हैं, जो वर्तमान में भाजपा की प्रदेश इकाई के प्रमुख हैं. जाखड़ ने जुलाई में भाजपा के प्रदेश इकाई प्रमुख की जिम्मेदारी संभाली थी.

रानीगंज में कोयला खदान ढहने से तीन की मौत

आसनसोल। पश्चिम बंगाल के पश्चिम वर्धमान जिले में अवैध खनन के दौरान एक कोयला खदान के ढह जाने से कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य लोगों के फंसे होने की आशंका है. अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. पुलिस को संदेह है कि यह घटना तब हुई जब आसनसोल से लगभग 18 किमी दूर रानीगंज थाना क्षेत्र के एगरा ग्राम पंचायत में ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) की नारायणकुरी कोलियरी से अवैध रूप से कोयला निकाला जा रहा था.

अफगानिस्तान में नमाज के बीच मस्जिद में विस्फोट

अफगानिस्तान। शुक्रवार के दिन दुनियाभर में मुस्लिम अनुयायियों ने अपनी-अपनी मस्जिदों में जुमे की नमाज अदा की. इस बीच पड़ोसी मुल्क अफगानिस्तान की एक मस्जिद बम धमाके से दहल गई. यहां तालिबान के आधिपत्य वाले बलगान प्रांत में जमान मस्जिद में हुए धमाके में 15 नमाजियों के मारे जाने की खबर है. काफी लोग घायल भी हुए हैं. खबर के मुताबिक, जहां मस्जिद में बम विस्फोट हुआ, वो शिया समुदाय की बहुलता वाला इलाका है. शिया और सुन्नी समुदायों के बीच हमेशा से कटुता रही है. सूत्रों के मुताबिक, यह विस्फोट एक शिया मस्जिद में हुआ है. विस्फोट में घायलों और मृतकों को अस्पताल पहुंचाया जा रहा है. राहत और बचाव अभियान जारी है. हालांकि, किसी आतंकी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है. एक अफगानी न्यूज पोर्टल पर बताया गया कि 40 से ज्यादा लोग जख्मी हुए हैं. जिनमें से 27 अब तक इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराए जा चुके हैं.

मोदी सरकार में मिली सिख पीड़ितों को न्याय : शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि 1984 के सिख विरोधी दंगों के पीड़ितों को न्याय मिलने की शुरुआत 2014 में नरेन्द्र मोदी सरकार बनने के बाद ही हुई. दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि 2014 के बाद 1984 के दंगों से संबंधित 300 मामले फिर से खोले गए और प्रत्येक मृतक के परिवार को 5 लाख रुपये का मुआवजा दिया गया. उन्होंने कहा कि 1984 के दंगों को कोई नहीं भूल सकता. मोदी सरकार के सत्ता में आने तक उन दंगों के मामले में किसी को सजा नहीं हुई. कई जांच आयोग बने, लेकिन नतीजा नहीं निकला. लेकिन मोदी ने एसआईटी बनाई, 300 मामले दोबारा खोले और जो दोषी थे उन्हें जेल भेजना शुरू किया.

अदालत ने भ्रूण की स्थिति पर एम्स से मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के चिकित्सकीय बोर्ड से एक विवाहित महिला के 26 सप्ताह के भ्रूण के संबंध में शुक्रवार को यह रिपोर्ट देने को कहा कि क्या वह (भ्रूण) किसी विकृति से ग्रस्त है. महिला ने न्यायालय से गर्भ को समाप्त करने की अनुमति मांगी है. प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ दो बच्चों की मां को 26-सप्ताह का गर्भ समाप्त करने के शीर्ष अदालत के नौ अक्टूबर के आदेश को वापस लेने की केन्द्र सरकार की याचिका पर जिरह सुन रही थी. पीठ ने कहा कि हालांकि एम्स की ओर से पेश की गई पहले की रिपोर्ट में कहा गया है कि भ्रूण सामान्य है, लेकिन मामले को किसी भी संदेह से परे रखने के लिए हम अनुरोध करते हैं कि उपरोक्त पहलू पर रिपोर्ट सौंपी जाए.

मणिपुरी छात्रों के मामले में मुख्य षड्यंत्रकर्ता गिरफ्तार

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने दो लापता मणिपुरी छात्रों के मामले का मुख्य षड्यंत्रकर्ता होने के संदेह में 22 वर्षीय एक युवक को पुणे से गिरफ्तार किया है. दोनों छात्रों के बारे में माना जा रहा है कि उनकी हत्या कर दी गई. अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि सीबीआई की एक विशेष टीम ने पाओलुनमांग को बुधवार को पुणे से गिरफ्तार किया और अदालत में पेश करने के लिए उसे गुवाहाटी ले गई.

उन्होंने बताया कि विशेष अदालत ने उन्हें 16 अक्टूबर तक सीबीआई की हिरासत में भेज दिया है.उन्होंने बताया कि सीबीआई को इस मामले में पाओलुनमांग के मुख्य षड्यंत्रकर्ता होने का संदेह है. केंद्रीय एजेंसी ने एक अक्टूबर को मामले में दो पुरुषों पाओमिनलुन हाओकिप, स्मालसॉम हाओकिप और दो महिलाओं ल्हिंगनेइचोंग बैतेकुकी, टिननेइलिंग हेंथांग को गिरफ्तार किया था. फिजाम हेमनजीत (20) और 17 वर्षीय लड़की हिजाम लिनथोइंगंबी छह जुलाई को लापता हो गए. कथित तौर पर उनके शव वाली तस्वीरें 25 सितंबर को सामने आईं, जिसके बाद मुख्य रूप से छात्रों ने मणिपुर में हिंसक विरोध प्रदर्शन किया.

खास बातें
- फिजाम व हिजाम लिनथोइंगंबी छह जुलाई से थे लापता
- उनके शव वाली तस्वीरें 25 सितंबर को आई थीं सामने

आप-बीती इजराइल से लौटे भारतीयों की खौफनाक दास्तां, बार-बार अस्थायी शिविरों में भाग रहे थे

डर-डर के गुजारे दिन, सायरन सुन कांप उठते थे

भाषा। नई दिल्ली

घर लौटने की खुशी और बीते कुछ दिनों से आंखों के सामने से गुजरे डरावने मंजर से सहमे करीब 200 भारतीयों का पहला जत्था एक चार्टर्ड विमान से शुक्रवार को तड़के दिल्ली पहुंचा. मगर वापस लौटे कुछ भारतीयों के कान में अभी भी हवाई हमले से सतर्क करने वाले सायरन, रॉकेट दागने की आवाजें और चीख-पुकार गूंज रही है. हमास आतंकवादियों द्वारा पिछले शनिवार को इजराइल पर ताबड़तोड़ हमले किए जाने और फिर इजराइल की जवाबी कार्रवाई के बाद क्षेत्र में तनाव फैल गया था, जिसके परिणामस्वरूप स्वदेश वापसी के इच्छुक लोगों को वापस लाने के लिए भारत ने 'ऑपरेशन अजय' शुरू किया. घर वापस आने वाले कई विद्यार्थियों ने शनिवार की उस डरावनी रात को याद किया और बताया कि हमास के हमलों के मद्देनजर कैसे उन्हें बार-बार अस्थायी शिविरों में भागने के लिए मजबूर होना पड़ा.

सायरन बजता तो हालात और डरावने हो जाते : जयपुर की रहने वाली मिनी शर्मा ने बताया कि हालात बहुत ही डरावने थे. हम वहां नागरिक के तौर पर नहीं थे. हम वहां सिर्फ विद्यार्थी के तौर पर थे. इसलिए जब भी सायरन बजता तो हमारे लिए हालात और डरावने हो जाते थे.

छात्रों ने भारत-इजराइल सरकार को धन्यवाद दिया

इजराइल से आए भारतीय छात्रों ने भारत और इजराइल सरकार को धन्यवाद दिया और कहा कि इजराइल में उनका अच्छी तरह से ध्यान रखा गया. एक छात्रा ने बताया कि मैंने दो उड़ानें बुक की थीं क्योंकि मुझे पता नहीं था कि कब मैं यहां से निकल पाउंगी. लेकिन मैं भारत वापस आकर बहुत खुश हूं.

लगातार हो रहे थे हमले

एक भारतीय छात्र दीपक ने बताया कि हमने शनिवार को सायरन की आवाजें सुनीं. जब हमले होते थे, तब हम धमाकों की आवाज सुन सकते थे. इजराइली अधिकारी हमें एहतियात बरतने के दिशा-निर्देश दे रहे थे. लगातार हमले हो रहे थे. मैं घर वापस आकर बहुत खुश हूं लेकिन वहां (इजराइल) फंसे हमारे दोस्तों के लिए दुखी भी हूं.

लोग डरे और गुस्से में हैं

छात्र ने संवाददाताओं को बताया कि सुरक्षित बाहर निकालने की प्रक्रिया बहुत सहज थी. इजराइल से आए भारतीयों के पहले जत्थे में शामिल पश्चिम बंगाल की ही निवासी दुती बनर्जी ने कहा कि वहां स्थिति काफी खराब और अस्थिर है. सामान्य जीवन मानो ठहर सा गया है. लोग डरे हुए हैं और गुस्से में हैं.

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत जम्मू के तीन दिवसीय दौरे पर

जम्मू। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत शुक्रवार से जम्मू कश्मीर की तीन दिवसीय यात्रा के दौरान संगठन के कामकाज की समीक्षा करेंगे और इसके विस्तार पर चर्चा करेंगे. एक बयान के अनुसार, भागवत की केंद्र शासित प्रदेश की यात्रा संगठन के कामकाज की समीक्षा के लिए देश भर में उनकी वार्षिक यात्रा का हिस्सा है. बयान में कहा गया कि आरएसएस प्रमुख शुक्रवार शाम जम्मू पहुंचेंगे और संघ के शीर्ष पदाधिकारियों के साथ अनौपचारिक बातचीत करेंगे. दौरे के दौरान, आरएसएस प्रमुख 14 अक्टूबर को केंद्र शासित प्रदेश में संगठन के कामकाज और उसके द्वारा संचालित गतिविधियों की समीक्षा के लिए कार्यकर्ताओं की एक बैठक की अध्यक्षता करेंगे.

सांप्रदायिक सौहार्द : सड़क के इस पार मानस पाठ तो उस पार अजान

आशीष टैगोर । लातेहार

लातेहार प्रारंभ से ही सांप्रदायिक सदभावना की मिसाल पेश करता आया है. यही कारण है कि यहां सड़क के इस पार श्रीरामचरित मानस का पाठ होता है तो सड़क के उस पार से अजान की आवाज सुनाई पड़ती है. शहर के ठीक बीचोबीच स्थित अंबाकोठी में इस वर्ष श्रीरामचरित मानस नवाह्य परायण पाठ का स्वर्ण जयंती वर्ष मनाया जा रहा है. शनिवार को कलश यात्रा के साथ इस महायज्ञ का शुभारंभ होगा. महायज्ञ स्थल के ठीक सामने सड़क के उस पार मात्र 15 फीट की दूरी पर शहर का जामा मस्जिद स्थित है. शारदीय नवरात्र के मौके पर जब भी किसी शुक्रवार को जामा मस्जिद में नमाज का वक्त होता है, महायज्ञ समिति के द्वारा लाउडस्पीकर की आवाज को या तो बंद कर दी जाती है.

महायज्ञ समिति द्वारा उपलब्ध करायी जाती हैं हर तरह की सहूलियतें : विधायक बैद्यनाथ प्रसाद व अध्यक्ष प्रमोद प्रसाद सिंह ने बताया कि साल 1973 में इस आयोजन का शुभारंभ किया गया था. शुरूआती दौर में इस आयोजन में आठ से दस हजार रूपये खर्च होते थे, आज इसमें आठ से दस लाख रूपयों का खर्च आता है. महायज्ञ समिति के द्वारा पाठकर्ता महिला व ब्राह्मणों को हर प्रकार की

रविवार को शुरू होगा पाठ

रविवार को पाठ प्रारंभ होगा. पारायण पाठ गिरिडीह के श्रीराम कथा वाचक अनिल वाचस्पति द्वारा कराया जायेगा. सुबह पांच बजे से सात बजे तक पूजा अर्चना, आठ बजे से दोपहर दो बजे तक ब्राह्मणों और महिला श्रद्धालुओं द्वारा रामचरित मानस का पाठ होगा. संध्या आरती के बाद मथुरा के नव धार्मिक रामलीला मंडली के कलाकारों द्वारा रामलीला का मंचन किया जायेगा. अगर यह कहें कि शारदीय नवरात्र के 10 दिनों तक के इस आयोजन से पूरे शहर का वातारण भक्तिमय एवं राममय हो जाता है तो गलत नहीं होगा. लोगों का कहना है कि यदि यह आयोजन न हो तो शहर में नवरात्र और दशहरा का आनंद ही फीका पड़ जायेगा.

मस्जिद के पास एक भी मुस्लिम परिवार नहीं

अक्सर देखा जाता है कि मुस्लिम बहुल इलाके में ही मस्जिदें होती हैं. हलांकि जिस स्थान पर लातेहार का जामा मस्जिद हैं, वहां आसपास के आधे किलोमीटर के दायरे में मुस्लिम समुदाय का एक भी परिवार नहीं है. बावजूद इसके प्रत्येक शुक्रवार को यहां काफी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग यहां नमाज पढ़ने आते हैं. आज तक यहां किसी प्रकार की कोई छोटी सी भी अप्रिय घटना नहीं हुई है. कभी अगर ईद के मौके पर मानस पाठ हो रहा हो तो मानस महायज्ञ समिति के लोग आगे बढ़ कर मुस्लिम समाज के लोगों को ईद की मुबारकबाद देते हैं. मुस्लिम समाज के लोग भी इसकी प्रशंसा करते हैं.

आओ जानें

14 अक्टूबर का इतिहास

1240 – रजिया सुलतान का निधन. रजिया भारत की पहली महिला शासक थी.

1882 – शिमला में पंजाब विश्वविद्यालय की स्थापना. यह ब्रिटिश उपनिवेशवादी सरकार द्वारा तत्कालीन कलकत्ता, बंबई और मद्रास के बाद स्थापित किया गया भारत का चौथा विश्वविद्यालय था.

1956 – दलित नेता और भारतीय संविधान के निर्माताओं में से एक डॉ. भीमराव आम्बेडकर ने अपने 3,85,000 अनुयाइयों के साथ बौद्ध धर्म स्वीकार किया.

1964 – मार्टिन लूथर किंग जूनियर को अहिंसा के सिद्धांत का पालन करते हुए रंगभेद के खिलाफ संघर्ष के लिए नोबेल शांति पुरस्कार से नवाजा गया.

1994– फिलिस्तीन के नेता यासर अराफात को इस्राइल के प्रधानमंत्री यित्जक राबिन और विदेश मंत्री शिमोन पेरेज के साथ नोबेल शांति पुरस्कार के लिए चुना गया.

2010– राजधानी दिल्ली में तीन अक्टूबर को शुरू हुए 19वें राष्ट्रमंडल खेलों का समापन.

चंदवा के मुखिया ने दशकर्म के लिए उपलब्ध करायी खाद्य सामग्री

चंदवा। चंदवा शहर के कुसुमटोली निवासी शिवनंदन लोहरा, पिता गोखुल लोहरा का बीते दिनों असमय निधन हो गया. युवक के निधन पर चंदवा पूर्वी मुखिया सह झामुमो युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष रंजीत उंराव ने गहरा शोक व्यक्त किया. युवक पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहा था. मृतक की तीन छोटी छोटी बेटियां हैं. वहीं इस पर युवक के दशकर्म के लिए मुखिया रंजीत उंराव ने पीड़ित परिवार को खाद्यान्न सामग्री उपलब्ध करायी. साथ ही पारिवारिक लाभ योजना के तहत मदद दिलाने का भरोसा दिलाया. परिजनों ने बताया कि मृतक ग्रीन फील्ड एकेडमी में कई वर्षों से स्कूल वैन चलाने का कार्य करता था.

आपदा फरिश्ता सम्मान से सम्मानित हुए अंकित

धनबाद। समाजसेवा में धनबाद ही झारखंड में एक चर्चित चेहरा अंकित राजगढ़िया दिल्ली में आपदा फरिश्ता सम्मान से नवाजे गए. यह सम्मान उन्हे विशेष कर सड़क दुर्घटना में घायलों को अस्पताल पहुंचाने के लिए मिला. कार्यक्रम में कुल देशभर से 62 लोगों का चयन किया गया था. अंकित राजगढिया ने कहा कि सम्मान निश्चित रूप से आगे और बेहतर करने की प्रेरणा देता है. समारोह के मुख्य अतिथि सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश शिव कृति सिंह थे.

महिला एशियाई हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारी शुरू

सीएम ने मैस्कॉट व ट्रॉफी का किया अनावरण

खेल संवाददाता । रांची

मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रो टर्फ स्टेडियम में होने वाली महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए शुक्रवार को ट्रॉफी का अनावरण और मैस्कॉट लांच किया गया. मैस्कॉट का नाम जूही रखा गया है, जो हाथी है. कार्यक्रम में मुख्य रूप से सीएम हेमंत सोरेन, एफआईएच अध्यक्ष दातो तैय्यब इकराम, हॉकी इंडिया के अध्यक्ष पद्मश्री डॉ दिलीप तिर्की, हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह, हॉकी इंडिया के कोषाध्यक्ष शेखर जे मनोहरन, हॉकी संघ के पदाधिकारी और खिलाड़ी मौजूद रहे. मालूम हो कि इस प्रतियोगिता में मेजबान भारत के साथ एशिया की टॉप 6 जापान, चीन, कोरिया, मलेशिया और थाईलैंड की टीमें भाग ले रही हैं.

ट्रॉफी टूर का भी शुभारंभ, सभी जिलों में होगी यात्रा : कार्यक्रम के साथ टूर्नामेंट के लिए ट्रॉफी टूर का भी शुभारंभ हुआ. झारखंड महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी की यात्रा शनिवार को रांची से शुरू हुई, जो राज्य के सभी 24 जिलों का दौरा करेगी. ट्रॉफी दौरा 25 अक्टूबर को समाप्त होगा. टूर्नामेंट के शुरुआत से पहले ट्रॉफी पावस रांची आ जाएगी.

झारखंड महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी प्रतियोगिता दो सप्ताह में शुरू होने वाली. यानी प्रतियोगिता 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक होगी. भारत की टीम इस टूर्नामेंट में जापान, चीन, कोरिया, मलेशिया और थाईलैंड के साथ प्रतिस्पर्द्धा करेगी. सविता कप्तान के रूप में भारतीय महिला हॉकी टीम का नेतृत्व करेंगी, जबकि दीप ग्रेस एक्का उनकी सहायक होंगी. मैचों का प्रसारण व लाइव प्रसारण सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर किया जाएगा.

वन्य जीवन पर ध्यान आकर्षित करने की कोशिश : तिर्की

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष पद्मश्री डॉ दिलीप तिर्की ने कहा कि हम जनता की संस्कृति को ध्यान में रखते हुए मैस्कॉट की अवधारणा लेकर आए. हम झारखंड राज्य में मौजूद वन्य जीवन की ओर ध्यान आकर्षित करना चाहते थे. और एक शुभंकर विकसित करना चाहते थे, जिससे हर कोई जुड़ सके और इसके बारे में अधिक जानना चाहे.

जूही झारखंड के लिए प्रेरणा : भोलानाथ सिंह

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा कि जूही कई वर्षों से झारखंड के लोगों के लिए प्रेरणा रही है और अब वह झारखंड महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी रांची 2023 के दौरान दुनिया के हॉकी सितारों के लिए प्रेरणा के रूप में काम करने के लिए यहां है. मैस्कॉट के रूप में, जूही हाथी खूबसूरत राज्य झारखंड के समृद्ध वन्य जीवन का प्रतीक है और हमारे सांस्कृतिक मूल्यों का प्रतिनिधित्व करती है.

मैस्कॉट हाथी बेतला की जूही की प्रेरणादायक कहानी से प्रेरित : सीएम हेमंत

जूही नाम का मैस्कॉट बेतला नेशनल पार्क की लोकप्रिय हाथिनी से प्रेरित है. इस अवसर पर सोरेन ने कहा कि झारखंड महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी रांची 2023 दो सप्ताह में शुरू होने वाली है, मैं प्रतिष्ठित आयोजन के लिए आधिकारिक मैस्कॉट जूही को पेश करते हुए सम्मानित महसूस कर रहा हूं. मैस्कॉट हाथी जूही की प्रेरणादायक कहानी से प्रेरित है, जो सुंदर बेतला राष्ट्रीय उद्यान का पर्याय बन गया है. हजारों पर्यटकों को ले जाने के अलावा, जूही ने दशकों तक जंगल में मानव जाति के रक्षक के रूप में भी काम किया और एक पुरस्कार प्राप्त किया. यह हमारे समाज के लोगों में मानव मूल्यों को विकसित करने और हमारे झारखंड राज्य से जुड़े प्रिय वन्य जीवन के बारे में दुनिया भर के हॉकी सितारों के बीच जागरूकता पैदा करने का एक शानदार तरीका है.

आयोजन की शोर बहुत दूर तक जाए : तैयब

विश्व हॉकी महासंघ के अध्यक्ष तातो तैयब ने अपने संबोधन में सीएम हेमंत सोरेन का आभार जताते हुए कहा कि उनके साथ बिताया हुआ पल उनके दिल के करीब है. इंटरनेशनल हॉकी झारखंड के सहयोग से बड़ा काम करेगी. झारखंड एक्सीलेंस ना सिर्फ हॉकी बल्कि सभी स्पोर्ट्स को बढ़ावा दे रहा है. झारखंड में इस आयोजन की शोर बहुत दूर तक जाए, ऐसा आयोजन होगा. यह तो बस शुरुआत है. हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह ने कहा कि झारखंड की धरती पर इतना बड़ा इवेंट हो रहा है, उसके लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को हॉकी झारखंड और सभी खिलाड़ियों की ओर से आभार व्यक्त करता हूं.

इंस्टाग्राम से हुआ प्यार, पकड़े जाने पर ग्रामीणों ने करा दी शादी

संवाददाता । नावाडीह (बोकारो)

बोकारो जिला के नावाडीह प्रखंड के उपरघाट स्थित नारायणपुर पंचायत के लहिया निवासी रामचंद्र महतो के छोटे पुत्र हजारीबाग जिला के विष्णुगढ़ प्रखंड केंदुवाडीह टोला करमातांड निवासी स्व चतुर भुवन महतो की बड़ी पुत्री पुष्पा कुमारी के साथ इंस्टाग्राम से प्यार हो गया था. युवक प्यार में इतना दीवाना हो गया था कि वह गुरूवार की रात को विष्णुगढ़ से चलकर युवती के घर पहुंच गया. रात का समय था. ग्रामीणों ने उन दोनों को एक साथ देख लिया तो पकड़ लिया. दोनों से पूछताछ हुई तो, पता चला कि वे एक दूसरे से प्यार करते हैं और जीवन एक साथ बिताना चाहते हैं. तब ग्रामीणों ने शुक्रवार को इसकी जानकारी युवक और युवती के परिजनों को दी. जानकारी मिलते ही दोनों के अभिभावक पहुंचे. युवती के घर पर नारायणपुर के पंसस कालेश्वर महतो, पूर्व मुखिया भेखलाल महतो, गलोहबार मुखिया छोटी ठाकुर, पूर्व रीतलाल महतो समेत अन्य लोग जुटे. ग्रामीणों ने दोनों के परिजन और प्रेमी युगल से पूछताछ की. दोनों पक्ष युवक और युवती की रजामंदी होने पर शादी के लिए सहमति दी. इसके बाद हिंदू रीति रिवाज के साथ दोनों की शादी करा दी गई.

इंस्टाग्राम लव

- युवती से मिलने गुरुवार रात उसके घर पहुंचा था युवक
- दोनों पक्ष युवक-युवती की रजामंदी से हुई शादी

कॅरियर-काउंसिलिंग

बीएसी जूलॉजी के बाद कर सकते हैं कई कोर्स और बना सकते हैं अपना कॅरियर

एजुकेशन रिपोर्टर । रजनीश प्रसाद ।

जूलॉजी में बायोलॉजिकल ओशनोग्राफी, कॉम्पिटिटिव फिजियोलॉजी, इकोलॉजी, डेवलपमेंटल एंड सेल बायोलॉजी, वर्टेब्रेट एंड इनवर्टेब्रेट जूलॉजी, पैरासिटोलॉजी आदि के क्षेत्र में उन्नत अध्ययन और रिसर्च शामिल है. इसमें जैव केमिकल जेनेटिक्स, बायोलॉजिकल कंट्रोल और रिसर्च के अन्य विशेष क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न विषयों का अध्ययन शामिल है. जूलॉजी के बाद आपके पास मास्टर्स, ग्रेजुएट डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स करने का विकल्प होता है. इन कोर्सेज में बायोकेमिस्ट्री एंड बायो टेक्नोलॉजी जैसे विषय शामिल है. इस कोर्स में आपको जानवरों की जीव विज्ञान, व्यवहार और संरचना के बारे में गहन अध्ययन कराया जाता है. इस कोर्स को करने के बाद आप रिसर्चर शिक्षक, प्रोफेसर, जूलॉजिस्ट, चिड़ियाघर एनिमल वेलफेयर के रूप में काम कर सकते हैं. आप बीएससी जूलॉजी के बाद मेडिकल कोर्सेज का चुनाव भी कर सकते हैं.

भारत में टॉप यूनिवर्सिटीज

मिरांडा हाउस	दिल्ली
हंसराज कॉलेज	दिल्ली
सेंट जेवियर्स कॉलेज	अहमदाबाद
जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी	जयपुर
सेंट जेवियर्स कॉलेज	मुंबई
माउंट कार्मेल कॉलेज	बैंगलोर
वाराणसी हिंदू विश्वविद्यालय	वाराणसी
क्राइस्ट यूनिवर्सिटी	बैंगलोर
ज्योति निवास कॉलेज	बैंगलोर
डीएवी कॉलेज	चंडीगढ़
सेंट फ्रांसिस कॉलेज	हैदराबाद
रामनिरंजन झुनझुनवाला कॉलेज (आरजेसी)	मुंबई

झारखंड के संस्थान

रांची विश्वविद्यालय	रांची
डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय	रांची
संत जेवियर्स कॉलेज	रांची
बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय	धनबाद
पीके रॉय मेमोरिय कॉलेज	धनबाद
विनोबा भावे विश्वविद्यालय	हजारीबाग
कोल्हान विश्वविद्यालय	चाईबासा
सिधु कान्हू विश्वविद्यालय	दुमका
जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय	जमशेदपुर
नीलाबंर पितांबर विश्वविद्यालय	पलामू

एमएससी जूलॉजी

बीएससी जूलॉजी के बाद एमएससी जूलॉजी छात्रों के द्वारा सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली कोर्स है. एमएससी जूलॉजी जानवरों के बारे में अध्ययन करने के लिए 2 साल की मास्टर डिग्री है. इस कोर्स में आपको जानवरों की जीव विज्ञान, व्यवहार और संरचना के बारे में गहन अध्ययन कराया जाता है. एमएससी जूलॉजी करने के लिए आपके पास चिकित्सा विज्ञान, संबद्ध विज्ञान, जैव विज्ञान और जीवन विज्ञान विशेषज्ञता में बैचलर डिग्री होनी चाहिए. एमएससी जूलॉजी में एडमिशन या तो योग्यता के आधार पर या यूनिवर्सिटी स्तर पर होने वाली एंट्रेंस एग्जाम के आधार पर होता है. आपके पास चिकित्सा विज्ञान, संबद्ध विज्ञान, जैव विज्ञान और जीवन विज्ञान विशेषज्ञता में बैचलर डिग्री होनी चाहिए. एमएससी. जूलॉजी में जीव विज्ञान, आनुवंशिकी, वर्गीकरण और विकास जैसे विषय पढ़ाये जाते हैं. एमएससी जूलॉजी के बाद आप शोधकर्ता, शिक्षक, प्रोफेसर, प्राणी विज्ञानी, चिड़ियाघर पशु कल्याण के रूप में काम कर सकते हैं.

एमएससी बायोटेक्नोलॉजी

एमएससी इन बायोटेक्नोलॉजी एक पोस्टग्रेजुएट कोर्स है. यह दो साल का कोर्स है, जिसे 4 सेमेस्टर में बांटा गया है. जैव प्रौद्योगिकी अनुप्रयुक्त विज्ञान है, जो बायोप्रोसेस इंजीनियरिंग, चिकित्सा और प्रौद्योगिकी से सम्बंधित है. एमएससी बायोटेक्नोलॉजी में छात्रों को बायोलॉजिकल सिस्टम का उपयोग करके ह्यूमन के लिए उपयोगी प्रोडक्ट बनाने के बारे में सिखाया जाता है. एमएससी बायोटेक्नोलॉजी करने के बाद आप हेल्थ केयर और फार्मा के क्षेत्र में आसानी से जॉब पा सकते हैं.

एमएससी माइक्रोबायोलॉजी

माइक्रोबायोलॉजी को सूक्ष्मजीवों के नाम से भी जाना जाता है. इस कोर्स में एकल कोशिकीय या एकल-कोशिका, बहुकोशिकीय या एक कोशिका कॉलोनी और किसी भी प्रकार की सूक्ष्मजीव उचित कोशिका के बारे में पढ़ाया जाता है. माइक्रोबायोलॉजी एक विशाल विषय है जिसमें वायरोलॉजी, पैरासिटोलॉजी, माइकोलॉजी और बैक्टीरियोलॉजी जैसे उप-विषय शामिल है. सरल शब्दों में माइक्रोबायोलॉजी सभी लिविंग ऑर्गनिजमस का अध्ययन है जो इतने छोटे हैं कि वे नग्न आंखों के लिए अदृश्य हैं. सूक्ष्मजीव जीवन रक्षक दवाएं बनाने, जैव ईंधन के निर्माण, प्रदूषण को साफ करने और खाने-पीने की चीजें बनाने में भी उपयोगी है.

एमएससी इन लाइफ साइंसेज

एमएससी इन लाइफ साइंस 2 साल का पोस्टग्रेजुएट डिग्री कोर्स है, जो लिविंग ऑर्गैनिस्म जैसे- वनस्पति विज्ञान, प्राणी विज्ञान, सूक्ष्म जीव विज्ञान, शरीर विज्ञान और जैव रसायन से संबंधित हैं. एमएससी. लाइफ साइंस में जैव रसायन, पारिस्थितिकी, पशु विविधता, अर्थशास्त्र और नृवंशविज्ञान, जैव सांख्यिकी जैसे विषय पढ़ाये जाते हैं. एमएससी लाइफ साइंस के बाद आप फार्मास्युटिकल उद्योग, प्रयोगशाला प्रौद्योगिकी, आनुवंशिक इंजीनियरिंग, सामग्री विज्ञान के क्षेत्र में नौकरी कर सकते हैं.

एमएससी बॉटनी

बॉटनी, वनस्पति विज्ञान का अध्ययन है, जिसे पादप जीव विज्ञान और पादप विज्ञान के नाम से भी जाना जाता है. एमएससी बॉटनी दो साल की मास्टर डिग्री है. वनस्पति विज्ञान, कृषि, बागवानी, वानिकी और पर्यावरण विज्ञान से संबंधित है. एमएससी. बॉटनी की डिग्री को 4 सेमेस्टर में विभाजित किया गया है. सेमेस्टर I, सेमेस्टर II और सेमेस्टर III में कोर पेपर शामिल होते हैं और छात्र को एक ओपन इलेक्टिव कोर्स का चयन करना होगा जो दूसरे विभाग द्वारा ऑफर किया जाता है.

एमएससी बायोइंफॉर्मेटिक्स

एमएससी बायोइंफॉर्मेटिक्स साइंस स्ट्रीम में दो साल की मास्टर डिग्री है, जो मेडिसिन और मॉडर्न बायोलॉजी के डाटा मैनेजमेंट से संबंधित है. एमएससी बायोइंफॉर्मेटिक्स करने के बाद आप डेटाबेस प्रोग्रामर, कम्प्यूटेशनल बायोलॉजिस्ट, लेक्चरर, नेटवर्क एडमिनिस्ट्रेटर, रिसर्च साइंटिस्ट और बायोइनफॉरमैटिक्स सॉफ्टवेयर डेवलपर के रूप में काम कर सकते हैं.

प्रवेश परीक्षाएं

बीएससी जूलॉजी कोर्स में मेरिट और एंट्रेंस एग्जाम के आधार पर प्रवेश लिया जा सकता है. बीएचटू यूईटी, एमसीएईआर सीईटी, एनईएसटी और जेईएसटी जैसे कुछ एंट्रेंस टेस्ट हैं जो बीएससी जूलॉजी कोर्स के लिए कंडक्ट की जाती हैं.

आवेदन प्रक्रिया

- सबसे पहले अपनी चुनी हुई यूनिवर्सिटी की ऑफिशियल वेबसाइट में जाकर रजिस्ट्रेशन करें.
- यूनिवर्सिटी की वेबसाइट में रजिस्ट्रेशन के बाद आपको एक यूजर नेम और पासवर्ड प्राप्त होगा.
- फिर वेबसाइट में साइन इन करें, जिसके बाद अपने चुने हुए कोर्स का चयन करें जिसे आप करना चाहते हैं.
- शैक्षिक योग्यता, वर्ग आदि के साथ आवेदन फॉर्म भरें.
- इसके बाद आवेदन फॉर्म जमा करें और आवश्यक आवेदन शुल्क का भुगतान करें.
- यदि एडमिशन, प्रवेश परीक्षा पर आधारित है तो पहले प्रवेश परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन करें और फिर रिजल्ट के बाद काउंसलिंग की प्रतीक्षा करें. प्रवेश परीक्षा के अंको के आधार पर आपका चयन किया जाएगा और लिस्ट जारी की जाएगी.

करियर स्कोप

- रिसर्च ऑफिसर
- फॉरेस्ट ऑफिसर
- प्रोजेक्ट मैनेजर
- लैब असिस्टेंट
- एसोसिएट प्रोफेसर
- एंटोमोलॉजिस्ट
- इंफॉर्मेशन ऑफिसर
- टेक्निकल ऑफिसर
- मेडिकल ऑफिसर
- एनवायरोमेंटल कंसलटेंट
- रिसर्च साइंटिस्ट
- दवा कंपनियां
- पर्यावरण एजेंसी
- महाविद्यालय और विश्वविद्यालय
- चिकित्सा प्रयोगशालाएं
- सरकारी अस्पताल
- कृषि फर्में
- हैचरी, और संग्रहालय

जूलॉजी के बाद पैरामेडिकल कोर्स

- एमएससी इन पैंडेमिक नर्सिंग।
- मास्टर ऑफ फिजियोथेरेपी इन न्यूरोलॉजी
- एमएससी इन ऑडियोलॉजी एंड स्पीच थेरेपी
- एमएससी इन ऑप्टोमेट्री
- एमएससी इन एनेस्थीसिया टेक्नॉलॉजी
- एमएससी इन ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी
- एमएससी इन एनेस्थीसिया टेक्नोलॉजी

बीएससी जूलॉजी के बाद मेडिकल कोर्सेज

- एमएससी बॉटनी
- एमएससी माइक्रोलॉजी
- एमएससी मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी
- एमएससी मेडिकल इमेजिंग टेक्नोलॉजी
- एमएससी मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)